শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 212 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 24 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

धुबड़ी : बालाजान में अधिग्रहित भूमि से बेदखली का अभियान शुरू पेज 3
भारत को वैश्विक हरित ऊर्जा बाजार में स्थापित करेगा यह बजट : प्रधानमंत्री मोदी पेज 4
यूपी के देवबंद स्टेशन पर नॉन इंटरलाकिंग कार्य के चलते 19 ट्रेनें रहेंगी प्रभावित पेज 5
ईआरसीपी के विरुद्ध मध्य प्रदेश सरकार की याचिका पूर्वी राजस्थान के हक... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो मनुष्य संयम के साथ, विद्यार्जन करता है, और अपने विद्या से सब का परोपकार करता है। उसकी पूजा सिर्फ इस लोक में नहीं वरन परलोक में भी होती है।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर

नगा विद्रोहियों का पुलिस ने उड़ाया कैंप

एके-47, एम-16 समेत कई हथियार बरामद

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश में पुलिस ने गुरुवार को नगा विद्रोहियों के बड़े कैंप पर छापा मारा। यह कैंप भारत-म्यांमार बॉर्डर के किनारे चांगलांग जिले में ईस्टर्न नगा नेशनल गवर्नमेंट (ईएनएनजी) नाम के अलगाववादी ग्रुप का था। पुलिस को यहां से बड़ी मात्रा में हथियार बरामद हुए। इस बड़े ऑपरेशन को पुलिस ने अकेले अंजाम दिया। पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि फोटो और वीडियो लेने के बाद कैंप को जलाकर नष्ट कर दिया गया। अरुणाचल पुलिस को इस कैंप के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और चांगलांग पुलिस ने गुरुवार सुबह इस कैंप पर धावा बोल दिया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस विद्रोही ग्रुप की खतरनाक गतिविधियां कई महीनों से पुलिस के रडार पर थीं। इस समूह की तरफ से बड़ा खतरा पैदा हो गया था, उसे खत्म करने के लिए कार्रवाई करना जरूरी था। पुलिस ने इस बारे में स्ट्रैटजी बनाई और कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। बुधवार को इस कैंप की जासूसी करने के दौरान पुलिस को यहां पांच विद्रोही नजर आए थे। गुरुवार के ऑपरेशन में कैंप पर कंट्रोल्ड अटैक किया गया, जिसके चलते विद्रोहियों को कैंप छोड़कर भागना पड़ा। ऑपरेशन खत्म होने के बाद कैंप की तलाशी ली गई, जिसके बाद वहां बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद हुआ। कैंप से पुलिस ने एक एके-47 राइफल, एक एम-16 राइफल, एक हैंड ग्रेनेड, एके-47 के लिए 7.62 एमएम के 104 राउंड्स, 5.56 एमएम के 23 राउंड्स, एके-47 के लिए 7.62 एमएम की 4 मैगजीन, 5.56 एमएम की 2 मैगजीन, दो डबल-एक्शन ओनली, एक डब्ल्यूटी कम्युनिकेशन सेट और चार्जर और एंथनी ताइदोंग के नाम से एक पैन कार्ड बरामद किया। सितंबर 2017 में -शेष पृष्ठ दो पर

पवन खेड़ा मामले पर मैंने कोई गलती नहीं की : हिमंत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर दिए गए बयान पर जारी विवाद थम नहीं रहा है। भाजपा नेता लगातार पवन खेड़ा और कांग्रेस को निशाने पर ले रहे हैं। अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी पवन खेड़ा के बयान पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि ऐसे बयानों के लिए देश कभी भी कांग्रेस नेताओं को माफ नहीं करेगा। शर्मा ने कहा कि मैंने कोई गलती नहीं की। माना जा रहा है कि हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने को लेकर यह बात कही है। बता दें कि पवन खेड़ा के प्रधानमंत्री पर दिए बयान के चलते उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश में एफआईआर दर्ज हुई है। यह एफआईआर भाजपा नेता मुकेश शर्मा ने -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में म्यांमार और बांग्लादेश के 31 हजार शरणार्थी

एजल। एक अधिकारी ने बताया कि है कि 31,500 से ज्यादा शरणार्थी म्यांमार और बांग्लादेश से आकर मिजोरम के अलग-अलग स्थानों पर रह रहे हैं। इनमें से 31050 लोग म्यांमार से आए हैं और 541 लोग बांग्लादेश से आए हैं। अधिकारी ने बताया कि बांग्लादेश के लोग लौंगतलाई जिले के आठ गांवों में 160 कैंप बनाकर रह रहे हैं। फरवरी 2021 में म्यांमार में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद वहां के चिन प्रांत से लोग भागकर मिजोरम पहुंचे हैं। वहीं बांग्लादेश के चिटगांव से शरणार्थी मिजोरम आए हैं। मिजोरम की म्यांमार -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में 25 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, मेघालय से तीन तस्कर गिरफ्तार

इंफाल/शिलॉन्ग। मणिपुर के टेंग्नौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास से 25 करोड़ रुपए कीमत की डब्ल्यूवाई (वर्ल्ड इज योर्स) गोलियां बरामद होने के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मोरेह टाउन में नियमित गश्त के दौरान राज्य पुलिस और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने बुधवार को फैलांग वेंग इलाके में एक शख्स के घर से 56 किलोग्राम से अधिक वजन की डब्ल्यूवाई गोलियां जब्त कीं। अधिकारी ने कहा कि कर्मियों ने जब व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधि देखी तो उन्होंने उससे संपर्क किया। इसके बाद उसने मौके से भागने की कोशिश की तो टीम ने उससे पूछताछ -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मोदी डिमापुर में आज

डिमापुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 24 फरवरी को एक दिवसीय दौरे पर डिमापुर आ रहे हैं। इस दिन प्रधानमंत्री राष्ट्रीय जनतांत्रिक प्रगतिशील पार्टी (एनडीपीपी) और भाजपा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री एनडीपीपी-प्रमुख नेफ्यू रियो, असम के मुख्यमंत्री और नेडा के संयोजक डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा के केंद्रीय प्रवक्ता और नगालैंड में पार्टी प्रभारी नेता नलिन कोहली ने गुरुवार को आधिकारिक रूप से इसकी जानकारी साझा की है।

तेजस्वी को सीएम बनने में बुराई नहीं : शत्रुघ्न सिन्हा

पटना (हि.स.)। बिहारी बाबू के नाम से प्रसिद्ध एवं तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा भी राजद नेता तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में है। इसे लेकर उन्होंने सवाल उठाया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि अगर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन सकते हैं तो तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने में क्या बुराई है। उन्होंने कहा कि हमारे दोस्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सक्षम माना जाता है, तो ऐसी क्या कमी तेजस्वी में है।

खासी-गारो भाषा की उपेक्षा की गई : डिप्टी सीएम

शिलांग। मेघालय के उपमुख्यमंत्री और नेशनल पीपुल्स पार्टी के उपाध्यक्ष प्रेस्टोन टायन्सॉन्ग ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर राज्य में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) को लागू करने और खासी और गारो भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांगों को नजरअंदाज किया है। प्रेस्टोन टायन्सॉन्ग ने कहा कि जिस तरह से मेघालय के लोगों से जुड़े मुद्दों पर भाजपा ने राजनीति खेली उससे वह दुखी हैं और उम्मीद करते हैं कि मतदाता भाजपा को दंडित करेंगे। भाजपा संविधान की आठवीं अनुसूची में खासी और गारो को शामिल नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

38 साल सेना में रहने के बावजूद नागरिकता से वंचित सैनिक को हाईकोर्ट से मिला न्याय

गुवाहाटी। गौहाटी हाई कोर्ट ने एक विदेशी ट्रिब्यूनल के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें असम के 85 साल के गोरखा निवासी को अवैध प्रवासी घोषित किया गया था। इसके साथ ही जगत बहादुर छेत्री को 10,000 रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। दरअसल, उन्हें एक चुनाव अधिकारी द्वारा संदिग्ध मतदाता (डी-वोटर) माना गया था। हाई कोर्ट ने चुनाव विभाग से कहा कि वह उस अधिकारी की पहचान करें जिसने छेत्री को डी-वोटर के रूप में क्लासीफाइड किया और उसे 10,000 रुपए का भुगतान करने के लिए भी कहा। 2019 की याचिका को खारिज को निपटाते हुए जस्टिस अचिंत्य मल्ल बुजोर बरूआ और रोबिन फुकन की बेंच ने कहा कि ये केस अधिकारी द्वारा दिमाग न लगाने का मामला था। आदेश में हाई कोर्ट ने कहा कि यदि छेत्री का जन्म 1937 में हुआ था और उनका जन्म स्थान डिब्रूगढ़ है। जन्म के बाद ऐसा कुछ नहीं है जिसके आधार पर कहा जा सके कि वो स्पेसिफाइड टेरिटरी (बांग्लादेश) में चले गए और उसके बाद 25 मार्च 1971 के बाद असम में फिर से प्रवेश किया। हमारा विचार है कि 52 दिसपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के ईआरओ की ओर से इस मामले में पूरी तरह से दिमाग का उपयोग नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

एक घंटे में केस रद्द नहीं तो अंजाम बुरा खालिस्तानी ने दी प्रशासन को धमकी

चंडीगढ़। पंजाब के अमृतसर में गुरुवार को जमकर बवाल देखने को मिला। अमृतसर में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। आज दोपहर में शुरू हुआ ये प्रदर्शन और विवाद अभी भी जारी है। अमृतसर में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस पूरे उपद्रव के बीच *वारिस पंजाब* दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने मीडिया से बात की। अमृतपाल ने प्रशासन को खुली धमकी दी है। इसने कैमरे के सामने साफ कहा कि अगर एक घंटे में उसके साथी को पुलिस नहीं छोड़ती और ये केस खत्म नहीं करती, तो आगे जो कुछ भी होगा उसके लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। -शेष पृष्ठ दो पर

दलाई लामा शांति दूत : रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को तिब्बतियों के धर्मगुरु दलाई लामा को शांति का दूत बताया। उन्होंने कहा कि तिब्बतियों के हितों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने की जरूरत है। तिब्बती बौद्ध नववर्ष पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे तिब्बती समुदाय तक भी पहुंचाने की जरुरत है। किरेन रिजिजू ने कहा कि तिब्बती लोग -शेष पृष्ठ दो पर

भारत भविष्य की उम्मीद : बिल गेट्स

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के दौरान जहां पूरी दुनिया की विकास दर गिर रहीं थी वहीं भारत सभी चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ रहा था। इस बात का लौहा अब अरबपति और दुनिया के पांचवें सबसे अमीर व्यक्ति बिल गेट्स ने भी माना है। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर ने बिल गेट्स ने अपने ब्लॉग गेट्स नोट्स में कहा है कि भारत भविष्य के लिए एक आशा देता है। उन्होंने लिखा कोरोना काल के दौरान व इसके बाद से दुनिया ने भारत की सक्षमता को सराहा है क्योंकि देश सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर उभरा है। बिल गेट्स ने अपने ब्लॉग में लिखा भारतीय इकोनॉमी की ये रफ्तार आगे भी जारी रहेगी। बिल गेट्स ने लिखा है कि भारत भविष्य के लिए आशा देता है और यह साबित करता है कि भारत बड़ी समस्याओं को एक बार में हल कर सकता है, भले ही दुनिया कई संकटों का सामना क्यों न कर रही हो। गेट्स ने आगे लिखा कि उनका मानना है कि सही इनोवेशंस और डिलीवरी चैनलों के साथ दुनिया एक साथ कई बड़ी समस्याओं से पार पाने में सक्षम हो सकती है। द स्टेट्समैन पर छपी एएनआई की रिपोर्ट बताया गया है कि बिल गेट्स ने अपने ब्लॉग में कहा कि मुझे पूरी तरह से भारत भविष्य के लिए आशा देने का काम करता है। यह दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने की ओर है और इस साफ अर्थ है कि आप उन्हें बड़े पैमाने पर हल निकाले बिना अधिकांश समस्याओं को खत्म नहीं कर सकते।

बुनियादी उद्योग आतंकवाद हो तो समस्या स्वाभाविक : जयशंकर

पुणे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को पाकिस्तान को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने परोक्ष रूप से पड़ोसी देश का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी ऐसे देश, जिसका *बुनियादी उद्योग* आतंकवाद हो वह अपनी समस्याओं से बाहर नहीं निकल सकता और समृद्ध नहीं हो सकता। वे पुणे में विदेश मंत्रालय द्वारा यहां आयोजित एशिया आर्थिक संवाद में बोल रहे थे। दरअसल, इस कार्यक्रम के दौरान उनसे पूछा गया था कि क्या भारत मुसीबतों का सामना कर रहे अपने पड़ोसी देश की मदद करेगा? इसका जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद भारत-पाकिस्तान संबंधों का मूलभूत मुद्दा है, जिससे कोई बच नहीं सकता है। उन्होंने आगे कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

पहले बोलने की स्वतंत्रता गई, अब स्वतंत्रता हीं खतरे में : जयराम रमेश

रायपुर (हि.स.)। कांग्रेस के महाधिवेशन के लिए रायपुर पहुंचे जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि इस समय भारतीयों की स्वतंत्रता खतरे में है। इस सरकार में पहले बोलने की स्वतंत्रता खत्म की गई और अब तो हालात ये हैं कि फ्रीडम ही खतरे में है। जयराम रमेश ने बीते शुक्रवार को नई दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किए गए अपने नेता पवन खेड़ा के और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं के यहां पड़ रहे ईडी के छापों के संदर्भ में एक पत्रवार्ता में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमको लगातार धमकी दी जा रही है, हम डरेंगे नहीं। पार्लियामेंट में हम जो बोलते हैं रिकार्ड से बाहर किया जाता है। पार्लियामेंट से बाहर हम बोलते हैं तो हम पर एफआईआर कर दी जाती है। भारत जोड़ो यात्रा के बाद भाजपा घबराई हुई है: उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद भाजपा घबराई हुई है। राहुल गांधी की आलोचना कर रही है। ईडी के छापों के द्वारा हमारे अधिवेशन को तोड़ने का प्रयास किया गया। आज सुबह हमारे मीडिया विभाग के प्रमुख पर तीन-तीन एफआईआर कर दी गई, उन्हें हवाई जहाज से उतार लिया गया। न्याय पालिका ने उन्हें राहत दी है। इससे हमें देखने मिला कि टाइगर जिंदा है, सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र के लिए ज्योति है। हमारे देश के शहरों में मदर ऑफ डेमोक्रेसी के पोस्टर लगाए हुए हैं लेकिन दरअसल ये मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी है। प्रधानमंत्री से 45 सवाल पूछे हैं गौतम अडाणी के घोटाले के संबंध में: हमको लगातार -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए : मुख्यमंत्री पर राज्यपाल का पलटवार

तिरुवनंतपुरम। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की टिप्पणी को लेकर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पलटवार किया है। राज्यपाल खान ने कहा कि वह अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन कोई भी देश के कानून को लागू होने से नहीं रोक सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि वह उनकी राय है, लेकिन तीन तलाक अब कोई मुद्दा नहीं है, कानून 2019 में लागू किया गया था। बहुत सारी महिलाओं और बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो गया है। अगर किसी को इससे कोई समस्या है तो मैं क्या कर सकता हूं।

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बैंकाक : नवंबर में होगी तीसरी वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस, जुटेंगे विश्वभर के हिंदू

गुवाहाटी (हि.स.)। वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस (डब्ल्यूएचसी) का तीसरा तीन दिवसीय विश्वव्यापी आयोजन इस वर्ष बैंकाक में होने जा रहा है। डब्ल्यूएचसी में पूरे विश्व के हिंदू एक साथ एक मंच पर एकजुट होंगे। यह निर्णय डब्ल्यूएचसी-2023 के निमित्त पूर्वोत्तर के प्रमुख उद्यमियों की गुवाहाटी के द होटल ओरनेट में आयोजित योजना बैठक में बुधवार देर को लिया गया। बैठक में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय अधिकारी स्वामी विज्ञानानंद (विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री) बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। स्वामी ने पूर्वोत्तर के उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस दुनियाभर में फैले हिंदू उद्यमियों का एक मात्र मंच है, जहां सम्पूर्ण दुनिया के हिंदू उद्यमी अपने नए विचारों एवं नए अन्वेषणों को एक दूसरे के साथ साझा करने का सुलभ अवसर प्रदान करता है। इसका आयोजन वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन कर रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस का पहला सफल आयोजन दिल्ली में (2014) किया गया। दूसरा आयोजन शिकागो (2018) में किया गया। इस वर्ष डब्ल्यूएचसी का आयोजन 24 से 26 नवम्बर, 2023 तक बैंकाक (थाईलैंड) में होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि

डब्ल्यूएचसी सात प्रमुख बिंदुओं पर कार्य करता है। जिसमें आर्थिक, शिक्षा, मीडिया, राजनीति, महिला, युवा और संगठन शामिल हैं। योजना बैठक को पूर्वोत्तर के प्रमुख उद्यमी राहुल बजाज ने संबोधित करते हुए कहा कि हम हिंदू समाज के उद्यमियों के लिए यह एक अच्छी पहल है। उन्होंने पूर्व में आयोजित डब्ल्यूएचसी की सफलताओं और उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं विहिप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री दिनेश तिवारी ने अपने उद्बोधन में बताया कि हिंदू समाज के उद्यमियों को अपनी पहचान, अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ दुनिया के पटल पर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बढ़-चढ़कर भागे लेने की आवश्कता है। आज दुनिया एक वैश्विक बाजार बन चुका है। भारत निर्मित समानों को लेकर दुनिया में एक विश्वास बना है। इसको और मजबूत करते हुए अपने देश को स्वधर्मी से स्वावलंबन की ओर लेकर चलना है। योजना बैठक के दौरान ड्ब्ल्यूएचसी-2023 में सहभागी बनने वाले पूर्वोत्तर के प्रतिनिधियों के लिए एक समिति का गठन किया गया। योजना बैठक में पूर्वोत्तर के काफी संख्या में प्रमुख उद्यमियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने ड्ब्ल्यूएचसी की बैठक में बड़ी संख्या में पूर्वोत्तर से प्रतिनिधियों के हिस्सा लेने की अपनी हामी भरी।

आलू के दाम न मिलने से किसान परेशान

नगरबेड़ा (निसं)। दक्षिण बरपेटा में हजारों किसानों ने आलू उगाया है। ज्यादा मुनाफा कमाने की उम्मीद में किसानों के बीच बड़ी मात्रा में आलू की खेती करने की स्थिति है और अब माथे पर हाथ रखना पड़ रहा है. किसानों का कहना है कि यह स्थिति इसलिए पैदा हुई है क्योंकि उत्पादित आलू को बहुत कम कीमत पर बेचना पड़ रहा है। लगभग एक महीने से, किसानों को स्थानीय बाजारों में आलू को 350 से 400 रूपये प्रति क्विंटल में बेचना पड़ रहा है। शिमलीटोला, नागरबेड़ा और पश्चिम आलोपति फकीरपारा बाजारों में आलू की थोक कीमतों में भारी गिरावट आने से किसानों में खलबली मच गई है। किसानों का कहना है कि वे वर्तमान में अनियंत्रित बाजार व्यवस्था के कारण किसानों ने अपने माथे का पसीना जमीन पर फेंके जाने वाले आलू कम दाम में बेच रहे हैं। क्षेत्र के किसानों को प्रति बीघा 10,000 से 15,000 रूपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सड़क हादसे में छात्र समेत दो घायल

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। डिब्रूगढ़ शहर के चौकीडिंगी में डिब्रूगढ़ साहित्य सभा भवन के सामने लीला गोगोई रोड के बाहरी इलाके में गुरुवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में एक छात्र समेत दो व्यक्ति घायल हो गये। बताया गया कि कार और स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में जा गिरे। इस घटना में छात्र सहित दो लोग घायल हो गए। दूसरी ओर, कई अन्य लोगों को बचा लिया गया। बताया गया है कि यह हादसा वाहनों की रफ्तार तेज होने के कारण हुआ। घायलों को स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

PRESS NOTICE INVITING FOR RE-E-TENDER

No. TENDER/NIT/2022-23/

The Director of Soil Conservation, Assam invites bid from registered and reputed eligible bidders of Assam for the following project under **Sonitpur Soil Conservation Division**, Tezpur.

1) **"Construction of Rangajan Tangia Land Development Project during 2022-23 for the year 2022-23"** UNDER SONITPUR S.C. DIVISION, TEZPUR, AMOUNTING TO RS. 25.00 LAKH (*RUPEES TWENTY FIVE LAKH)* ONLY.

Details may be seen at website **http://assamtenders.gov.in** and also in the Directorate of Soil Conservation, Assam, Bhumi Shangrakshan Bhawan, R.G.B. Road, Guwahati-05 w.e.f. **24/02/2023** during office hours.

-- Janasanyog / C/21146/ 22

Sd/-
Director of Soil Conservation, Assam

बोडोलैंड अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान महोत्सव 27 फरवरी से

गुवाहाटी (निसं)। ज्ञान और शक्ति के गंतव्य स्थल के रूप में बोडोलैंड के कोकराझाड को ख्याति दिलाने के उद्देश्य से बोडोलैंड विश्वविद्यालय में बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन के सहयोग से पहली बार अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान महोत्सव का आयोजन 27 फरवरी से 2 मार्च तक किया जाएगा। चार दिवसीय इस महोत्सव का उद्घाटन बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता अध्यापक मोहम्मद यूनिस करेंगे। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय शिक्षा और विदेश विभाग के राज्यमंत्री डॉ आरके रंजन सिंह, असम विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी और असम के पांच विश्वविद्यालय के उपकुलपति उपस्थित रहेंगे।यह जानकारी बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन के प्रमुख प्रमोद बोडो ने गुवाहाटी खानापाड़ा में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में पत्रकारों को बताई। प्रमोद बोडो ने आगे बताते हुए कहा कि यह बीटीआर में आयोजित होने वाले सबसे बड़े आयोजनों में से एक होगा। हम इस मेगा इवेंट के साथ कोकराझार और बीटीआर को शिक्षा, ज्ञान साझा करने और पर्यटन के लिए गंतव्य के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

जेआईसीए परियोजना के तहत 5,000 से अधिक नए परिवार लाभांवित होंगे : मंत्री अशोक सिंघल

गुवाहाटी (हि.स.)। आवास एवं शहरी विकास कार्य तथा सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने गुरुवार को कहा कि गुवाहाटी जल बोर्ड के तहत लागू जेआईसीए-सहायता प्राप्त ग्रेटर गुवाहाटी जल आपूर्ति योजना के तहत 5,000 से अधिक नए परिवारों को पीने के पानी की आपूर्ति करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। ये बातें आज जनता भवन (असम सचिवालय) स्थित अपने कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कही। उन्होंने कहा कि रामचा हिल, गांधी बस्ती, नेहरू स्टेडियम, इस्लामपुर, हाजी मुसाफीरखाना, आश्रम रोड, लाचित नगर, इस्कॉन मंदिर, बोरा सेवा, भंगागढ़ सैनिक भवन से लेकर बिग बाजार तक कुल 5,024 परिवारों को पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए मार्च से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। लोग जल बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर या किसी भी कार्यालय में गये बिना गूगल प्ले स्टोर से जीजेबी-गुवाहाटी जल बोर्ड मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करके अपने घर से इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि जेआईसीए परियोजना पिछले साल 22 दिसंबर को 12,000 घरों को पानी उपलब्ध कराने के लिए आंशिक रूप से लागू की गई थी, लेकिन अभी तक केवल 5,400 परिवारों ने पेयजल कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। मंत्री सिंघल ने संबंधित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से जल बोर्ड से पानी उपलब्ध होने वाले क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के तहत पेयजल कनेक्शन के लिए आवेदन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में अवैध एवं अनाधिकृत वाटर बोरिंग के खिलाफ चरणबद्ध तरीके से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री सिंघल ने कहा कि गुवाहाटी शहर में पेयजल आपूर्ति की तीन परियोजनाओं को समानांतर रूप से लागू किये जा रहे हैं। जेआईसीए-सहायता प्राप्त ग्रेटर गुवाहाटी जल आपूर्ति योजना के साथ, जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) और असम शहरी आधारभूत संरचना विकास कार्यक्रम (एयूआईआईपी) के तहत दो अन्य परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि जेआईसीए समर्थित परियोजनाओं की प्रगति संतोषजनक है और वह हर सात दिनों में उनके कार्यान्वयन की समीक्षा कर रहे हैं।

न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा वंदे भारत का सौ फीसदी आरक्षण के साथ परिचालन

गुवाहाटी (विभास)। स्वदेशी रूप से निर्मित वंदे भारत एक्सप्रेस को चार साल पहले आत्मनिर्भर भारत के प्रतीक के रूप में चालू किया गया था। अब तक, सम्पूर्ण भारतीय रेल के अधीन 10 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं, जो विभिन्न शहरों को हाई स्पीड मार्ग से जोड़ती हैं। पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली और वाराणसी के बीच चली थी। इस श्रृंखला में 7वीं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन हावड़ा और न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चल रही है, जिसका शुभारंभ 30 दिसंबर, 2022 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा मार्ग पर चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस बोलपुर (शांतिनिकेतन), मालदा टाउन और बारसोई जंक्शन स्टेशनों पर ठहरती है। यह ट्रेन कोलकाता और पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार-न्यू जलपाईगुड़ी के बीच यात्रा में काफी कम समय लेती है। परिवहन के तेज साधन के रूप में दौड़ने वाली यह ट्रेन अपने नियमित परिचालन की शुरुआत से अब तक करीब 100 प्रतिशत आरक्षण के साथ सेवा दे रही है। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने गुवाहाटी से वंदे भारत की अन्य सेवाओं के लिए भी योजना बनाई है, जो निकट भविष्य में इस जोन से चलायी जायेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस विमान जैसी बेहतर यात्रा का सुखद अनुभव प्रदान करती है। स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम- 'कवच' सहित उन्नत अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से यह लैस है। इसमें वाई-फाई कंटेंट ऑन-डिमांड की सुविधा भी है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**
(योगाभ्यास)

शब्द लगन माया संगे, यह गति लखे न कोय।
दुर्लभ जीवन सन्त का, सुरति रत सोय॥ 57॥

शब्दार्थ : (लगन) प्रेम (दुर्लभ) कठिनता से प्राप्त होने वाला।

भाष्य : संत, माया के संग रहते हुए भी शब्द अर्थात सत्पुरुष के प्रेम में लगे रहते हैं, उनकी इस अनुभव असंग गति को कोई नहीं देखता। वे शब्द-सुरति में अनुरक्त हो कर अपना दुर्लभ जीवन इस संसार में व्यतीत करते हैं।

नैमित्तिक अरु नित्य जो, सेवा सद्गुरु होय।
आरत दीन अधीन है, गति अनन्य रत सोय॥ 58॥

शब्दार्थ : (नित्यसेवा) प्रतिदिन होने वाली सेवा (नैमित्तिक) किसी मुख्य कार्य के निमित्त होन वाली सेवा (आरत) संसार के दुःख से पीड़ित, (दीन) असहाय (अधीन) आज्ञानुवर्त्ती (अनन्य) एकाधार (रत) लगा हुआ।

भाष्य : सद्गुरु के अनन्यशरण अनुरक्त, आर्त्त, दीन एवं अधीन सेवक नित्य और नैमित्तिक दोनों प्रकार की सेवाओं को करेत हैं।

पृष्ठ एक का शेष

नगा विद्रोहियों का...

भारतीय सेना ने भारत-म्यांमार बॉर्डर से लगे इलाकों में नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-खापलांग यानी एनएससीएन (के) से जुड़े नगा विद्रोही समूहों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। सेना ने बताया था कि इस ऑपरेशन में करीब 30 विद्रोहियों की मौत हुई, जबकि सेना का कोई जवान हताहत नहीं हुआ। सेना ने बताया कि एक दिन पहले ही म्यांमार से भारत में घुसे एनएससीएन (के) के विद्रोहियों ने भारतीय सेना के दल पर हमला किया था, जिसके बाद सेना ने यह एक्शन लिया। शुरुआती रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि भारतीय सेना ने अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर लांघकर इस सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया, हालांकि सेना की ईस्टर्न कमांड ने इस दावे को खारिज कर दिया।

पवन खेड़ा मामले...

लखनऊ के हजरतगंज थाने में दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि कांग्रेस नेता ने जानबूझकर प्रधानमंत्री का मजाक उड़ाया है और प्रधानमंत्री के पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी पवन खेड़ा के बयान पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ढूंढने से भी नहीं मिलेगी। उल्लेखनीय है कि गौतम अदाणी और हिंडनबर्ग मामले पर तंज कसते हुए पवन खेड़ा ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पवन खेड़ा प्रधानमंत्री का पूरा नाम बोलते हुए उनके पिता का गलत नाम बोल गए।

मिजोरम में म्यांमार ...

के साथ 510 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। वहीं बांग्लादेश के साथ मिजोरम की 318 किलोमीटर लंबी सीमा है। मिजोरम के गृहमंत्री लालचमलियाना ने हाल ही में विधानसभा में जानकारी दी कि राज्य सरकार ने म्यांमार के शरणार्थियों के लिए 3.8 करोड़ रुपए की सहायता राशि जारी की है। वहीं बांग्लादेश के शरणार्थियों के लिए 30 लाख रुपए जारी किए गए हैं। दिल्ली स्थित राइट्स एंड रिस्क एनालिसिस ग्रुप ने अपने रिपोर्ट में बताया था कि साल 2022 में ही करीब नौ हजार शरणार्थी म्यांमार से मिजोरम पहुंचे थे। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर बढ़े हमलों के बाद साल 2022 में भारी संख्या में शरणार्थी भारत पहुंचे।

खासी-गारो भाषा ...

करने के लिए जिम्मेदार है और यह राज्य में आईएलपी को लागू नहीं करने के लिए भी जिम्मेदार है। वे इस संबंध में मेघालय विधानसभा में पारित प्रस्तावों पर कोई ध्यान देने में विफल रहे जबकि पार्टी राज्य सरकार का भी हिस्सा थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह चुनाव हारेगी। मेघालय विधानसभा ने दो मुद्दों पर प्रस्ताव पारित कर केंद्र से उन पर गौर करने का आग्रह किया था। 60 सदस्यीय सदन के लिए चुनाव 27 फरवरी को होगा और मतगणना दो मार्च को होगी। टाइनसॉन्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने पहले कई मौकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था और उनसे दोनों मांगों पर विचार करने का आग्रह किया था।

38 साल सेना में ...

किया गया। छेत्री को डी-वोटर के रूप में क्लासीफाइड किया गया, जिससे उनकी नागरिकता पर सवाल उठे। ऐसा तब किया गया जब असम के भूविज्ञान और खनन विभाग के एक अधिकारी ने ऑन-स्पॉट वैरिफिकेशन में वैरिफाई किया था कि छेत्री का जन्म 1937 में असम के डिब्रूगढ़ में हुआ था। असम में 25 मार्च 1971 (जब बांग्लादेश बनाया गया था) के बाद राज्य में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों को अवैध अप्रवासी के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, जब तक कि उनके पास साबित करने के लिए दस्तावेज न हों। जिन लोगों के विदेशी होने का संदेह है, उन्हें भी मतदाता सूची में डी-वोटर के रूप में चिह्नित किया गया। गौर करने वाली बात है कि छेत्री 1963 से सेना में थे और 38 साल की सेवा के बाद भारतीय सेना से रिटायर हुए। इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) के संदर्भ के बाद 2000 में छेत्री के खिलाफ अवैध प्रवासी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था और 2011 में कामरूप (मेट्रोपॉलिटन) जिले के विदेशियों के ट्रिब्यूनल के साथ उनकी डी-वोटर स्थिति के बारे में एक अन्य मामला दर्ज किया गया था।

मणिपुर में 25 करोड़ ...

शुरू कर दी। इसके बाद उसके घर पर तलाशी अभियान चलाया गया और मादक पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि उसके पास से म्यांमार का एक सिम कार्ड और दो फोन भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी और बरामद सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मोरेह पुलिस थाने को सौंप दिया गया है। बीएसएफ ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये मेघालय के दावकी के पास से बांग्लादेश में 16 लाख रुपए कीमत के 6,000 किलोग्राम से ज्यादा पान की तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर जवानों ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास वाहकदैत में चालकों के साथ तीन मिनी ट्रक और 16 लाख रुपए मूल्य के 6,440 किलोग्राम पान के पत्ते जब्त किए।

एक घंटे में केस रद्द ...

अमृतपाल ने कहा कि उसके साथी के ऊपर बस राजनीतिक मकसद से केस दर्ज किया गया। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के एक साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। रूपनगर जिले के चमकौर साहिब निवासी वरिंदर सिंह को कथित रूप से अगवा करने और पिटाई करने के आरोप में अमृतपाल सिंह और उनके समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।। इस मामले में थाना अजनाला की पुलिस ने अमृतपाल सिंह के एक करीबी सहयोगी लवप्रीत तूफान को गिरफ्तार किया था। लवप्रीत तूफान को रिहा करने की मांग को ये प्रदर्शन देखने को मिला। अमृतपाल सिंह ने अपने साथी की रिहाई को लेकर अपने समर्थकों से थाना अजनाला पर एकत्र होने को कहा था। उसी के तहत गुरुवार को भारी संख्या में समर्थक यहां इकट्ठा हुए। इस प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में भारी फोर्स तैनात किया गया था। पूरे इलाके को छावनी में बदल दिया गया था। इस दौरान पुलिस और समर्थकों के बीच हिंसक झड़प देखने को मिली। इस झड़प में छह पुलिसकर्मी घायल भी हो गए हैं। अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने पुलिस पर ही हमला बोल दिया। भारी संख्या में पुलिस वालों पर समर्थकों ने पत्थरबाजी की। अमृतसर के अजनाला थाने के बाहर वारिस पंजाब डे के मुखिया अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने तलवारों और बंदूकों से पुलिस बेरिकेड्स तोड़े।

दलाई लामा शांति ...

जानबूझकर कभी भारत के लिए कोई समस्या खड़ी नहीं करते हैं। वे बहुत शांतिप्रिय लोग हैं और इसके साथ ही दलाई लामा शांति के दूत हैं। वे ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें दुनियाभर से प्रेम और सम्मान मिलता है। अतीत में चीन दलाई लामा को साधू की पोशाक में भेड़िया, दोहरा व्यापारी और अलगाववादी नेता कह चुका है। चीन मानता है कि दलाई लामा तिब्बत को चीन से अलग करवाना चाहते हैं। दलाई लामा के लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए रिजिजू ने कहा कि उनके विचारों का व्यापक तौर पर सम्मान किया जाता है और पूरी दुनिया में उन्हें स्वीकार किया जाता है। रिजिजू ने कहा कि भारत सरकार को समय-समय पर अपनी तिब्बत शरणार्थी नीति की समीक्षा करनी चाहिए ताकि तिब्बत से विस्थापित समुदाय के जीवन को सरल किया जा सके। दिल्ली के मजनू का टीला क्षेत्र में हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा हमें तिब्बती लोगों के लिए मजबूती से सहयोग करना चाहिए। एक दिन आप उस वहां शांति और आत्मसम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि बहुत से तिब्बती लोग दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रह रहे हैं और उनमें से बहुत से भारत से गए हैं। वे जहां भी रहे उन्होंने अपनी तिब्बती परंपरा को संजोए रखा और अपनी जड़ों को नहीं भूले। उन्होंने हमेशा दलाई लामा को सम्मान दिया। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने तिब्बती शरणार्थी नीति में संशोधन किया है और वो पहले ऐसे केंद्रीय मंत्री हैं जो भारत में रहने वाले तिब्बतियों की बहुत सी बस्तियों में गए हैं। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरएसएस के नेता और भारत तिब्बत सहयोग मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने कहा दुनिया शांति चाहती है, लेकिन यदि किसी के अधिकार छीने जाएंगे तो शांति कायम नहीं रह सकती।

बुनियादी उद्योग आतंकवाद...

हम मूलभूत समस्याओं से इनकार नहीं कर सकते हैं। कोई भी देश कभी भी मुश्किल स्थिति से बाहर नहीं निकल सकता और एक समृद्ध शक्ति नहीं बन सकता, अगर उसका मूल उद्योग आतंकवाद है। उन्होंने आगे कहा कि अगर मुझे कोई बड़ा फैसला लेना है, तो मैं यह भी देखूंगा कि जनता की भावना क्या है। इसके लिए मैं सबसे पहले नब्ज टटोलूंगा कि मेरे लोग इसके बारे में क्या महसूस करते हैं। और मुझे लगता है कि आपको इसका जवाब पता है। आगे उन्होंने चीन के साथ व्यापार को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। चीन के साथ व्यापार असंतुलन पर जयशंकर ने कहा कि इसकी जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं है, बल्कि व्यवसायियों की भी समान जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि चीन के साथ हमारे संबंधों से सामने आई आर्थिक चुनौतियां वास्तव में बहुत गंभीर हैं। चीन के साथ व्यापार असंतुलन पर जयशंकर ने कहा कि भारतीय कॉरपोरेट क्षेत्र ऐसी *सोर्सिंग* व्यवस्था नहीं विकसित कर सका है जिनसे हमें मदद मिलती।

पहले बोलने की स्वतंत्रता ...

तरह-तरह से धमकी दी जा रही है, हम डरेंगे नहीं। पार्लियामेंट में हम जो बोलते हैं रिकार्ड से बाहर किया जाता है। पार्लियामेंट से बाहर हम बोलते हैं तो हम पर एफआईआर कर दी जाती है। हमने 15 दिन में प्रधानमंत्री से 45 सवाल पूछे हैं गौतम अडानी के घोटाले के संबंध में। अधिवेशन के बाद हम फिर पूछेंगे। इसे हमने हम अडानी के हैं कौन श्रृंखला कहा है। 2014 से जो निजीकरण किया जा रहा है, उसका फायदा सिर्फ एक ही कंपनी को पहुंचा है। वह है अडानी इंटरप्राइजेज। सारे 6 हवाई अड्डों को एक व्यक्ति को दिया-कांग्रेस पार्टी उदारीकरण एवं उद्यमशीलता के पक्ष में हैं,पर हम मित्रवाद पूंजीवाद के खिलाफ हैं। उद्योगों को बढ़ावा देने की जरूरत है, लेकिन ये याराना पूंजीवाद के हम खिलाफ हैं। छह हवाई अड्डों का निजीकरण हो रहा है। नीति आयोग, वित्त विभाग सभी ने कहा कि आप किसी एक व्यक्ति को 2 हवाई अड्डे से ज्यादा नहीं दें, लेकिन सारे 6 हवाई अड्डों को एक व्यक्ति को दिया जाता है। उन्होंने कहा कि ईडी की कार्रवाई के खिलाफ हम एकजुट है। 3 अगस्त 2022 को 17 राजनीतिक दलों ने एक संयुक्त बयान दिया और कहा कि पीएमएलए के बारे जो संशोधन मोदी सरकार ने किया है वह खतरनाक है। हम इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटिशन की बात कर रहे हैं।

No. B/77/CAMPA/2021-22/1538-39

RE-TENDER NOTICE

The Divisional Forest Officer, Mangaldai Wildlife Division, Mangaldai invites e-tender through e-procurement system i.e, through the website www.assamtenders.gov.in for following work from APWD (Building) Registered eligible contractors having experience of similar nature of work in wildlife. The bid is to be submitted with affixing Court Fee Stamp worth Rs.8.25/-(Rupees Eight and paisa Twenty Five) only in favour of Divisional Forest Officer, Mangaldai Wildlife Division, Mangaldai. The Tender Fee and EMD should be paid through online portal i.e. www.assamtenders. gov. in.

Details of the bid may be seen at www.assamtenders.gov.in. website.

Sl. No.	Name of the work	Place of Work	Total work value inclusive of all tax as applicable	Earnest money Deposit	Time of completion	Tender processing fee
1	Construction of 1 (one) no. of Anti-Poaching Camp at khairasali inside Orang National Park, Silbori, Darrang	Orang National Park	36,85,874.00	2% for GEN, 1% for OBC/ ST/SC of the estimated cost	180 days from the date of issue of work order	500/-

Note

1) Bidding will be conducted through Open Competitive Bidding method and procedures as specified in "The Assam Public Procurement Act, 2017" and "The Assam Public Procurement Rules, 2020" as amended from time to time. These Act and Rules may be viewed and downloaded' from the web-link i.e., https://finance.assam.gov.in/portlets/assam-public-procurement-rules-2020.
2) The Contractors / Bidders must be registered with www.assamtenders.gov.in for participating in the bidding process. The Bidding document may be downloaded through the portal www.assamtenders.gov.in by using their own user ID.
3) Bids must be submitted online at the e-procurement portal (i.e., www.assamtenders.gov.in) on or before the due date for submission 1.e. 10.03.2023 up to 3:00 PM. Manual submission (without online submission) of bid will be considered as non-responsive.
4) The bidders are also required to submit the hard copy of the bid (with original uploaded documents) to the O/o the Divisional Forest Officer, Mangaldai Wildlife Division, Prafulla nagar, Darrang, Assam on or before 10.03.2023 up to 3:00 PM. The late bids will be liable for rejection summarily.
5) The bidder shall submit the cost of the tender processing fee and earnest money through online in the portal www.assamtenders.gov.in.
6) The activity schedule for tendering process of the above-mentioned packages shall be as per the schedule shown below.

Key Dates

Sl. No.	Schedule	Start Date	Start time	End Date	End Time
1	Publishing Date	24.02.2023	-	-	-
2	Tender Download	24.02.2023	11:00 AM	10.03.2023	3:00 PM
3	Pre-Bid Meeting Date	28.02.2023	11:00 AM	28.02.2023	1:00 PM
4	Bid Submission Date	24.02.2023	04:00 PM	10.03.2023	3:00 PM
5	Technical Bid Opening Date (Cover-I)	13.02.2023	11:00 AM	13.03.2023	4:00 PM
6	Financial Bid Opening Date (Cover-I)	To be announced later			

7) In the event of date of bid opening being a holiday, the activitics will take place on the next working day.
8) Information regarding the sites, nature of work, etc. can be collected from the Divisional Forest Office, Mangaldai Wildlife Division during office hours on all working days. Bidders are specifically requested to inspect the field and study the working conditions before submitting offer. Concerned Range Officer may be contacted for any assistance in field inspection. Bidders are advised to ensure their eligibility before quoting. Tenders submitted by ineligible bidders shall not be considered and the same shall be summarily rejected.

-- Janasanyog /C/21105/22

Divisional Forest Officer
Mangaldai Wildlife Division

सप्ताह पूर्व गायब शराब का कंटेनर बरामद, चार गिरफ्तार

नगांव (हि.स.)। एक सप्ताह पूर्व शराब समेत गायब कंटेनर को पुलिस ने बरामद कर लिया है। नगांव पुलिस ने तेजपुर में दस पहिया वाले कंटेनर को जब्त कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया है कि गुवाहाटी के बर्नीहाट से नगांव शराब लेकर जा रहा कंटेनर 15 फरवरी को रहस्यमय तरीके से गायब हो गया था। पुलिस ने जांच पड़ताल कर कंटेनर को पकड़ लिया। चालक ने चोरी-छिपे कंटेनर में लदी शराब को तेजपुर और दरंग के विभिन्न हिस्सों में एक गिरोह की मदद से बेच दिया। इस मामले में पुलिस ने मोफिज अली, राजू अली, अबू बकर और अबू कलाम को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभी तक 349 पेटी शराब को भी बरामद कर लिया है। कंटेनर में कुल 1400 पेटी शराब थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धुबड़ी : बालाजान में अधिग्रहित भूमि से बेदखली का अभियान शुरू

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला प्रशासन ने गुरुवार को फूलबाड़ी पुल को जोड़ने वाले चार लेन के 127-बी राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि से बेदखली का अभियान तेज कर दिया है। प्रशासन ने कुछ दिन पहले एक निश्चित अवधि में घरों, दुकानों, लाइटों, मस्जिदों, मंदिरों आदि को हटाने के लिए नोटिस जारी किया था, जिसके चलते प्रशासन ने आज से बेदखली अभियान शुरू किया है। बुधवार को बेदखल किए गए परिवारों को उचित भूमि मूल्य की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करते देखा गया। बेदखल किए गए परिवारों ने सरकार से अपील की है कि हमारी जमीन की कीमत चुकाए बिना जमीन न अधिग्रहित की जाए। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि ऐसे में जमीन नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हिमंत मामा (मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा) जरूरत हो तो हमें गोली मार दें, लेकिन हमें हमारी जमीन की कीमत देनी ही पड़ेगी। गौरीपुर के बालाजन क्षेत्र में सरकार को प्रत्येक बीघा जमीन की कीमत को लेकर भारी विरोध हो रहा है। विरोध प्रदर्शन करने वालों ने कहा कि हमें पता चला है कि सरकार ने क्षेत्र में 50-60 लाख रूपये प्रति बीघा भूमि की कीमत के मुकाबले सिर्फ तीन लाख रूपये प्रति बीघा तय की है। इस बीच बालाजान क्षेत्र के लोगों ने चेतावनी दी है कि जब तक सरकार अधिग्रहीत जमीन का उचित मूल्य नहीं देते, तब तक निर्माण कंपनी को जमीन नहीं दी जाएगी।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला घायल

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के डिगबोई के ढेकियाजान इलाके में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से नीरू सोनोवाल (30) नामक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में डिगबोई सदर अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उन्नत चिकित्सा के लिए घायल महिला को तिनसुकिया गोपीनाथ बरदलै राज्य चिकित्सालय भेज दिया है। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी व्याप्त है।

नगरबेड़ा आंचलिक रंगाली बिहू की तैयारी जोरों पर

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले का बोको विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेरा आंचलिक रंगाली बिहू सम्मेलन का इस बार हीरक जयंती वर्षपुर्ती आने वाले 1, 2 और 3 बहग को चार दिनों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। इसी उपलक्ष्य में नगरबेड़ा आंचलिक मौजा कमिटी के कार्यलय में एक सभा अनुष्ठित हो जाता है। लुईत परीया महाविद्यालय का असमीया विभाग के अध्यापक अभिराम कलिता का अध्यक्षता में अनुष्ठित सभा में 75वां नगरबेरा आंचलिक रंगाली बिहू सम्मेलन का हीरक जयंती वर्षपुर्ती मनाने के लिए नया करके एक समिति गठित किया गया।रतन कुमार पाठक अध्यक्ष, अभिराम कलिता को कार्यकारी अध्यक्ष, टिकेंद्र चंद्र दास, रजनी दास, कंदर्प कलिता, नवजीत ठाकुरिया और सिद्धार्थ ठाकुरिया को उपाध्यक्ष, पूर्ण कलिता को मुख्य सचिव, राजीव चौधुरी, माणिक कलिता, नूर इस्लाम, नज़ीर उद्दीन आहमेद और अनूप कलिता को सचिव मंडली हिसाब में लेकर एक आयोजक समिति गठित किया गया।

महकमाधिपति दीपन बर्मन ने रंगिया सिविल अस्पताल का किया दौरा

रंगिया। संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियों को लेकर महकमा प्रशासन की विशेष बैठक आयोजित हुई। रंगिया के महकमाधिपति कार्यालय के बैठक कक्ष में सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के नवनियुक्त महकमाधिपति दीपन बर्मन की अध्यक्षता में वर्ष 2023 के संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियों को लेकर एक विशेष बैठक आयोजित की गई जिसमें रंगिया महकमे के सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान महकमाधिपति ने सभी अधिकारियों से बाढ़ से बचाव की प्रस्तुति के संबंध में चर्चा की और इससे निपटने के लिए विभिन्न योजनाएं बनाकर सभी अधिकारियों को इसकी व्यवस्था ग्रहण का निर्देश दिया। वहीं दूसरी ओर नवनियुक्त महकमाधिपति दीपन बर्मन ने आज रंगिया सिविल अस्पताल का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया और वहां कार्यरत चिकित्सकों व स्टाफ से अस्पताल के बारे में विस्तार से चर्चा की।

कामरूप जिले में बाढ़ से निपटने की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

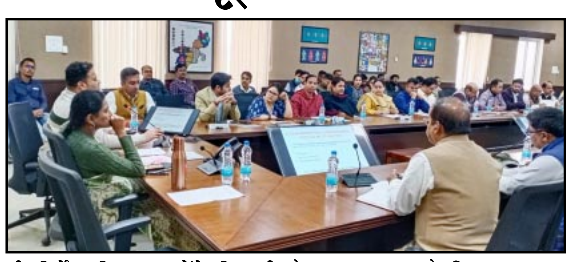

रंगिया (निसं)। कामरूप जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में आज अमिनगांव स्थित एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के सभागार में बाढ़ से निपटने की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की शुरुआत कामरूप जिला आपदा प्राधिकरण द्वारा पिछली बाढ़ से हुई क्षति और आने वाले मानसून के मौसम में बाढ़ की तैयारी के विवरण के साथ हुई। इस दौरान जिला उपायुक्त ने जिला के सभी चक्राधिकारी एवं विभिन्न विभागों के प्रमुखों से पिछले वर्ष की बाढ़ के दौरान आई आपदा, विभिन्न क्षेत्रों में आई कठिनाइयों तथा इस वर्ष की बाढ़ के दौरान आपदा से निपटने की योजना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने रंगिया के महकमाधिपति से पिछले साल बाढ़ के बारे में भी जाना। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला उपायुक्त ने सभी चक्राधिकारी को अपने अधीनस्थ गांव प्रधानों, गांवरक्षी वाहिनी, लाट मंडल आदि के साथ बैठक कर इस संबंध में व्यापक योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने बांध के खतरनाक हिस्सों का निरीक्षण करने और युद्धकालीन उपाय करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने बिजली के खतरनाक ट्रांसफार्मरों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और मोबाइल टावर सिस्टम की जांच करने के भी निर्देश दिए ताकि अचानक बाढ़ के दौरान संचार व्यवस्था बाधित न हो। उन्होंने अधोसंरचना से जुड़े विभागों को भी निर्देश दिये कि वे बाढ़ से पूर्व अपने अधोसंरचना का फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त कर लें। उन्होंने चक्र अधिकारियों को जल संसाधन विभाग के संबंधित अधिकारियों के साथ बांधों के खतरनाक क्षेत्रों का निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग को पेयजल आपूर्ति के लिए समुचित अग्रिम योजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को सर्कल के आधार पर तैनात किए जाने वाले निरीक्षकों की सूची तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक विभाग को फील्ड स्तर के अधिकारियों के साथ संपर्क बनाकर आपदाओं से निपटने के लिए एक उपयुक्त योजना बनाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा की आगामी मार्च महीने के पहले सप्ताह में उपायुक्त इस सम्बंध में उचित योजना तैयार करने के लिए एक बैठक करेंगी। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के अतिरिक्त आयुक्त प्रणव दत्त गोस्वामी, अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन, आग एवं आपदा प्रबंधन के उप निदेशक नंद सिंह बरकला, कामरूप जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आसिफ अहमद, सभी राजस्व चक्रों के सर्किल अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

पवन खेड़ा की गिरफ्तारी अलोकतांत्रिक कृत्य : बोरा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के नेता और वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को असम पुलिस के गिरफ्तार किये जाने पर कड़े शब्दों में निंदा की है। इस घटना को भूपेन बोरा अलोकतांत्रिक कृत्य करार दिया है। उन्होंने कहा कि रायपुर में कांग्रेस के अधिवेशन में जाते समय पवन खेड़ा को नई दिल्ली में हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर असम लाना एक निकृष्ट घटना है और की मैं कड़ी निंदा करता हूं। उल्लेखनीय है कि असम की डिमा हसाउ जिला पुलिस ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को नई दिल्ली के हवाई अड्डे पर छत्तीसगढ़ के रायपुर जाने वाले विमान से उतारकर गिरफ्तार किया है।

असम एक्सपोर्ट्स को 2022-23 में चार हजार करोड़ पार करना है : डॉ. अजय

गुवाहाटी (विभास)। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) के डायरेक्टर जनरल और सीईओ डॉ. अजय सहाय ने आज यहां एक्सपोर्ट्स कॉनक्लेव में कहा कि 2022-23 में असम एक्सपोर्ट्स को चार हजार करोड़ माइलस्टोन पार करना है। राज्य का लक्ष्य 2027-28 में 10 हजार करोड़ एक्सपोर्ट्स का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि असम एक्सपोर्ट्स अप्रैल-दिसंबर 2022 के दौरान 3081 करोड़ पहुंच चुका है और राज्य 2022-23 में आसानी से चार हजार करोड़ एक्सपोर्ट्स कर लेगा।

होजाई गर्ल्स कॉलेज में कालेज सप्ताह समारोह का समापन

होजाई (होसं)। होजाई गर्ल्स कॉलेज में आज कालेज सप्ताह समारोह का समापन हुआ। यह समारोह विगत 16 फरवरी 2023 से चलकर आज समापन हुआ। इस समारोह में महाविद्यालय के लगभग ढाई सौ छात्राओं ने भिन्न 20 खेलों में भाग लिया। होजाई गर्ल्स कॉलेज के अध्यक्ष युद्ध दीपक कुमार हजारिका महोदय ने समारोह के अंत में भिन्न खेलों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया और उन्हें भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

हैलाकांदी में जब्त की गई भारी मात्रा में बर्मा की सुपारी

हैलाकांदी (हि.स.)। बर्मीज (म्यांमार) सुपारी के खिलाफ हैलाकांदी पुलिस का अभियान जारी है। पुलिस ने अभियान चलाकर बीती देर रात 36 बोरी बर्मी की सुपारी जब्त की। बर्मा की सुपारी से लदे तस्करों के दो ट्रकों (एएस-10एसी- 2690 / एएस-10 2690) ने मिजोरम से असम में जैसे ही प्रवेश किया, उन्हें असम-मिजोरम सीमा के बिलाईपुर पुलिस ने जब्त कर लिया। पकड़े गये दोनों ट्रकों के संबंध में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मिजोरम से हर रात बराक घाटी के तीनों जिलों के अलग-अलग हिस्सों में तस्कर अवैध बर्मीज सुपारी की तस्करी करते हैं, बावजूद आज तक हैलाकांदी की बिलाईपुर पुलिस किसी भी तस्कर या ड्राइवर को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

समरिया सत्र महासभा सम्मेलन का समापन

नगरबेड़ा (निसं)। असम के कामरूप जिले की विरासत में स्थित समरिया सत्र में आज (गुरुवार) सत्र महासभा और समरिया सत्र महोत्सव का समापन हो गया। तिरोभाव तिथि के अवसर पर सत्र के संस्थापक श्री बरविष्णु आता के उपलक्ष्य में चार दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ मनाया जाता है। अंतिम दिन सत्र वासीयों ने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव द्वारा रचित राम विजय भाउना को नुक्कड़ नाटक के रूप में प्रस्तुत किया। 20 फरवरी से चार दिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित समरिया सत्र महासभा और समरिया सत्र महोत्सव का आज (गुरुवार) धार्मिक परंपराओं के साथ समापन हो गया। एक शरण नववैष्णव धर्म के केंद्र में स्थित विरासत सामरिया सत्र में संस्थापक श्री बरविष्णु अता की तिरोभाव तिथि के अवसर पर सत्र उत्सव मनाया जाता है। फागुन शुक्ल द्वितीया में शुरू से आयोजित महासभा में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से अनगिनत श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखने को मिला है।

श्री गौहाटी गौशाला की व्यवस्थाओं को देख अभिभूत हुए रतनगढ़ के विधायक

गुवाहाटी। आठगांव स्थित गौहाटी गौशाला के रखरखाव एवं वहां की व्यवस्थाओं को देख राजस्थान के रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक अभिनेश महर्षि अभिभूत हो उठे। उन्होंने गौहाटी गौशाला को देश की सबसे सुंदर, व्यवस्थित एवं समर्पित गौशाला की संज्ञा दी। उन्होंने अपने कहा कि आज गौहाटी गौशाला के पावन प्रांगण में 107 वर्ष पूर्ण कर 108 वें वर्ष में प्रवेश करने के शुभ दिवस पर उपस्थित होने का सुअवसर मिला। मैने, समय-समय पर अनेक गौशालाओं को देखा है लेकिन इस गौशाला को देखने के बाद यह विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जिस समर्पण साथ यहां पर गौमाता की सेवा की जाती है, निश्चित ही अनूठी व सर्वश्रेष्ठ है। इतनी सुंदर व्यवस्था निश्चित ही इसको सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाती है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे सपत्नीक यहां पर उपस्थित होकर गौ माता की पूजा व बजरंगबली का आर्शीवाद लेने का मौका मिला। विधायक महर्षि ने सभी इसके लिए गौशाला के सभी पदाधिकारियों की प्रशंसा की। इस मौके पर गौशाला के ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धानुका ने विधायक महर्षि को परिसर का भ्रमण कराया एवं अन्य जानकारियां उपलब्ध कराई। वहीं गौशाला के अध्यक्ष जय प्रकाश गोयनका ने गौशाला में गौ संवर्धन सहित अन्य जानकारियो से विधायक को अवगत कराया। इस मौके पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। गौहाटी गौशाला की ओर से ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धानुका, अध्यक्ष जयप्रकाश गोयनका, ट्रस्टी रामपाल सिकरिया व विजय जसरासरिया ने विधायक का अभिनंदन किया। तत्पश्चात मारवाड़ी हॉस्पिटल्स की ओर से सचिव आरएस जोशी, परशुराम भवन के चेयरमैन तथा उद्योगपति रतन शर्मा, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा से अध्यक्ष सुशील गोयल व सचिव शंकर बिडला, अग्रवाल सभा से पितराम केडिया व माखनलाल अग्रवाल, लायंस क्लब से विजय हरलालका व महेश झुरिया, लघु उद्योग भारती से मनोज लूंडिया तथा प्रवासी राजस्थानी भाइयों की ओर से ललित धानुका व विवेक सांगानेरिया ने विधायक महर्षि का अभिनंदन किया। इस मौके पर विधायक महर्षि की धर्मपत्नी रूबी महर्षि का अभिनंदन गौशाला के महामंत्री प्रदीप भुवालका द्वारा किया गया। आज आयोजित गौशाला भ्रमण एवं स्नेह मिलन समारोह में गौशाला कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

Notice Inviting Tender

Office Order No. 10

Sealed tenders in prescribed form affixing Court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are hereby invited from the Govt. registered Contractors/Firms according to their limits of eligibility for execution of following works.

Description of works

Sl. No.	Particulars of work	Estimated cost including GST and other applicable taxes	Location	Duration
1	Supply of 1438 RM full chain link goat proof fencing (4/ ht with 10 gauge 3 dia link) with 3 strand barbed wire and 6 nos. iron staple including transportation cost @ Rs. 570.00per RM	Rs. 8,19,660.00	Desangchapori under Desangmukh SF Beat	20 (Twenty) days
2	Supply of 2347 RM full chain link goat proof fencing (4/ ht with 10 gauge 3 dia link) with 3 strand barbed wire and 6 nos. iron staple including transportation cost @ Rs. 570.00 per RM	Rs. 13,37,790.00	Moukhuwachapori under Sivasagar SF Beat	20 (Twenty) days

The tender will be received in the office of the undersigned on all working days up to 3.00 PM (IST) of 15/03/2023 and will be opened on the same day at the same place at 3.30 PM in presence of the willing tenderer or their authorized agent who wish to attend the same. In the event of unusual occurrence due to Strike, Bandh, Holiday etc., the same will be received on the next working day upto the same time and be opened at 3.00 PM.

Details particulars of the works may be seen in the office of the undersigned during office hour and Tender Paper may be obtained with effect from 23/02/2023 up to 3.00 pm of 15/03/2023 during all office working days on payment of Rs. 200.00 (two hundred) only which is not refundable.

The acceptance of the tenders and the issue of work order is subject to release of fund by the Govt. of Assam/Competent authority without hereby incurring any liabilities to the affected tenderers or any obligation to inform the affect tenders of the grounds.

Notice Inviting Tender

Office Order No. 11

Sealed tenders in prescribed form affixing Court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees eight and paisa 'twenty five) only are hereby invited from the Govt. registered Contractors/Firms according to their limits of eligibility for execution of following works.

Description of works

Sl. No.	Particulars of work	Estimated cost including GST and other applicable taxes	Location	Compeltion of work period
1	Installation of 900 nos. of pre-cast RCC Pillars in size 0.10m x 0.10 m x 1.80 m at 2.5 mtr apart including transportation cost for 1438 RM @ Rs. 600/- per pillar.	Rs. 5,40,000.00	Desangchapori, under Desangmukh SF Beat	20 (Twenty) days
2	Installation of 1500 nos. of pre-cast RCC Pillars in size 0.10 m x 0.10 m x 1.80 m at 2.5 mtr apart including transportation cost for 2347 RM @ Rs. 600/- per pillar. |	Rs. 9,00,000.00	Moukhuwachapori under Sivasagar SF Beat	20 (Twenty) days

The tender will be received in the office of the undersigned on all working days up to 3.00 PM (IST) of 15/03/2023 and will be opened on the same day at the same place at 4.00 PM in presence of the willing tenderer or their authorized agent who wish to attend the same. In the event of unusual occurrence due to Strike, Bandh, Holiday efc; the same will be received on the next working day upto the same time and be opened at 4.00 PM

Details particulars of the works may be seen tn the office of the undersigned during office hour and Tender Paper may be obtained with effect from **23/02/2023 up to 3.00 pm of 15/03/2023** during all office working days on payment of Rs. 200.00 (two hundred) only whick is not refundable.

Divisional Forest Officer
Social Forestry Division,
Sivasagar

-- Janasanyog /C/21141/22

भारत को वैश्विक हरित ऊर्जा बाजार में स्थापित करेगा यह बजट : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक अंश धारक को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि अमृत काल का बजट भारत को वैश्विक हरित ऊर्जा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को हरित विकास पर बजट के बाद के पहले वेबिनार को संबोधित करते हुए अपने विचार साझा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2014 के बाद के बजटों ने न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान किया है, बल्कि नए युग के सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वर्ष 2014 के बाद से भारत में जितने भी आम बजट आए हैं, उनमें एक पैटर्न रहा है। पैटर्न यह है कि हमारी सरकार का हर बजट वर्तमान चुनौतियों के समाधान के साथ-साथ नए युग के सुधार को आगे बढ़ाता रहा है। उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में भी इंडस्ट्री के लिए 'ग्रीन क्रेडिट' है, तो किसानों के लिए पीएम-प्रणाम योजना भी है। इसमें गांवों के लिए गोवर्धन योजना है, तो शहरी क्षेत्रों के लिए वाहन स्क्रैपिंग नीति भी है। इसमें ग्रीन हाईड्रोजन पर बल है, तो आर्द्रभूमि संरक्षण पर भी फोकस है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह बजट भारत को वैश्विक हरित ऊर्जा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के तौर पर स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाएगा। मैं आज एनर्जी वर्ल्ड से जुड़े हर स्टॉक धारक को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करता हूं। ग्रीन ग्रोथ को लेकर इस साल के बजट में जो प्रावधान किए गए हैं, वो एक तरह से हमारी भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का शिलान्यास है। उन्होंने कहा कि हरित विकास और ऊर्जा परिवर्तन के लिए भारत ने तीन स्तंभ स्थापित किए हैं, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना, जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करना और गैस आधारित अर्थव्यवस्था की तरफ लेकर जाना शामिल है। मोदी ने कहा कि भारत हरित ऊर्जा से जुड़ी टेक्नोलॉजी को लेकर दुनिया में लीड ले सकता है। यह भारत में ग्रीन जॉब को बढ़ाने के साथ ही ग्लोबल गुड में भी बहुत मदद करेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन में जितना कमांडिंग पोजिशन में होगा, उतना ही बड़ा बदलाव वह विश्व में ला सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को बैटरी भंडारण क्षमता को बढ़ाकर 125 गीगावाट घंटा करना होगा। भारत हर साल 5 मिलियन टन हरित हाइड्रोजन के उत्पादन का लक्ष्य रखता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के लिए 19,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन प्रदान किया गया। गैर-जीवाश्म ईंधन से 40 प्रतिशत बिजली क्षमता, पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण लक्ष्य तिथि से पहले हासिल किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वाहन स्क्रैपिंग को प्रोत्साहित करने के लिए बजट में 3,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। 15 साल से पुराने लगभग 3 लाख सरकारी वाहनों को कबाड़ में डाला जाएगा।

कुमार विश्वास ने अपने बयान पर मचे बवाल के बाद मांगी माफी

उज्जैन/भोपाल, (हि.स.)। कवि कुमार विश्वास ने कालिदास अकादमी में रामकथा के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर दिए बयान पर मचे बवाल के बाद बुधवार को माफी मांग की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें विषवमन नहीं करना चाहिए। मेरे माध्यम से सनातन धर्म की रक्षा के लिए लड़ने वाले जो युवा तैयार हो रहे हैं, उनका मनोबल कमजोर न करें। दरअसल, विक्रमोत्सव के तहत उज्जैन में 21 से 23 फरवरी तक रामकथा का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मंगलवार की रात कवि कुमार विश्वास ने रामकथा के दौरान अपने-अपने राम विषय पर बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अनपढ़ और वामपंथियों को कुपढ़ कह दिया था। इससे पहले प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक पारस जैन, महापौर मुकेश टटवाल आदि ने कुमार विश्वास का स्वागत किया और उनके साथ खूब फोटो भी खिंचवाए, लेकिन बुधवार सुबह कुमार विश्वास के विवादास्पद बयान का वीडियो वायरल होने के बाद बवाल मच गया। इसको लेकर कालिदास अकादमी के बाहर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही। बिना पास के किसी को प्रवेश नहीं दिया गया। अनावश्यक लोगों को अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। इस बवाल के पर बुधवार को कवि कुमार विश्वास ने रामकथा की शुरूआत क्षमा के साथ की। उन्होंने अपने बयान के लिए माफी मांगते हुए कहा कि आपकी इस सामान्य बुद्धि में अगर ये प्रसंग किसी और तरीके से चला गया है तो उसके लिए मुझे माफ करें। इसके बाद शंकर के राम विषय पर उन्होंने रामकथा के प्रसंग सुनाए। रामकथा शुरू करने के पहले कुमार विश्वास ने कहा कि कथा में मन का विकार दूर करके बैठे। अगर कोई आपके घर आता है तो आप घर को साफ सुथरा बनाते हैं, गंदगी को घर से दूर करते हैं, इसलिए रामकथा में मन के विकार को दूर करके आना चाहिए। राम के विषय में उन्होंने कहा कि राम किसी एक धर्म के नहीं हैं, वे तो समूची मानव जाति के हैं, पूरे विश्व के हैं। मंथरा के कैकयी की मति मलिन की थी। अगर बाहर का कोई कहे कि आपके परिवार का कोई आपके खिलाफ है तो परिवार में कोई अपने खिलाफ नहीं है। बाहर वाला परिवार के खिलाफ है। उस बाहर वाले से दूर हो जाओ। उन्होंने शंकर के राम के बारे में कहते हुए कहा कि आज एक युवा ने उनसे कहा कि कोरोना के कारण उसका सब कुछ बर्बाद हो गया। कामधंधा बंद हो गया, माता का निधन हो गया। पत्नी छोड़कर चली गई। एक बेटे को अकेला पाल रहा हूँ। टूट गया हूँ, क्या करूँ। इस पर सभास्थल से ही कुमार विश्वास ने उस अनजाने युवा को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि बिना टूटे विकास नहीं होता। गर्भ का शिशु जब तक गर्भ नाल से टूटता है तभी वह बड़ा होना शुरू होता है। बादल टूटते हैं तो खेत लहलहाते हैं। दुनिया की बिजली परमाणु के टूटने से बनती है। परमाणु टूटता है तो बिजली भी बनती है बंब भी बनता है। अगर वह टूटा है तो ईश्वर ने उसे कुछ नया करने के लिए चुन लिया है।

नेताजी सुभाष प्लेस में बिल्डिंग से गिरकर व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के नेताजी सुभाष प्लेस थाना इलाके के डी मॉल के पास एक युवक बिल्डिंग से नीचे गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भीड़-भाड़ वाला इलाका होने की वजह से वहां कुछ ही मिनटों में लोगों का जमावड़ा लग गया और मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर नेताजी सुभाष प्लेस थाना पुलिस क्राइम टीम संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि आखिरकार व्यक्ति ऊपर से नीचे कैसे गिरा। यह कोई हादसा है वारदात है या फिर आत्महत्या की गई है। पुलिस के अनुसार, देर शाम करीब 6:15 पर अचानक इस कमर्शियल बिल्डिंग के ऊपर से एक व्यक्ति नीचे गिरा। नीचे गिरते ही व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। सूत्रों की माने तो मृतक सातंवी फ्लोर पर ऐसी सर्विस का काम कर रहा था, तभी अचानक वह फिसला और सीधे नीचे आकर गिर पड़ा। इसके चलते यह हादसा हुआ लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है ना ही किसी ने इस बात की पुष्टि की है। पुलिस को जैसे ही इस बात की जानकारी मिली, पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। बिल्डिंग के अंदर कोई भी व्यक्ति कुछ साफ तौर पर बताने को तैयार नहीं है कि आखिरकार यह व्यक्ति कौन है, बिल्डिंग पर कैसे पहुंचा और नीचे कैसे गिरा? फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच जारी है।

एआईएडीएमके के अंतरिम महासचिव बने रहेंगे पलानीसामी, पन्नीरसेल्वम की याचिका खारिज

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) में नेतृत्व के मुद्दे पर मद्रास हाई कोर्ट के आदेश पर मुहर लगा दी है। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी की बेंच ने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने 12 जनवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। पन्नीरसेल्वम ने हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें ई. पलानीसामी को पार्टी का अंतरिम महासचिव रहने देने की अनुमति दी गई थी। सुनवाई के दौरान पलानीसामी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सीए सुंदरम ने कोर्ट को इस बात का भरोसा दिया था कि जब तक कोर्ट इस मामले पर फैसला नहीं कर लेता, तब तक महासचिव पद पर कोई चुनाव नहीं कराया जाएगा। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने 02 सितंबर 2022 को आदेश दिया था कि पलानीसामी को अंतरिम महासचिव बनने की अनुमति दी जाए। हाई कोर्ट ने कहा था कि एआईएडीएमके के नियमों के मुताबिक जनरल काउंसिल की बैठक पलानीसामी और पन्नीरसेल्वम की सहमति से बुलाया जाएगा, लेकिन अब इस बात की कोई गुंजाईश नहीं है कि दोनों नेता सहमत हों। इसलिए पलानीसामी को अंतरिम महासचिव चुनने के 12 जुलाई 2022 के फैसले को अमल में लाया जाए। हाई कोर्ट के इसी फैसले को पन्नीरसेल्वम ने चुनौती दी थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में तीन, मद्रास हाई कोर्ट में एक जज की नियुक्ति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दो हाई कोर्ट के लिए चार जजों की नियुक्ति की है। जारी नोटिफिकेशन में इलाहाबाद हाई कोर्ट के लिए तीन जजों और मद्रास हाई कोर्ट के लिए एक जज की नियुक्ति की गई है। राष्ट्रपति ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के लिए, जिन्हें जज के रूप में नियुक्त किया है, उनमें प्रशांत कुमार, मंजीव शुक्ला और अरुण कुमार सिंह देशवाल शामिल हैं। राष्ट्रपति ने वेंकटाचारी लक्ष्मीनारायणन को मद्रास हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने त्रिपुरा हाई कोर्ट के वरिष्ठतम जज जस्टिस टोडुपुनुरी अमरनाथ गौड़ को त्रिपुरा हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया है। त्रिपुरा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जसवंत सिंह रिटायर हो रहे हैं, जिसके बाद जस्टिस गौड़ चीफ जस्टिस का पदभार संभालेंगे।

हंगामे के बाद सदन की बैठक शुक्रवार तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर चुनाव के बाद निगम में सदन की बैठक शुक्रवार सुबह 10 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। बुधवार शाम नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की बैठक में सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों का हंगामा चलता रहा। करीब 18 घंटे के बीच 14 बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी, जिसके बाद मेयर शैली ओबरॉय ने शुक्रवार सुबह 10 बजे तक के लिए सदन की बैठक स्थगित करने का आदेश दिया। इसके बाद गुरुवार को प्रेस वार्ता में शैली ओबरॉय ने कहा कि हमने इसकी पूरी कोशिश की कि रात में ही किसी तरह से चुनाव हो जाए, लेकिन भारतीय जनता पार्टी सदन को गैरकानूनी तरीके से चलाने की कोशिश कर रही थी। भाजपा की ओर से सदन की मयार्दा का पालन नहीं किए जाने के कारण स्टैंडिग कमेटी का चुनाव टालना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस दौरान भाजपा पार्षद रेखा गुप्ता और अमित नागपाल ने सारी हदों को पार किया। इन दोनों पार्षदों पर क्या कार्रवाई की जाए, इसके बारे में बैठक में विचार किया जाएगा। वहीं सिविक सेंटर पहुंचे आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि सदन में तानाशाही और गुंडागर्दी का आचरण हुआ है। भाजपा हर जगह हार गई है। पहले दिल्ली के दो करोड़ लोगों ने उन्हें हरा दिया। फिर वह मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव में भी हार गई। अब स्टैंडिग कमेटी का चुनाव में भी हार रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले संविधान, उच्च न्यायलय को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने पोलिंग बूथ पर मोबाइल ले जाने की बात पर कहा कि अगर इससे गोपनीयता का उल्लंघन होता, तो क्या चुनाव आयोग ऐसा होने देता। वहीं भाजपा पार्षदों की ओर स्थायी समिति के सदस्यों की वोटिंग दोबारा कराने पर आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी ने कहा कि भाजपा ने 15 साल एमसीडी में शासन किया। अब जनता ने भाजपा को हरा दिया है। निगम में आम आदमी पार्टी को बहुमत से जिताया है। हमें पांच साल काम करने दीजिए। अगर हम काम नहीं कर पाए तो जनता हमें हटा देगी।

कांग्रेस के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए शाही तैयारियां

रायपुर, (हि.स.)। छत्तीसगढ़ में 24 से 26 फरवरी तक कांग्रेस के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए शाही तैयारियां गई हैं। अधिवेशन में देशभर के दिग्गज कांग्रेसी नेता शामिल होंगे। अधिवेशन में छत्तीसगढ़ की संस्कृति का झलक दिखेगी। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के लिए एक दर्जन छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की सूची नवा रायपुर के मेफेयर रिसोर्ट को सौंपी गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मेफेयर रिसोर्ट में ही रुकेंगे। नवा रायपुर के मेलास्थल पर 12 से ज्यादा डोम लगभग तैयार कर लिए गए हैं। हर डोम एयरकंडीशंड है और इनकी कूलिंग क्षमता 350-350 एसी के बराबर है। इसके लिए एसी की पाइप लाइनें बिछा दी गई हैं। थीम बेस्ड डोम में सारे वीआईपी रहेंगे, उसमें बड़ा मंच बनाया गया है। इसमें ढाई सौ नेता बैठ सकेंगे। अधिवेशन स्थल पर सेंट्रली एयरकंडीशन विशाल डोम होगा। अधिवेशन के लिए डोम-15 लाख वर्गफीट से अधिक क्षेत्रफल में बनाये गए हैं। वीआइपी डोम में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की विशाल तस्वीरें लगेंगी। स्टेज पर हाथ से हाथ जोड़ो थीम का बोर्ड रहेगा। यहां केटरिंग और डोम के लिए दिल्ली की एक कंपनी को जिम्मेदारी सौंपी गई है, वहीं भोजन व्यवस्था के लिए छह अलग-अलग फर्मों को जिम्मेदारी मिली है। कांग्रेस के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में कोलकाता, दिल्ली और केरल के लगभग 500 रसोइयों की टीम 15 हजार लोगों का खाना पकाएंगे। कांटिनेंटल खाने के साथ छत्तीसगढ़ी पकवान की भी व्यवस्था की गई है। राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए 30 चार्टर्ड फ्लाइट का आगमन माना एयरपोर्ट में होगा । गुरुवार को 10 विशेष विमानों से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आला पदाधिकारी पहुंच रहे हैं। माना एयरपोर्ट में विशेष विमानों की आवाजाही तीन दिनों तक लगातार जारी रहेगी। निजी विमानों को उतरने की अनुमति नहीं दी गई है।

पवन खेड़ा को बेवजह दिल्ली हवाई अड्डे पर रोका गया : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को बेवजह रोक लिया गया। लेकिन, हम डरने वाले नहीं हैं। देशवासियों के लिए संघर्ष करते रहेंगे। जयराम रमेश ने कहा कि पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रायपुर में छापेमारी की। आज पवन खेड़ा को दिल्ली पुलिस के जरिये रायपुर के जहाज से उतार लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में होने वाले कांग्रेस के राष्ट्रीय महाअधिवेशन को मोदी सरकार बाधित करना चाहती है। इसलिए कांग्रेस नेताओं को परेशान किया जा रहा है, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं, देशवासियों के लिए संघर्ष करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि पवन खेड़ा ने भी अपने बयान में कहा कि वे रायपुर जाने के लिए जहाज में सवार हुए थे, लेकिन उन्हें बाहर निकाला गया और सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि उनसे डीसीपी पहले मिलेंगे। फिर उन्हें जाने दिया जाएगा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को जहाज से उतारने के विरोध में हवाई अड्डे पर ही कांग्रेस नेताओं ने सरकार के विरोध में नारेबाजी की और प्रदर्शन किया।

ईडी ने कथित शराब घोटाला मामले में केजरीवाल के पीए को भेजा समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक (पीए) को समन भेजा है। ईडी मुख्यमंत्री के पीए से आबकारी घोटाले को लेकर पूछताछ करेगी। इस मामले में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन से पहले ही पूछताछ हो चुकी है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी ने कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक को समन भेजा है। ईडी ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में पांच लोगों के अलावा सात कंपनियों के खिलाफ पूरक आरोप-पत्र जनवरी में दाखिल किया था। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दायर दूसरे आरोप-पत्र में भी उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का नाम शामिल नहीं है। लेकिन इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में सिसोदिया का नाम है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली शराब घोटाले मामले में ईडी ने बीते छह जनवरी में एक पूरक चार्जशीट दायर की है। इस मामले में ईडी ने कुल 12 लोगों को आरोपी बनाया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने चार्जशीट में विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, शरद चंद्र रेड्डी और बिनॉय बाबू को आरोपी बनाया है। ईडी ने अपनी पहली चार्जशीट में शराब कारोबारी समीर महेंद्रू को दिल्ली शराब आबकारी नीति मामले में एक आरोपी के रूप में नामित किया था। ईडी ने इस मामले में अबतक समीर महेंद्रू, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, शरद चंद्र रेड्डी, बिनॉय बाबू और अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया है।

मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की बैनर बाजी, अजित पवार के बाद अब सुप्रिया सुले को बताया जा रहा भावी मुख्यमंत्री

मुंबई (ईएमएस)। पिछले कुछ दिनों से मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय के बाहर राकांपा नेता अजीत पवार राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल को भावी मुख्यमंत्री के रूप में बैनर लगाए गए थे। जिसको लेकर एक बार फिर मुंबई समेत राज्य भर में चर्चा छिड़ गई है। ऐसे में एक बार फिर एक बैनर की चर्चा है. दरअसल इस बार ये महाराष्ट्र की पहली महिला भावी मुख्यमंत्री सुप्रिया सुले को लेकर लगाए गए बैनर को लेकर हैं। ये होर्डिंग्स राकांपा कार्यालय के बाहर लगाए गए हैं और राजनीतिक हलकों में इस बैनर को लेकर फिर चर्चा होने लगी है. इस बैनर पर महाराष्ट्र की पहली महिला भावी मुख्यमंत्री सुप्रिया सुले का उल्लेख है। राकांपा द्वारा इस बैनरबाजी की इस समय लगातार चर्चा हो रही है। कुछ दिन पहले जयंत पाटिल और अजित पवार के बैनर की चर्चा हो रही थी तो अब सुप्रिया सुले के बैनर लगने के बाद उनकी चर्चा होने लगी हे. खास बात ये है कि पिछले कुछ दिनों में दो बार अजित पवार के भावी मुख्यमंत्री का बैनर लग चुका है. इसके बाद अब सुप्रिया सुले का बैनर लगने से जानकारों का कहना है कि राकांपा के अंदर अंतर्कलह है जिस वजह से अब बैनरबाजी हो रही है. सूत्रों की मानें तो शरद पवार के भीतेजे अजित पवार पार्टी पर अपना हक्क जता रहे हैं और उत्तराधिकारी के रूप में खुद को आगे बढ़ा रहे हैं मगर शरद पवार अपना उत्तराधिकरी अपनी सांसद बेटी सुप्रिया सुले को सौंपना चाहते हैं. बहरहाल राजनीतिक गलियारों में यही चर्चा है कि क्या राकांपा में उत्तराधिकरी को लेकर राजनितिक संग्राम छिड़ा है? खैर ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

लोक कला व संस्कृति को निरंतर बढ़ावा मिलेगा: शिवराज

- आर्थिक रूप से कमजोर व मप्र का नाम रोशन करने वाले कलाकारों की पांच हजार रुपये वित्तीय सहायता देगी सरकार

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार लोक कला और संस्कृति को निरंतर बढ़ावा देगी। लोक कला की परंपरा को जीवित रखना और आगे भी बढ़ाना मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य है। मुख्यमंत्री चौहान बुधवार शाम को छतरपुर जिले के खजुराहो में आदिवर्त के लोकार्पण समारोह के बाद लोक कलाकार पंचायत को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने आदिवर्त संग्रहालय का लोकार्पण किया। इस मौके पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, सूक्ष्म, लघु,मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा सहित अन्य विशिष्टजन भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कलाकारों के हित में अनेक घोषणाएँ की। उन्होंने कहा कि जो कलाकार आर्थिक रूप से कमजोर है और जिन्होंने मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है, उनको प्रतिमाह मिलने वाली वित्तीय सहायता 800 को बढ़ाकर पांच हजार रुपये किया जाएगा। कलाकारों के दिवंगत होने पर उनके परिवार को 3500 रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। कला के प्रदर्शन के लिए बुलाने पर अभी उन्हें प्रतिदिन मिलने वाले 800 रुपये के मानदेय को बढ़ाकर 1500 रुपये किया जाएगा। दैनिक भत्ता भी 250 से बढ़ाकर 500 रुपये किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कलाकारों की चिंता करना मध्यप्रदेश सरकार का कर्तव्य है। कलाकारों को रोजगार मिलता रहे, इसके लिये संस्कृति विभाग सालभर कार्यक्रम करता है। हम सभी को मिलकर कला, संगीत, नृत्य की परंपरा को जीवित रखना होगा। आदिवर्त संग्रहालय को अब पूरी दुनिया देखेगी। जनजातीय कला का अब विश्व स्तरीय प्रकटीकरण होगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान खजुराहो में जनजातियों के रंग में रंगे नजर आए। समारोह के अंत में मुख्यमंत्री चौहान, केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार, प्रभारी मंत्री सखलेचा ने मंच से नीचे आकर खाट पर बैठकर कलाकारों के साथ फोटो भी खिचवाएँ तथा कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य को देखा। मुख्यमंत्री चौहान कलाकारों के साथ ढोलक और मोर पंख हाथ में लेकर जमकर थिरके। मुख्यमंत्री चौहान ने मध्यप्रदेश शासन के राज्य शिखर सम्मान से कलाकारों को अलंकृत भी किया। पदमश्री भूरी बाई, गोंड चित्रांकन के लिए दुर्गा बाई व्याम, बैगा नृत्य के लिए अर्जुन सिंह धुर्वे एवं जोधैया बाई, राई नृत्य को विश्वमंच पर पहचान दिलाने के लिए पदमश्री रामसहाय पांडेय को अलंकृत किया। हिंदी साहित्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए अश्विनी कुमार दुबे, संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए डा.भगवतीलाल राज पुरोहित एवं डा.विजया शर्मा, रूपंकर कला के लिए अनिल कुमार, नाटक क्षेत्र के लिए श्री प्रशांत खिड़वड़कर, जनजातीय और लोककला के क्षेत्र में योगदान के लिए सावित्री बाई बैगा, सारंगी वादन के क्षेत्र में योगदान के लिए उस्ताद मुन्ने खान को सम्मानित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि खजुराहो कला, संस्कृति और अध्यात्म का केंद्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरगामी सोच से देश के अलग-अलग स्थानों पर बैठक के जरिए स्थानीय कला, संस्कृति और परंपरा से परिचित कराने जी-20 संस्कृति कार्य समूह की बैठक खजुराहो में होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि विश्व विख्यात खजुराहो नृत्य समारोह के आयोजन का यह 49वां वर्ष है। इस नृत्य समारोह ने भी नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड हेरिटेज और आइकॉनिक सिटी खजुराहो को नया स्वरूप प्रदान किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों और अधिकारी, कर्मचारियों सहित सर्व समाज के सहयोग से खजुराहो शहर को सजाने संवारने और क्लीन एवं ग्रीन खजुराहो बनाने के कार्य में योगदान के लिए सभी का अभिनंदन कर आभार जताया। शर्मा ने कहा की मुख्यमंत्री चौहान की घोषणा के परिपालन में आदिवर्त संग्रहालय लोकार्पित किया गया है। इसके माध्यम से पर्यटकों को जनजातीय समाज के रहन, सहन संस्कृति के संरक्षण के प्रयासों से रू-ब-रू होने का मौका मिलेगा। साथ ही उम्मीद जताई कि कला संस्कृति के संरक्षण के लिए आर्यावर्त संग्रहालय मील का पत्थर साबित होगा। शर्मा ने सभी नागरिकों को खजुराहो को सोलर सिटी बनाने का संकल्प भी दिलाया गया।

अल्पसंख्यक आयोग में आ रही जन शिकायतों का तेजी से हो रहा निस्तारण

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी ने अपने कार्यालय में विभिन्न जनपदों से आये लोगों की शिकायतें सुनी और उससे संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए पत्र व्यवहार कराया। अल्पसंख्यक आयोग अशफाक सैफी ने गुरुवार को बताया कि अल्पसंख्यक आयोग तक आने वाले मामलों की सुनवाई की जा रही है। आयोग तक आने वाले मामले रोजगार, जमीन, शिक्षा से जुड़े हैं, जिन्हें सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से वार्ता कर निस्तारण कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जो भी मामले हैं, उनके लिए पत्र व्यवहार कर के संबंधित अधिकारी व मंत्री को सूचित किया गया है। उन्होंने कहा कि वक्फ से जुड़े मामले भी प्रकाश में आये हैं, उसके लिए परेशान लोगों को आयोग के स्थान पर वक्फ बोर्ड में जाकर अपनी बातों को रखने की सलाह दी गयी है। इसके अतिरिक्त लोगों की सहायता के लिए उन्हें सुना गया है और वार्ता से मामलों का हल निकालने का प्रयास कर रहे हैं। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक लोगों के लिए रोजगार मेला लगाया जा रहा है और उसमें बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे नौजवानों को स्थान मिल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी अल्पसंख्यक नौजवानों को नये अवसर मिल रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र के तमाम विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में अल्पसंख्यक समाज की भागीदारी बढ़ी है।

बीएचयू की महिला प्रोफेसर के साथ विदेशी छात्र ने छेड़खानी की, थाने में शिकायत

वाराणसी, (हि.स.)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में एक सहायक महिला प्रोफेसर के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। मामले में आरोपी विदेशी छात्र है और मारीशस निवासी है।सहायक महिला प्रोफेसर ने विदेशी छात्र द्वारा छेड़खानी व अश्लील हरकतें करने की शिकायत को विश्वविद्यालय के प्राक्टोरियल बोर्ड ने गंभीरता से लिया है और लंका थाने भेज दिया है। पीड़ित सहायक प्रोफेसर का आरोप है कि विदेशी छात्र क्लासरूम के अलावा उनके केबिन में भी छेड़खानी कर चुका है। आरोपित विदेशी छात्र उनके व्हाट्सएप नंबर पर भी गंदे और अश्लील मैसेज किया करता था। बीते दिसंबर माह से ही छात्र इस तरह की हरकतें कर रहा था। सहायक महिला प्रोफेसर का आरोप है कि पहले भी इसकी शिकायत विश्वविद्यालय का अफसरों से की है। शिकायत के बाद विभागाध्यक्ष ने जनवरी महीने में ही छात्र के विभाग में प्रवेश पर बैन लगाया था। प्रोफेसर ने महिला हेल्पलाइन नम्बर पर भी शिकायत किया है। लंका पुलिस ने बताया कि बुधवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने थाने को सूचना दी है। शिकायत के आधार पर जांच के बाद कार्यवाही होगी।

470 करोड़ से होगा बृज क्षेत्र का विकास

मैनपुरी (ई एम एस)। उत्तर प्रदेश सरकार के बजट में बृज क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भरपूर धनराशि दी गई है। कुल 470 करोड़ रुपये की धनराशि से बृज क्षेत्र का विकास होगा। इससे प्रदेश ही नहीं देश के नक्शे पर बृज क्षेत्र अलग चमकेगा। ये बातें पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहीं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए एक बेहतर बजट पेश किया है। पर्यटन विभाग द्वारा भी प्रदेश के साथ-साथ बृज क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। बजट में जहां ब्रज तीर्थ मथुरा-वृंदावन के लिए सौ करोड़ की धनराशि का प्रावधान किया गया तो हैं तो वहीं बटेश्वर को विकसित करने के लिए 20 करोड़ की धनराशि दी गई है। वहीं मैनपुरी में प्रस्तावित ऑडिटोरियम व म्यूजियम के लिए संस्कृति विभाग की ओर से 50 करोड़ की धनराशि का प्रावधान किया गया है। कुल 470 करोड़ रुपये की धनराशि से बृज क्षेत्र में पर्यटन का विकास किया जाएगा। पर्यटन मंत्री ने कहा कि मैनपुरी और पूरे बृज क्षेत्र का विकास नहीं रुकेगा।

सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में पहुंची झारखंड की टीम

रांची, (हि.स.)। सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप 2023 का आयोजन काकीनाडा आंध्र प्रदेश में 15 से 26 फरवरी तक चलेगा। 13वें हॉकी इंडिया में गुरुवार को खेले गये क्वार्टर फाइनल मुकाबले में झारखंड की टीम ने पंजाब को हरा दिया और सेमीफाइनल में पहुंच गयी। झारखंड ने पंजाब को 2-0 गोल के अंतर से पराजित किया। झारखंड टीम की ओर से अलका डुंगडुंग नें 48वें मिनट में और अलबेला रानी टोप्पो ने 52वें मिनट में एक-एक फील्ड गोल किये। झारखंड टीम ने दोनों गोल तीसरे क्वार्टर में किए।

अलबेला रानी टोप्पो को मिला प्लेयर ऑफ द मैच - अलबेला रानी टोप्पो को सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। झारखंड टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने पर हॉकी इंडिया के महासचिव सह हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह सहित हॉकी झारखंड के अन्य सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी और अगले मैच के लिए शुभकामनाएं दी।

टीम झारखंड - अंजली बिंझिया, सोनल मिंज, रोपनी कुमारी,रीमा बखला, रेशमा सोरेंग, कौशल्या कुमारी, शम्मी बड़ा, स्मिता मिंज, दीप्ति कुल्लू, दीप्ति टोप्पो, नीतू कुमारी, सुभाषी हेमरोम, काजल बड़ा, अलबेला रानी टोप्पो, वेतन डुंगडुंग, एलिन डुंगडुंग, रोशनी डुंगडुंग, अलका डुंगडुंग. टीम की कोच बिगन सोय और मैनेजर दुलारी टोपनो।

शराबबंदी के बाद से 1.82 करोड़ लोगों ने छोड़ दी शराब: बिहार सरकार

38 जिलों में रहने वाले 10 लाख लोगों से पूछे गए सवाल

पटना (ईएमएस)। बिहार सरकार ने एक रिपोर्ट जारी कर बड़ा दावा किया है। बिहार सरकार ने कहा है कि अप्रैल 2016 में शराबबंदी लागू होने के बाद से 1.82 करोड़ लोगों (जो राज्य की आबादी का लगभग 96 प्रतिशत) ने शराब का सेवन छोड़ दिया है। मंगलवार शाम को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 99 फीसदी महिलाएं और 92 फीसदी पुरुष शराबबंदी के पक्ष में हैं। रिपोर्ट के अनुसार जब भी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शराबबंदी पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है तो उनकी सरकार इस पर सर्वे कराने के लिए एक संस्था को कॉन्ट्रैक्ट देती है। विभाग ने इस बार पंचायती राज विभाग, जीविका दीदी समूह और चाणक्य विधि विश्वविद्यालय को कार्यभार सौंपा है। इससे पहले बिहार सरकार ने 2017 में आद्री और जगजीवन राम शोध संस्थान और 2022 में एएन सिन्हा शैक्षणिक संस्थान और चाणक्य विधि विश्वविद्यालय को कॉन्ट्रैक्ट दिया था। यह तीसरी रिपोर्ट है और इसे संयुक्त रूप से शराब निषेध विभाग के आयुक्त बी कार्तिकेय धन जी, चाणक्य विश्वविद्यालय के डीन एसपी सिंह, जीविका दीदी विभाग के कार्यकारी निदेशक राहुल कुमार द्वारा जारी की गई है। जीविका दीदी समूह के कार्यकारी निदेशक राहुल कुमार ने कहा कि हमने बिहार के सभी 38 जिलों के 534 ब्लॉकों में सर्वेक्षण किया है और 1.15 लाख जीविका दीदियों ने सर्वेक्षण किया है। उन्होंने इन जिलों में रहने वाले 10 लाख लोगों से सवाल पूछे। उनके जवाबों के आधार पर हमने शराबबंदी पर रिपोर्ट तैयार की है। कुमार ने कहा कि रिपोर्ट चाणक्य लॉ इंस्टीट्यूट को स्कैनिंग के लिए भेजी गई थी। रिपोर्ट के विश्लेषण के दौरान हमने पाया कि अप्रैल 2016 से 1.82 करोड़ लोगों ने शराब पीना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी के कारण बिहार में अपराध और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है।

यूपी के देवबंद स्टेशन पर नॉन इंटरलाकिंग कार्य के चलते 19 ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

मुरादाबाद (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के देवबंद रेलवे स्टेशन पर 23 फरवरी से 02 मार्च तक प्री-नॉन इंटरलाकिंग और नॉन इंटरलाकिंग कार्य शुरू होने के कारण मुरादाबाद रेल मंडल में 19 ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। यह जानकारी उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) सुधीर सिंह ने दी। सुधीर सिंह ने बताया कि रेलगाड़ी संख्या 22917 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार 01 मार्च को परिवर्तित मार्ग निजामुद्दीन तिलक ब्रिज-दिल्ली शहादरा-नोली-द्दशामली टपरी होकर हरिद्वार जाएगी। रेलगाड़ी संख्या 14309 उज्जैन-देहरादून 01 मार्च को मोदीनगर-द्दमुज्जफरनगर मार्ग में 30 मिनट विलंब से संचालित की जाएगी। रेलगाड़ी संख्या 14304 हरिद्वार-दिल्ली जेसीओ 23 से 26 फरवरी एवं 01 व 02 मार्च को परिवर्तित मार्ग टपरी द्दशामली-दिल्ली शाहदरा होकर दिल्ली जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 14304 हरिद्वार-दिल्ली 27-28 फरवरी को निरस्त रहेगी। रेल गाड़ी संख्या 19565 ओखा-देहरादून 24 फरवरी को परिवर्तित मार्ग से नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-दिल्ली-शाहदरा-नोली-शामली टपरी होकर देहरादून जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 14317 इंदौर-देहरादून 25 फरवरी को 110 मिनट के विलंब से मोदीनगर मुजफ्फरनगर मार्ग से संचालित की जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 14317 इंदौर देहरादून 26 फरवरी को परिवर्तित मार्ग हजरत निजामुद्दीन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-नोली-शामली-टपरी होकर देहरादून जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 14511 प्रयागराज संगम-सहारनपुर 26-27 फरवरी को मेरठ सिटी तक जाएगी। मेरठ सिटी तथा सहारनपुर के मध्य यह ट्रेन निरस्त रहेगी। रेल गाड़ी संख्या 14512 सहारनपुर-प्रयागराज संगम 27-28 फरवरी को सहारनपुर स्टेशन के स्थान पर मेरठ सिटी से संचालित की जाएगी। मेरठ सिटी तथा सहारनपुर के मध्य यह रेलगाड़ी निरस्त रहेगी। रेल गाड़ी संख्या 18470 पूरी योग नगरी ऋषिकेश 25-26 फरवरी को परिवर्तित मार्ग हजरत निजामुद्दीन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-नोली-शामली-टपरी होकर योग नगरी ऋषिकेश तक जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 18470 योग नगरी ऋषिकेश 27 फरवरी को 40 मिनट के विलंब से मुजफ्फरनगर स्टेशन से संचालित की जाएगी। रेलगाड़ी संख्या 22660 योग नगरी-)षिकेश कोच्चुवेली 27 फरवरी को परिवर्तित मार्ग अंबाला कैंट-पानीपत-नई दिल्ली-हजरत निजामुद्दीन होकर को संचालित होगी। रेल गाड़ी संख्या 12055 नई दिल्ली-देहरादून 27-28 फरवरी को नई दिल्ली स्टेशन से 40 मिनट की देरी से संचालित की जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 19020 हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनस 27-28 फरवरी को हरिद्वार स्टेशन से परिवर्तित समय शाम 5 बजकर10 पर संचालित की जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 19020 हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनस 01 मार्च को टपरी स्टेशन से 60 मिनट के विलंब से चलेगी। रेल गाड़ी संख्या 12911 वलसाड हरिद्वार 28 फरवरी को परिवर्तित मार्ग हजरत निजामुद्दीन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-नोली-शामली-टपरी होकर हरिद्वार तक जाएगी। रेलगाड़ी संख्या 19032 योग नगरी ऋषिकेश-अहमदाबाद 27-28 फरवरी को योग नगरी ऋषिकेश स्टेशन से परिवर्तित समय शाम 4 बजकर 25 मिनट पर संचालित की जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 12131 लोकमान्य तिलक हरिद्वार 27 फरवरी को परिवर्तित मार्ग हजरत निजामुद्दीन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-नोली-शामली-टपरी होकर हरिद्वार जाएगी। रेल गाड़ी संख्या 14310 देहरादून-उज्जैन 28 फरवरी को परिवर्तित मार्ग टपरी-शामली-दिल्ली शाहदरा-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन मार्ग से होकर उज्जैन तक जाएगी।

क्लाइमेट चेंज के खतरों का सामना करने में चीन के बाद भारत

कानपुर, (हि.स.)। क्लाइमेट चेंज के खतरों का सामना करने में चीन के बाद भारत को रखा गया है। जिसमें देश के नौ राज्य अधिक प्रभावित होंगे। यह जानकारी कृषि मौसम वैज्ञानिक डॉ.एस.एन.सुनील पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि यह रिपोर्ट द क्रॉस डिपेंडेंसी इनीशिएटिव (एक्सडीआई) की अध्ययन रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में चेतावनी जारी करने के साथ ही साथ आगाह करने वाली भी है। रिपोर्ट में क्लाइमेट चेंज के खतरों का सामना करने में चीन के बाद भारत को रखा गया है। रिपोर्ट में प्रभावित होने वाले शीर्ष 50 राज्यों की सूची बनाई गई है, जिनमें भारत के नौ राज्य हैं। देश के बिहार उत्तर प्रदेश, असम, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और केरल शामिल हैं। अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक 2050 तक जो राज्य सबसे ज्यादा खतरे से घिर जाएंगे उनमें शीर्ष 50 में से 80 प्रतिशत प्रदेश चीन, अमेरिका और भारत के होंगे। फरवरी का महीना इस साल भी गर्म हो रहा है। कई जगहों पर पारा 37 डिग्री के पार जा चुका है। पर्यावरणविद इस महीने इतनी गर्मी की वजह क्लाइमेट चेंज को मानते हैं। अगर जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमी हालत उत्पन्न हुए तो क्षति के सम्पूर्ण पैमाने और जोखिम में वृद्धि के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान एशियाई क्षेत्र को होगा। मगर यदि जलवायु परिवर्तन को बदतर होने से रोका गया और जलवायु के प्रति सतत निवेश में वृद्धि हुई तो इसका सबसे ज्यादा फायदा भी एशियाई देशों को ही होगा।

केशव मौर्य ने विधान परिषद के उप नेता विद्यासागर सोनकर को बधाई दी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा के वरिष्ठ नेता विद्यासागर सोनकर को राज्य विधान परिषद का उप नेता नियुक्त किये जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। लखनऊ आवास पर विधान परिषद सदस्य विद्यासागर सोनकर ने केशव प्रसाद मौर्य से शिष्टाचार भेंट की। सोनकर को बुधवार को विधान परिषद का उप नेता नियुक्त किया गया था। सोनकर पार्टी में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं।

ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम को ईडी ने किया गिरफ्तार

रांची, (हि.स.)। ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम को ईडी ने बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के पूर्व हिरासत में लेकर ईडी ने उनसे घंटों पूछताछ की। पूछताछ के दौरान ईडी को अब तक चीफ इंजीनियर के पास लगभग 125 करोड़ की चल अचल संपत्ति की जानकारी मिली है। गत मंगलवार सुबह से ईडी की टीम ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर विरेंद्र कुमार राम के सभी ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान ईडी को 20 लाख से अधिक कैश बरामद हुए थे, वहीं डेढ़ करोड़ के जेवरात मिले थे। जानकारी के मुताबिक ईडी को यह भी पता चला है कि उन्होंने ब्यूरोक्रेट्स और पॉलिटिशियन के ब्लैक मनी को इन्वेस्ट किया है। ईडी ने बुधवार शाम ही उन्हें हिरासत में ले लिया था। वीरेंद्र राम से ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में देर रात तक पूछताछ चलती रही।

उल्लेखनीय है कि 2019 में एक कार्रवाई के दौरान वीरेंद्र राम के अधीनस्थ काम करने वाले एक इंजीनियर के पास से दो करोड़ 90 लाख रुपये मिले थे। बताया जा रहा है कि उस समय जब्त किए गये पैसे भी वीरेंद्र राम के ही थे। ईडी ने उसी समय वीरेंद्र राम पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था।

सासाराम में मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतरे, माल ढुलाई वाला डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रभावित

पटना, (हि.स.)। सासाराम में गुरुवार को मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसा करंवदिया और पहलेजा रेलवे स्टेशन के बीच हुआ जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय-गया रेल रूट पर है। मालगाड़ी डीडीयू से गया की तरफ जा रही थी, तभी अचानक पटरी से उतर गई। हादसे की वजह क्या है, यह अभी साफ नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे से मुख्य लाइन प्रभावित नहीं हुई है इसलिए यात्री ट्रेनों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। अधिकारियों ने बताया कि माल ढुलाई वाला डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का अप तथा डाउन दोनों का परिचालन बाधित हो गया है। इस हादसे के बाद रेल अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई है। रेलवे के माल ढुलाई वाले लाइन के परिचालन को सामान्य करने की कोशिश की जा रही है। पटरी से उतरने वाली मालगाड़ी के सभी डिब्बे खाली थे।

मालगाड़ी के डिब्बे रेलवे लाइन से उतर कर आसपास के खेतों में देखे गए। रेल अधिकारी का कहना है कि शाम तक दोनों लाइन को सामान्य कर लिया जाएगा।

क्लाइमेट चेंज के खतरों का सामना करने में चीन के बाद भारत

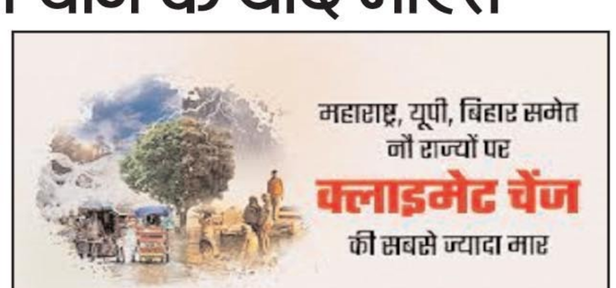

कानपुर, (हि.स.)। क्लाइमेट चेंज के खतरों का सामना करने में चीन के बाद भारत को रखा गया है। जिसमें देश के नौ राज्य अधिक प्रभावित होंगे। यह जानकारी कृषि मौसम वैज्ञानिक डॉ.एस.एन.सुनील पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि यह रिपोर्ट द क्रॉस डिपेंडेंसी इनीशिएटिव (एक्सडीआई) की अध्ययन रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में चेतावनी जारी करने के साथ ही साथ आगाह करने वाली भी है। रिपोर्ट में क्लाइमेट चेंज के खतरों का सामना करने में चीन के बाद भारत को रखा गया है। रिपोर्ट में प्रभावित होने वाले शीर्ष 50 राज्यों की सूची बनाई गई है, जिनमें भारत के नौ राज्य हैं। देश के बिहार उत्तर प्रदेश, असम, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और केरल शामिल हैं। अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक 2050 तक जो राज्य सबसे ज्यादा खतरे से घिर जाएंगे उनमें शीर्ष 50 में से 80 प्रतिशत प्रदेश चीन, अमेरिका और भारत के होंगे। फरवरी का महीना इस साल भी गर्म हो रहा है। कई जगहों पर पारा 37 डिग्री के पार जा चुका है। पर्यावरणविद इस महीने इतनी गर्मी की वजह क्लाइमेट चेंज को मानते हैं। अगर जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसमी हालत उत्पन्न हुए तो क्षति के सम्पूर्ण पैमाने और जोखिम में वृद्धि के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान एशियाई क्षेत्र को होगा। मगर यदि जलवायु परिवर्तन को बदतर होने से रोका गया और जलवायु के प्रति सतत निवेश में वृद्धि हुई तो इसका सबसे ज्यादा फायदा भी एशियाई देशों को ही होगा।

हाइवा में लगी आग, चालक की जलकर मौत

लातेहार, (हि.स.)। जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के अमरवाडीह पुलिस पिकेट अंतर्गत फुलवसीया रेलवे साइडिंग में एक हाइवा में आग लग गई। इस घटना में हाइवा के चालक की जलने से मौत हो गई। मृतक चालक की पहचान चतरा जिले के टंडवा निवासी रूपलाल महतो (30) के रूप में हुई है। घटना बुधवार की देर रात की है, परंतु चालक की मौत की सूचना गुरुवार को हुई। हालांकि हाइवा में आग कैसे लगी इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। बताया जाता है कि कुछ लोग इसे आपराधिक घटना कह रहे हैं, तो कुछ लोग इसे शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग की घटना बता रहे हैं। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार कोयला लोड कर हाइवा कोयला साइडिंग में आया था। कोयला अनलोड करने के बाद हाइवा का ब्रेक डाउन हो गया। इस कारण हाइवा कोयला साइडिंग के ही निकट जाकर खड़ी हो गई। इसी बीच बुधवार की देर रात अचानक हाइवा में आग लगी देख आसपास के लोग उसे बुझाने लगे, परंतु आग इतनी भीषण थी कि पूरा हाइवा जलकर खाक हो गया। गुरुवार को सुबह लोगों को पता चला कि हाइवा का चालक भी हाइवा के साथ ही जल गया है। थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

मोतिहारी चीनी मिल के बकाया सहित अघतन स्थिति से अवगत हुए मुख्य सचिव

-डीएम के साथ वीडियो क्रांफ्रेसिंग से चीनी मिल के किसानों व मजदूरो के बकाया के सबंध मे ली जानकारी

मोतिहारी, (हि.स.)। समाधान यात्रा के दौरान सीएम नीतीश कुमार के समक्ष स्थानीय पत्रकारों व किसानों द्वारा मोतिहारी के बंद पड़े चीनी मिल की जमीन बिक्री किसानों व मजदूरों के बकाया भुगतान सबंधी मुद्दा उठाये जाने के बाद बुधवार को राज्य के मुख्य सचिव ने डीएम शीर्षत कपिल अशोक के साथ गुरुवार को वीसी करते हुए मोतिहारी के बंद हनुमान सुगर मिल की अघतन स्थिति जैसे किसानों के बकाया ईख मूल्य भुगतान सहित अन्य विषयों की जानकारी लिया। डीएम ने मुख्य सचिव को बताया कि मोतिहारी मिल पर किसान व मिल मजदूर के साथ सभी टैक्स मिलाकर करीब 18 करोड़ रुपए बकाया है। जिसकी वसूली के लिए नीलाम पत्र वाद चल रहा है। पूर्व में 48 करोड़ रुपए का नीलाम पत्र वाद दायर किया गया था। जिसमें अबतक मिल ने करीब 32 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। शेष 16 करोड़ रुपए का भुगतान बाकी है।जिसकी भुगतान प्रक्रिया शुरू करने के लिए कवायद की जा रही है।

स्वास्थ्य शिविर लगाकर बच्चों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण, गई मुफ्त दवाईयां

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के वारिसलीगंज प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बल्लोपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वारिसलीगंज के चिकित्सक डॉ धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर लगाकर सभी बच्चों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सक ने बच्चों को मुफ्त दवाइयां भी दी। जो दवाईयां शिविर में उपलब्ध नहीं है, उसे अस्पताल में दिया जाएगा। मौके पर चिकित्सक ने बदलते मौसम में बच्चों में होने वाली बीमारियों के बारे में शिक्षकों को जानकारी दी। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य को लेकर कई टिप्स बताया गया। उत्तम स्वास्थ्य के लिए किन-किन बातों का ख्याल रखना चाहिए इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गयी। मौके पर जांच के दौरान लगभग 30-35 बच्चों, जिनके स्वास्थ्य में थोड़ी कुछ समस्या थी, उनके बारे में विद्यालय के अग्रणी शिक्षक श्रीकांत को चिकित्सक ने कई परामर्श दिया। उपस्थित बच्चों में से कई बच्चों को बेहतर परीक्षण के लिए जिला या विम्स पावापुरी ले जाने की सलाह दी गई, जबकि शेष को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र वारिसलीगंज ले जाने का निर्देश दिया गया। शिक्षक श्रीकांत ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के लिए स्वस्थ्य शरीर और स्वस्थ दिमाग की आवश्यकता होती है। विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन इस दिशा में पहली शुरूआत है। शिक्षक ने कहा अभी और कई कदम उठाने हैं जो शीघ्र ही विद्यालय में उपलब्ध होगा। चिकित्सकों ने सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर विटामिन की कमी के अनुसार उन्हें पूरा करने के लिए भोजन में सुधार की बात कही है।

संपादकीय

पीएम के पिता का अपमान

यही हमारी राजनीतिक संस्कृति है? क्या ऐसे ही लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी के मौलिक अधिकार पर हम गर्व से इतराते रहे हैं? क्या देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री का कोई सम्मान और राष्ट्र की गरिमा कुछ मायने रखती है अथवा नहीं? कांग्रेस बार-बार ऐसी शर्मसार हरकतें क्यों करती है? क्या पार्टी के बिखराव, उसकी लगातार घटती स्वीकार्यता और चुनावी पराजय की कुंठाओं से पनपी विक्षिप्त मनःस्थिति है, जो प्रधानमंत्री के लिए अभद्र शब्दों के इस्तेमाल को बाध्य करती रही है? शिकायत और नाराजगी प्रधानमंत्री की सरकारी नीतियों और उनके फैसलों से हो सकती है, प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता का अपमान करके कांग्रेस को क्या हासिल हो सकता है? कौन-सा मानसिक सुकून मिल सकता है? क्या देश की जनता यह सब कुछ नहीं देख रही, क्योंकि वह भी देश के प्रधानमंत्री के बार-बार अपमान से आहत होती है? प्रधानमंत्री तो कांग्रेस के लिए भी वही हैं, जो भारत देश का प्रथम लोकतांत्रिक और कार्यकारी चेहरा हैं। क्या ऐसे अभद्र और अपमानजनक शब्द बोलने वालों पर कांग्रेस के भीतर कोई आचार-संहिता, अनुशासन और नियंत्रण है अथवा वह भी 'शून्य' है? सरोकार भारत की राष्ट्रीय छवि और प्रतिष्ठा का भी है। पार्टी का एक बौना-सा प्रवक्ता, प्रधानमंत्री के पिता के नाम पर, मजाक करने का दुस्साहस कैसे कर सकता है? क्या इस संदर्भ में कोई निश्चित विधान नहीं है? शायद यही लोकतंत्र होता है! कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक सार्वजनिक मंच पर प्रधानमंत्री का पूरा नाम इस तरह लिया-नरेंद्र गौतम दास मोदी।' प्रधानमंत्री के पिता का नाम है-दामोदर दास। देश और राजनीति इससे बखूबी परिचित हैं। विवादास्पद उद्योगपति गौतम अडानी का नाम प्रधानमंत्री के साथ जोड़ कर, उनका उपहास उड़ाने की, विकृत पैरोडी बनाई गई। पवन खेड़ा ने यह जानबूझ कर कहा, क्योंकि उनके चेहरे के भाव से स्पष्ट था। इन दिनों प्रधानमंत्री मोदी और अडानी के करीबी संबंधों का राजनीतिक वृत्तांत बनाया जा रहा है, ताकि घपले और भ्रष्टाचार के सवाल प्रधानमंत्री पर भी उठाए जा सकें। मुद्दा और विमर्श कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन हमारी घोर आपत्ति यह है कि प्रधानमंत्री के दिवंगत माता-पिता के नाम की विकृत पैरोडी क्यों बनाई जाए? दरअसल कांग्रेस में पवन खेड़ा तो बहुत जूनियर चेहरा हैं, लेकिन मणिशंकर अय्यर, जयराम रमेश, सुबोधकांत सहाय, रेणुका चौधरी, शशि थरूर, प्रमोद तिवारी, गुलाम नबी आज़ाद (तब कांग्रेस में) और संजय निरूपम आदि से लेकर कांग्रेस अध्यक्ष रहे सोनिया और राहुल गांधी सरीखे वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए गालीनुमा शब्दों का इस्तेमाल किया है। मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुजरात चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री को 'रावण' करार दिया था। ऐसे मुद्दों पर कांग्रेस के छुटभैया प्रवक्ता दलीलें देने लगते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने भी गांधी-नेहरू परिवार के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग किया था और अब भी करते रहते हैं। यह आरोप अद्र्धसत्य भरा है। कुछ तंज प्रधानमंत्री कसते रहते हैं, लेकिन उन्होंने अभिधा शब्द-शक्ति में प्रत्यक्ष रूप से किसी को भी गाली नहीं दी। हम मानते हैं कि प्रधानमंत्री को भी कुछ संयम बरतना चाहिए, लेकिन सवाल है कि क्या कांग्रेस प्रतिशोध की राजनीति करना चाहती है? प्रधानमंत्री मोदी ने इस संवैधानिक पद पर बैठे किसी भी शख्स के माता-पिता का अपमान कभी नहीं किया, यह हम अपने अनुभव के आधार पर दावा कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने तो प्रधानमंत्री की मौत के प्रकार तक गिना दिए कि कैसे उनको मारा जा सकता है! एक नेता ने तो 'बोटी-बोटी' कर देने तक का सार्वजनिक बयान दिया है। वह नेता अब कांग्रेस के बाहर हो चुका है। सवाल यह भी है कि क्या एक बार फिर कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री के संदर्भ में ऐसी अपमानजनक पैरोडी बनाकर 'सेल्फ गोल' कर लिया है। 2024 के आम चुनाव दूर नहीं हैं और भाजपा इसे 'सहानुभूति वाले मुद्दे' में तबदील कर सकती है।

कांग्रेस के भीतर कोई आचार-संहिता, अनुशासन और नियंत्रण है अथवा वह भी 'शून्य' है? सरोकार भारत की राष्ट्रीय छवि और प्रतिष्ठा का भी है। पार्टी का एक बौना-सा प्रवक्ता, प्रधानमंत्री के पिता के नाम पर, मजाक करने का दुस्साहस कैसे कर सकता है? क्या इस संदर्भ में कोई निश्चित विधान नहीं है? शायद यही लोकतंत्र होता है! कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक सार्वजनिक मंच पर प्रधानमंत्री का पूरा नाम इस तरह लिया-नरेंद्र गौतम दास मोदी।' प्रधानमंत्री के पिता का नाम है-दामोदर दास। देश और राजनीति इससे बखूबी परिचित हैं। विवादास्पद उद्योगपति गौतम अडानी का नाम प्रधानमंत्री के साथ जोड़ कर, उनका उपहास उड़ाने की, विकृत पैरोडी बनाई गई। पवन खेड़ा ने यह जानबूझ कर कहा, क्योंकि उनके चेहरे के भाव से स्पष्ट था। इन दिनों प्रधानमंत्री मोदी और अडानी के करीबी संबंधों का राजनीतिक वृत्तांत बनाया जा रहा है, ताकि घपले और भ्रष्टाचार के सवाल प्रधानमंत्री पर भी उठाए जा सकें। मुद्दा और विमर्श कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन हमारी घोर आपत्ति यह है कि प्रधानमंत्री के दिवंगत माता-पिता के नाम की विकृत पैरोडी क्यों बनाई जाए?

बोध कथा

जैसी संगत वैसा जीवन, यही है मूलमंत्र

शादी के ठिकाने पर क्या पहुंचे, मानो वज्रपात हो गया। अफरातफरी में वह अटैची ही घर में छूट गई थी जिसमें रखे कपड़े शादी के मौके से ऐन पहले पहने जाने थे। श्रीमान जी तो तैयार थे कि जिस लिबास में हैं उसी से काम चल जाएगा, पर श्रीमती जी को यह हरगिज मंजूर न था। वह बुदबुदाईं, ऐसी साधारण साड़ी में नाक कटवाने से तो न जाना बेहतर। स्वागत द्वार पर शगुन का लिफाफा एक परिचित को थमाया और उनकी कार ने डेढ़ घंटे के वापसी सफर का रुख किया। दंपती ने एक ठीक ठाक होटल में डिनर किया और दिल को समझाया। बेहतरीन और दमदार छवि के प्रति चिंतित व्यक्ति अपने सुनहरे पक्षों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करेगा और अप्रिय पक्षों की दूसरों को भनक तक नहीं लगने देगा। उसकी सोच और गतिविधियां एक ही बात पर टिकी होंगी- लोग क्या कहेंगे! अपने बाह्य रंग-रूप को संवारने-निखारने में वह कसर नहीं छोड़ेगा। नवजात शिशु को निमोनिया है, इसकी अनदेखी कर वह सोशल मीडिया के जरिए ऐलान करेगा कि डिलीवरी फलां नामी हॉस्पिटल में हुई है। बेचारा नहीं जानता कि एक पांव में चप्पल और दूसरे में जूता पहने लंबी मॉर्निंग वाक कर डालने पर भी उसे ताकने की किसी को फुर्सत नहीं है। जो लोग आपको बूझते हैं उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या पहनते, खाते-पीते या कैसे रहते हैं? जो आपको समझते ही नहीं, बल्कि समझना ही नहीं चाहते, उनकी वाहवाही के लिए आप आतुर रहते हैं। उनकी आलोचना से आपकी नींद उड़ जाती है। समाज में व्यापक दुख-दर्द का इससे बड़ा कारण नहीं होगा! दुनिया कर्मस्थली है, अकर्मण्यों के लिए यहां कोई स्थान नहीं। अपने दिव्य स्वरूप को जानने वाला और तदनुसार आचरण, व्यवहार और कर्म को ढालने वाला कर्मठ व्यक्ति अपनी क्षमताओं का भरपूर दोहन करते हुए सही अर्थों में जीता है। दूसरों को सही जीवन की राह दिखाता है। अपने कार्य और निर्णय के लिए वह दूसरों की पुष्टि नहीं तलाशेगा। प्रश्न है, आपके रोल मॉडल कौन हैं और कैसी संगत आपको रास आती है? चूंकि जिस संगत में स्वयं को ढालेंगे उसी अनुरूप आपका भविष्य तय हो जाएगा। आपके बारे में लोग जो बोलते हैं उससे आपकी नहीं, उनकी असलियत झलकती है। अलबर्ट आइंस्टाइन के शब्दों में, मध्यम बुद्धि के व्यक्ति सदा महान विभूतियों का विरोध करते रहे हैं। इतिहास साक्षी है, मौलिक सोच के व्यक्तियों के बोल और कार्य सामान्य बुद्धि वालों के गले नहीं उतरते। लाओत्जे के अनुसार दूसरों के सोचने की परवाह करने का अर्थ है उन्हीं के अनुरूप चलना और उनका बंधक बन जाना। वर्जीनिया वुल्फ ने भी कहा कि दूसरों की निगाहें आपकी जेल नहीं बननी चाहिए। अपने मार्ग का राही संयत, संतुष्ट और प्रसन्नचित्त रहेगा। वह जानता है कि प्रसन्न रहना निजी मामला है। अंतःकरण प्रसन्न हो तो बाहरी स्वीकृति का अर्थ नहीं रहता। ऐसे में मौसम की दुश्वारियां भी बेअसर हो जाती हैं। मुखौटाप्रिय समाज में प्रचलित रस्मों की अनुपालना से आप न केवल अपनी सोच को उन्नत या व्यापक रखेंगे बल्कि वैचारिक समृद्धि की ओर प्रशस्त रहेंगे। तुच्छ सोच प्रगति की भारी बाधा है। याद करें, बचपन में आप दोस्तों के साथ बालू के ढेर में अपने-अपने मकान बनाते। कोई शरारती बालक दूसरे का मकान तोड़ देता तो बवाल मच जाता था। यह कच्ची उम्र की बात ठहरी। सयानी उम्र में इसी प्रकार की क्षुद्र सोच रखने का अर्थ है इतने वर्षों में स्वयं को बिलकुल परिमार्जित नहीं किया।

एक दर्जन नेताओं के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों की कार्रवाई चल रही

भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने वालों पर एजेंसियों की कार्रवाई का स्वागत कर रही है जनता

ललित गर्ग

दिल्ली में आम आदमी पार्टी हो या कांग्रेस या अन्य राजनीतिक दल, जब-जब उनके भ्रष्टाचार उजागर हुए, केन्द्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, उसे डराने का हथकंडा कहा गया हो या राजनीति से प्रेरित, जनता ने एजेंसियों का स्वागत ही किया है। भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने की मानसिकता से उबरना ही होगा। इन दिनों छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लगभग एक दर्जन नेताओं के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों की कार्रवाई चल रही है, इससे कांग्रेस में बौखलाहट देखने को मिल रही है, पार्टी के नेताओं का हकना है कि इस तहर के हथकंडों से डराया नहीं जा सकता। प्रश्न हय है कि राजनीतिक दलों का सर्वोच्च नेतृत्व अपने नेताओं के भ्रष्ट कारनामों पर खुद सख्त क्यों नहीं होता? क्यों भ्रष्टाचार पर ये दल संरक्षण की मुद्रा में दिखाई देते हैं? चूंकि ईडी की हय कार्रवाई राज्य में कांग्रेस के अधिवेशन के हपले हुई, इसलिए उसके कुछ ज्यादा ही राजनीतिक मायने देखे जा रहे हैं।

केंद्रीय एजेंसियां- ईडी, सीबीआई अथवा आयकर विभाग इन दिनों राजनीतिक दलों एवं नेताओं पर कार्रवाई करती हुई नजर आ रही हैं, आजादी के बाद से भ्रष्टाचार एवं घोटालों पर नियंत्रण के लिये आवाज उठती रही है, इसके लिये आन्दोलन एवं अनशन भी होते रहे हैं, लेकिन सबसे प्रभावी तरीका केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई एवं न्यायालयों की सख्ती ही है, जो भ्रष्टाचारियों पर सीधा हमला करती हैं। देश में सर्वाधिक भ्रष्टाचार राजनीतिक दलों में ही व्याप्त रहा है, इसलिये अब तक केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाईयां उन पर प्रभावी नहीं हो पा रही थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता हासिल करते ही भ्रष्टाचार के खिलाफ कमर कसी है, जिसका असर देखने को मिल रहा है। भले ही इन दिनों हो रही केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को राजनीतिक प्रेरित बताया जाये, लेकिन इसे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में एक कारगर एवं प्रभावी कदम कहा जायेगा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी हो या कांग्रेस या अन्य राजनीतिक दल, जब-जब उनके भ्रष्टाचार उजागर हुए, केन्द्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, उसे डराने का हथकंडा कहा गया हो या राजनीति से प्रेरित, जनता ने एजेंसियों का स्वागत ही किया है। भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने की मानसिकता से उबरना ही होगा। इन दिनों छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लगभग एक दर्जन नेताओं के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों की कार्रवाई चल रही है। इससे कांग्रेस में बौखलाहट देखने को मिल रही है, पार्टी के नेताओं का कहना है कि इस तरह के हथकंडों से डराया नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि राजनीतिक दलों का सर्वोच्च नेतृत्व अपने नेताओं के भ्रष्ट कारनामों पर खुद सख्त क्यों नहीं होता? क्यों भ्रष्टाचार पर ये दल संरक्षण की मुद्रा में दिखाई देते हैं? चूंकि ईडी की यह कार्रवाई राज्य में कांग्रेस के अधिवेशन के पहले हुई, इसलिए उसके कुछ ज्यादा ही राजनीतिक मायने देखे जा रहे हैं। वैसे यह अधिवेशन न होता तो भी यह तय था कि कांग्रेस की ओर से ईडी को कोसा जाता और यह आरोप लगाया जाता कि केंद्रीय एजेंसियों का अनुचित इस्तेमाल किया जा रहा है। वास्तव में यह वह आरोप है, जो हर उस राजनीतिक दल की ओर से उछाला जाता है जिसके नेता ईडी, सीबीआई अथवा आयकर विभाग की जांच के दायरे में आते हैं। छत्तीसगढ़ में जो छापेमारी हुई, वह अवैध कोयला खनन के मामले में हुई, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पता नहीं इस घोटाले का सच क्या है, लेकिन आज कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि राज्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर के भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। नेताओं और

नौकरशाहों के भ्रष्टाचार की आए दिन आने वाली खबरें यही बताती हैं कि केंद्रीय एजेंसियां डाल-डाल हैं तो भ्रष्टता का जाल पात-पात। विडम्बना तो यह है कि नेतृत्व करने वाली ताकतें भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। लेकिन आज भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में जो माहौल बना है, वह निश्चय ही बहुत बड़ी बात है और एक शुभ संकेत है। हमें इस मौके को बर्बाद नहीं करना चाहिए। निश्चित ही भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का जो केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का तरीका अपनाया जा रहा है, वह सही तरीका है। पूर्व में कुछ लोग अनशन और भूख हड़ताल को इसके खिलाफ लड़ाई का हथियार बनाते रहे हैं। मेरा मानना है कि यह गलत तरीका है। अनशन में मुद्दा पीछे छूट जाता है और अनशन करने वाले आदमी पर सारा ध्यान केंद्रित हो जाता है। मुद्दे को पीछे छोड़कर हम कुछ हासिल नहीं कर सकते। तमाम कोशिशों के बावजूद भ्रष्टाचार और घोटालों का घटाटोप मौसम है, ऐसा कुछ भी कह पाना भले मुश्किल हो, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई ऐसा नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे फैशन के तहत हजारों जुमलों में किसी समाज को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का भी यही समय है और मैं समझता हूं, इस पड़ताल की शुरुआत उन गलतफहमियों को उघाड़े जाने से होनी चाहिए, जो राजनीतिक दलों ने खुद के बारे में पाल रखी हैं। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर भले ही यह वातावरण बनाया जाए कि उनका राजनीतिक उपयोग किया जा रहा है, लेकिन आम जनता पर उसका असर मुश्किल से ही पड़ता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जनता इससे अच्छी तरह परिचित है कि नेताओं और नौकरशाहों के बीच भ्रष्टाचार की क्या स्थिति है? राजनीतिक दल कुछ भी कहें, केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी के दौरान नेताओं और नौकरशाहों के यहां अकूत संपदा मिलने के प्रसंग त्रासद ही कहे जा सकते हैं। निश्चित रूप से भ्रष्ट तत्वों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, लेकिन वह केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह ठीक नहीं कि केंद्रीय एजेंसियां जिस तत्परता से भ्रष्ट तत्वों के यहां छापेमारी करती हैं, वह आगे नहीं बढ़कर निस्तेज हो जाती है। प्रायः घपले-घोटालों की जांच इतनी लंबी खिंचती है कि लोगों की संबंधित मामले में रुचि नहीं रह जाती। इसका कोई औचित्य नहीं कि भ्रष्ट तत्वों को सजा मिलने में जरूरत से ज्यादा देर हो। फिलहाल ऐसी ही स्थिति है। इसी कारण न तो भ्रष्ट तत्वों के दुस्साहस का दमन हो पा रहा है और न ही राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार में कोई कमी आती दिख रही है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की पूर्व रपट के अनुसार एशिया में सबसे अधिक भ्रष्टाचार यदि कहीं है तो वह भारत में है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इससे गंदा प्रमाण पत्र क्या मिल सकता है? इसका अर्थ क्या हुआ? क्या यह नहीं कि भारत में लोकतंत्र या लोकशाही नहीं, नेताशाही और नौकरशाही है? भारत में भ्रष्टाचार की ये दो ही जड़े हैं। पिछले आठ-नौ साल में नेताओं के भ्रष्टाचार की खबरें काफी कम आई हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि भारत की राजनीतिक व्यवस्था भ्रष्टाचार मुक्त हो गई है। उसका भ्रष्टाचार मुक्त होना असंभव है। हां, सर्वोच्च नेतृत्व की कठोरता का यह असर है कि नेताओं ने भ्रष्टाचार की वैतरणी पर चादर डाल दी है। भ्रष्टाचार तो है पर दिखे ना इसकी कुचेष्टाएं हो रही हैं। राजनेताओं का भ्रष्टाचार लुके-छिपे यथावत बदस्तूर जारी है। यह एक बड़ा सच है कि यदि नेता लोग रिश्वत नहीं खायेंगे, डरा-धमकाकर पैसा वसूल नहीं करेंगे और बड़े व्यावसायिक घरानों की दलाली नहीं करेंगे तो वे चुनावों में खर्च होने वाले करोड़ों रुपया कहां से लाएंगे? उनके ऐशोआराम पर रोज खर्च होने वाले हजारों रुपयों का इंतजाम कैसे होगा? उनकी और उनके परिवार की चकाचौंधपूर्ण जिंदगी कैसे चलेगी? राजनेताओं की भ्रष्ट अनिवार्यता को ढाई हजार साल पहले आचार्य चाणक्य और यूनानी दार्शनिक प्लेटो ने अच्छी तरह समझ लिया था। इसीलिए चाणक्य ने अपने अति शुद्ध और सात्विक आचरण का उदाहरण प्रस्तुत किया और प्लेटो ने अपने ग्रंथ रिपब्लिक में दार्शनिक राजा की कल्पना की, जिसका न तो कोई निजी परिवार होता है और न ही निजी संपत्ति। लेकिन आज की राजनीति में परिवारवाद और निजी संपत्तियों के लालच ने देश की राजनीति को बर्बाद करके रख दिया है।

कैसे रोकें भ्रष्टाचार?

भ्रष्टाचार की मकबूलियत इस हद तक की है कि आज से लगभग आधी सदी हपले भी जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'हमारा भारत हमान' का नारा दिया था तो समाज में प्रचलित चुटकुलों में '99 प्रतिशत बेईमान, फिर भी मेरा देश हमान' शामिल हो गया। हम लोग इन चुटकुलों को पढ़ते थे, हंसते थे और भुला देते थे। हमारा देश गरीब लोगों का अमीर देश है। हयां प्राकृतिक संसाधनों और खनिज पदार्थों की भरमार है, लेकिन लोग गरीब हैं, गरीबों और अमीरों के बीच की खाई उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है। गरीबी से सताया हुआ व्यक्ति इतना विवश हो जाता है कि हव अक्सर अपना अपमान भी चुपचाप हस लेता है। इससे उसका आत्मविश्वास जाता हरता है और समाज में उसका योगदान घटने लगता है। भ्रष्टाचार पर काबू पाने के उपायों के संबंध में लोगों की राय अलग-अलग है। कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि हपले हमें बदलना होगा, तभी कोई सुधार संभव है। दूसरी ओर प्रशासनिक सुधारों से जुड़े हरे अनुभवी लोगों का मानना है कि भ्रष्टाचार पर काबू पाने का एक ही तरीका है कि सिस्टम में सुधार किया जाए। मेरा अनुभव भी इसी की गवाही देता है।

भ्रष्टाचार हमारे जीवन में यूं समा गया है कि उसे अलग से देख पाना संभव ही नहीं लगता। भारतीय शासन व्यवस्था ऐसी बन गई है कि हम भ्रष्टाचार रहित जीवन की कल्पना भी नहीं कर पाते। जीवन के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार है, रोज़मर्रा के हर काम में भ्रष्टाचार है। लाइन तोडने से लेकर जीवन के हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार पसरा हुआ है। कई बार लगता है मानो भ्रष्टाचार कोई मुद्दा ही नहीं रहा। नेता भ्रष्ट हैं, अधिकारी भ्रष्ट हैं, व्यापारी भ्रष्ट हैं, जनता भ्रष्ट है। हमारी रग-रग में भ्रष्टाचार भर गया है। जब सभी भ्रष्ट हैं तो इसे जीवन का हिस्सा मानकर स्वीकार कर लिया गया है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किसी भ्रष्ट सरकारी अधिकारी से लडना 'आ बैल मुझे मार' जैसा है, अतः हम लोग चुपचाप रिश्वत देकर काम करवाना ही ठीक समझते हैं, वरना यह लगभग पक्का है कि उस भ्रष्ट अधिकारी का कुछ बिगड़े या न बिगड़े, पर हमारा काम जरूर अटक जाएगा। भ्रष्टाचार की मकबूलियत इस हद तक की है कि आज से लगभग आधी सदी पहले भी जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'हमारा भारत महान' का नारा दिया था तो समाज में प्रचलित चुटकुलों में '99 प्रतिशत बेईमान, फिर भी मेरा देश महान' शामिल हो गया। हम लोग इन चुटकुलों को पढ़ते थे, हंसते थे और भुला देते थे। हमारा देश गरीब लोगों का अमीर देश है। यहां प्राकृतिक संसाधनों और खनिज पदार्थों की भरमार है, लेकिन लोग गरीब हैं, गरीबों और अमीरों के बीच की खाई उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है। गरीबी से सताया हुआ व्यक्ति इतना विवश हो जाता है कि वह अक्सर अपना अपमान भी चुपचाप सह लेता है। इससे उसका आत्मविश्वास जाता रहता है और समाज में उसका योगदान घटने लगता है। भ्रष्टाचार पर काबू पाने के उपायों के संबंध में लोगों की राय अलग-अलग है। कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि पहले हमें बदलना होगा, तभी कोई सुधार संभव है। दूसरी ओर प्रशासनिक सुधारों से जुड़े रहे अनुभवी लोगों का मानना है कि भ्रष्टाचार पर काबू पाने का एक ही तरीका है कि सिस्टम में सुधार किया जाए। मेरा अनुभव भी इसी की गवाही देता है। लगभग दो दशक पहले जब मैं छुट्टियां मनाने इंग्लैंड गया था तो हमारे परिवार की महिलाएं खरीददारी के लिए एक बड़े मॉल में गईं। चूंकि उनकी सारी खरीददारी महिलाओं के सामान से संबंधित थी, और बाहर मौसम बहुत सुहावना था, इसलिए मैं कुछ देर के लिए मॉल से बाहर निकल कर पार्किंग में आ गया। मैंने देखा कि पार्किंग में एक जगह चमड़े की नई एक बेल्ट गिरी पड़ी थी। निश्चय ही कोई ग्राहक खरीददारी के बाद अपनी गाड़ी में बैठते समय गलती से बेल्ट वहां गिरा गया था। मैं लगभग 10 मिनट तक देखता रहा। इस बीच कई गाडियों वाले आए और गए, लेकिन किसी ने भी वह बेल्ट उठाने की कोशिश नहीं की। तभी मॉल का एक कर्मचारी बाहर पार्किंग में आया तो मैंने उसे बताया कि किसी ग्राहक की बेल्ट गिर गई है और वो उसे संभाल ले ताकि यदि ग्राहक वापिस आए तो उसे बेल्ट मिल जाए। मॉल के उस कर्मचारी ने जवाब दिया कि बेल्ट का छूट जाना उनके संज्ञान में है और जो भी व्यक्ति बेल्ट उठाएगा, वे उसका उस दिन की खरीददारी का बिल चेक करेंगे और जांच लेंगे कि क्या उसने उनके मॉल से सचमुच उस दिन बेल्ट खरीदी थी। मॉल के कर्मचारी की उस सूचना ने मेरे ज्ञान चक्षु खोल दिए। वह बेल्ट वहां दो घंटे से ज्यादा समय से पड़ी थी और पार्किंग में आने वाला हर व्यक्ति उसे देख रहा था तो भी अगर उस बेल्ट को कोई उठा नहीं रहा था तो इसका कारण यह था कि उन्हें पता था कि सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से इस बेल्ट पर नज़र रखी जा रही है और बेल्ट उठाने वाले व्यक्ति के बिल की जांच की जाएगी। अगर ऐसा भारतवर्ष में हुआ होता तो वह बेल्ट शायद वहां 5 मिनट भी न रह पाती। हमारे देश में महापुरुषों की कमी कभी नहीं रही, हम स्वभाव से आदर्शवादी हैं, फिर भी यदि समाज में नैतिक गिरावट बढ़ती जा रही है तो इसका कारण यही है कि भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए कोई मजबूत सिस्टम उपलब्ध नहीं है। इसका प्रमाण यह है कि विदेशों में बसे भारतीय सफल भी हैं और नैतिक तथा सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार भी। यदि सचमुच भारतीय होने के कारण हम बेईमान होते तो फिर विदेशों में बसे भारतीय भी बेईमान ही होते। विभिन्न अध्ययनों से सिद्ध होता है कि देश का सिस्टम कैसा भी हो, लगभग 10 प्रतिशत लोग ईमानदार होते ही हैं, और कुछ भी कर लें तो भी 10 प्रतिशत के लगभग लोग बेईमानी से बाज़ नहीं आते, जबकि 80 प्रतिशत लोग समाज की स्थितियों के अनुसार ढल जाते हैं। यदि सिस्टम मजबूत हो, बेईमानी पर तुरंत सज़ा होती हो, तो ये लोग बेईमानी की कोशिश नहीं करते, लेकिन यदि वे यह देखें कि बेईमानी करने वाला फल-फूल रहा है, उसे कोई सज़ा नहीं मिल रही, बल्कि वह जीवन का ज्यादा आनंद ले रहा है तो ये 80 प्रतिशत लोग भी बेईमानी पर उतर आते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि भ्रष्टाचार पर रोकथाम के लिए सिस्टम को मजबूत बनाना आवश्यक है। हमारे समाज की अवनति का कारण ही यह है कि हमारे देश में सत्तारूढ़ लोगों ने अपने निहित स्वार्थों की खातिर सिस्टम को मजबूत बनाने के बजाय या तो सिस्टम बनाया ही नहीं, या फिर जानबूझकर उनमें खामियां छोड़ दीं। हमारे देश की चुनाव प्रक्रिया ही ऐसी है जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। हमारे देश में अक्सर 60-70 प्रतिशत मतदान होता है, यानी चुनी गई सरकार को 30 प्रतिशत जनता ने वोट नहीं दिया। जिन लोगों ने मतदान किया उनमें से भी बहुत से लोग विपक्षी अथवा स्वतंत्र उम्मीदवारों को वोट देते हैं। विजयी उम्मीदवार सिर्फ इसलिए चुन लिया जाता है क्योंकि उसे सबसे ज्यादा वोट मिले। कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि कोई उम्मीदवार सिर्फ एक वोट के अंतर से जीता। यानी, जिन लोगों ने विजयी उम्मीदवार के खिलाफ वोट दिया, उनके वोट बेकार चले गए क्योंकि उनके मनपसंद का उम्मीदवार विधायक नहीं बन पाया। इस प्रकार सिर्फ एक वोट ज्यादा पाने वाला व्यक्ति सभी शक्तियों का स्वामी बन जाता है और हारा हुआ उम्मीदवार एकदम अप्रासंगिक हो जाता है। परिणाम यह है कि चुनाव जीतना ही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है, इसलिए उम्मीदवार जीत सुनिश्चित करने के लिए हर तरह के जायज़ और नाजायज़ तरीके अपनाते हैं। स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए शुरुआत हमें जड़ से करनी होगी, यानी चुनाव प्रणाली ऐसी बनानी होगी कि भ्रष्ट तरीकों से चुनाव जीतना संभव न हो सके। भारतीय आदतन भ्रष्ट नहीं हैं, हमारा सिस्टम हमें भ्रष्ट बनने के लिए विवश कर रहा है।

देश दुनीया से

कचरे के डिब्बे में चयन आयोग

विवादों की दास्तान में अंततः कर्मचारी चयन आयोग का अस्तित्व खत्म हो गया। पच्चीस साल के अपने इतिहास में पहले अधीनस्थ सेवा बोर्ड और बाद में कर्मचारी चयन आयोग ने अगर कुछ बटोरा, तो यह अविश्वसनीयता, अनियमितता और लचर व्यवस्था ही थी जो आखिर में सूली पर चढ़ गई। तमाम अनियमितताओं और विवादित सफर की कहानी में सुक्खू सरकार द्वारा कर्मचारी चयन आयोग की प्रथा पर लिया गया साहसिक फैसला, वक्त की नजाकत को संबोधित करता है। विडंबना यह कि इसके ऊपर भी सियासत शुरू हो रही है, लेकिन प्रसन्न ऐसी महत्त्वाकांक्षा जरूर होगी जो कर्मचारी चयन की अब तक की प्रक्रियाओं और पद्धतियों में गुणात्मक सुधार लाने की गुंजाइश देखती है। कम से कम डेढ़ दर्जन मामलों में चयन आयोग की अनियमितताओं का वज्रपात जिन बेरोजगार युवाओं ने सहा है, उनसे पूछ कर नेता बयान दें कि उचित व अनुचित के राजनीतिक मुहावरे कब तक वास्तविक समस्या के निवारण से दूर करते रहेंगे। पेपर लीक होने की वजह से अभिशप्त हुआ माहौल पहले से ही चयन आयोग को आशंकित कर चुका है, तो कचरी व्यवस्था को ठिकाने लगाने और नए विकल्प पेश करने की आवश्यकता दिखाई दे रही थी। ऐसे में सुक्खू सरकार ने अपने सख्त फैसले से पूरी व्यवस्था को कड़ा संदेश दिया है। यह प्रश्न एक संस्थान को बचाने की पैरवी से कहीं अहम इसलिए है कि ऐसी परीक्षाओं में पारदर्शिता कैसे लाई जाए। पहले ही पुलिस भर्ती परीक्षा ने हिमाचल के ताने बाने में कई सांप नाथ पाल रखे थे और इस तरह की खामियों में कमोबेश हर सरकार के दौर में कोताही बरती गई। जाहिर है नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तर्ज पर अगर कोई नई पद्धति ईजाद होती है, तो शक के दायरे टूटेंगे और कई युवाओं के प्रयास को ईमानदार व्यवस्था का विश्वास हासिल होगा। संस्थान का परिचय अगर कर्मचारी चयन आयोग बन कर भी अविश्वास के गर्त में जाना रहा, तो ऐसी तमाम शाखाएं कचरे के डिब्बे में डाल देनी चाहिएं। ऐसे फैसलों की तासीर में सुक्खू सरकार ने पुनः अपना कद और कवायद पेश की है। इसे हम व्यवस्था परिवर्तन की दृष्टि से देखें, तो कर्मचारी चयन आयोग के कई पाप सामने हैं। जहां अध्यक्षीय पारियों में लोग बदनाम हुए हों, वहां संस्थान की बदनामी हर युवा की महत्त्वाकांक्षा में चीखती है। विपक्ष को हर फैसले की आलोचना का हक है, लेकिन ऐसे संस्थान का दर्द किसी बेरोजगार के सीने में समझना होगा। ऐसी पद्धतियों की गिरफ्त में कितने बच्चों के करियर तबाह हुए, यह आज तक के भर्ती विवादों की पपड़ी उतार कर देखना होगा। ऐसे में राज्य टेस्टिंग एजेंसी या अथारिटी की दिशा में बढ़ रही सरकार से अपेक्षा रहेगी कि इस बार मरहम ही नहीं, बल्कि ऐसा समाधान सामने आएगा जो वर्षों की कालिख को साफ करके कर्मचारी चयन परीक्षाओं को ईमानदारी के फलक पर नए अवतार में पेश करेगा। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि कांग्रेस की दस गारंटियों में रोजगार की पेशकश का सफर चयन प्रक्रिया की आशंकाओं को मिटाकर शुरू होने की गारंटी दे रहा है। हम यह मूल्यांकन नहीं कर सकते कि सरकार की गारंटियां कब और किस तरह सामने आ रही हैं, लेकिन व्यवस्था परिवर्तन की हर गारंटी से सुक्खू सरकार के रिपोर्ट कार्ड की ईमानदारी का ब्योरा जरूर सामने आएगा। परीक्षा तो हर संस्थान की है और वहां घर कर गई लचर संस्कृति या व्यवस्था की है।

पेपर लीक होने की वहज से अभिशप्त हुआ माहौल हपले से ही चयन आयोग को आशंकित कर चुका है, तो कचरी व्यवस्था को ठिकाने लगाने और नए विकल्प पेश करने की आवश्यकता दिखाई दे हरी थी। ऐसे में सुक्खू सरकार ने अपने सख्त फैसले से पूरी व्यवस्था को कड़ा संदेश दिया है। हय प्रश्न एक संस्थान को बचाने की पैरवी से हकीं अहम इसलिए है कि ऐसी परीक्षाओं में पारदर्शिता कैसे लाई जाए। हपले ही पुलिस भर्ती परीक्षा ने हमिाचल के ताने बाने में कई सांप नाथ पाल रखे थे और इस तहर की खामियों में कमोबेश हर सरकार के दौर में कोताही बरती गई। जाहरि है नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तर्ज पर अगर कोई नई पद्धति ईजाद होती है, तो शक के दायरे टूटेंगे और कई युवाओं के प्रयास को ईमानदार व्यवस्था का विश्वास हासिल होगा।

नागरिक बोध

बाइडन की यूक्रेन-यात्रा

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की यूक्रेन-यात्रा ने सारी दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया है। वैसे पहले भी कई अमेरिकी राष्ट्रपति जैसे जॉर्ज बुश, बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप एराक और अफगानिस्तान में गए हैं लेकिन उस समय तक इन देशों में अमेरिकी फौजों का वर्चस्व कायम हो चुका था लेकिन यूक्रेन में न तो अमेरिकी फौजें हैं और न ही वहां युद्ध बंद हुआ है। वहां अभी रूसी हमला जारी है। दोनों देशों के डेढ़ लाख से ज्यादा सैनिक मर चुके हैं। हजारों मकान ढह चुके हैं और लाखों लोग देश छोड़कर परदेश भागे चले जा रहे हैं। यूक्रेन फिर भी रूस के सामने डटा हुआ है। आत्म-समर्पण नहीं कर रहा है। इसका मूल कारण अमेरिका का यूक्रेन को खुला समर्थन है। अमेरिका के समर्थन का अर्थ यही नहीं है कि अमेरिका सिर्फ डॉलर और हथियार यूक्रेन को दे रहा है, उसकी पहल पर यूरोप के 27 नाटो राष्ट्र भी यूक्रेन की रक्षा के लिए कमर कसे हुए हैं। बाइडेन तो युद्ध शुरु होने के साल भर बाद यूक्रेन पहुंचे हैं लेकिन फ्रांस के राष्ट्रपति इम्नुएल मेक्रों, जर्मन चासंलर ओलफ शुल्ज, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन त्रूदो और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जॉनसन और ऋषि सुनाक भी यूक्रेन की राजधानी कीव जाकर वोलोदोमीर झेलेंस्की की पीठ थपथपाए हैं। राष्ट्रपति बाइडन का कीव पहुंचना इसलिए भी आश्चर्यजनक रहा कि इस समय रूसी हमला बहुत जोरों पर है और बाइडन के जीवन को कोई भी खतरा हो सकता था। इसीलिए यह यात्रा बिल्कुल गोपनीय रही लेकिन अमेरिकी शासन ने यात्रा के कुछ घंटे पहले मास्को को चेताया कि बाइडन कीव जा रहे हैं ताकि इस युद्ध को समाप्त किया जा सके। लेकिन बाइडन ने वहां जाकर क्या किया? झेलेंस्की की पीठ ठोकी और 500 मिलियन डॉलर के हथियार और सौंप दिए। इसके अलावा उन्होंने रूस और चीन को चेतावनियां दे डालीं। अमेरिकी प्रवक्ता ने चीन पर आरोप लगाया कि वह रूस को हथियार सप्लाय कर रहा है। चीन ने इस आरोप को रद्द कर दिया और अमेरिका से कहा कि वह यूक्रेन को भड़काने की बजाए समझाने का काम करे। अमेरिका के भी कुछ रिपब्लिकन नेता बाइडन की नीतियों को गलत बता चुके हैं।

वायरल वीडियो में पाकिस्तानी युवक ने शहबाज सरकार को घेरा, बोला– काश बंटवारा न होता

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तानी यूट्यूबर सना अमजद ने एक और दिलचस्प वीडियो साझा किया है जो कि सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। भारत में भी यह वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे एक पाकिस्तानी युवक देश में आर्थिक संकट के बाद अपने ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ नारेबाजी कर रहा है। इससे भी हैरान करने वाली बात यह है कि शख्स इस वीडियो में पीएम मोदी की जमकर तारीफ कर रहा है। यहां तक की 1947 में हुए बंटवारे को भी कोसता नजर रहा है।

युवक बोला– काश पीएम मोदी पाकिस्तान पर शासन कर रहे होते - यूट्यूबर सना अमजद द्वारा पोस्ट किए गए एक वायरल वीडियो में, एक पाकिस्तानी युवक देश में मौजूदा मामलों को लेकर शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहा है और कह रहा है कि वे भी उचित मूल्य पर सामान खरीदने में सक्षम होते अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान पर शासन कर रहे होते। वायरल वीडियो में, वह एक स्थानीय व्यक्ति से यह पूछती हुई सुनाई दे रही है कि सड़कों पर पाकिस्तान से जिंदा भागो चाहे इंडिया चले जाओ का नारा क्यों लगाया जा रहा है इसपर शख्स जवाब देता है कि वह चाहता है कि वह पाकिस्तान में पैदा न हो। अगर वह भारत में जन्म लेता तो इस तरह की मुसीबत का सामना नहीं करना पड़ता।

काश बंटवारा न हुआ होता - स्थानीय शख्स ने कहा कि वह चाहता है कि विभाजन नहीं हुआ होता क्योंकि वह और उसके साथी देशवासी उचित मूल्य पर आवश्यक वस्तुओं को खरीद सकते थे और हर रात अपने बच्चों को खिला सकते थे। शख्स ने कहा कि काश पाकिस्तान भारत से अलग नहीं हुआ होता। तब हम टमाटर 20 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो, चिकन 150 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो और पेट्रोल 50 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर पर खरीद रहे होते। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमें एक इस्लामी राष्ट्र मिला लेकिन हम यहां इस्लाम स्थापित नहीं कर सके।

न्यूज ब्रीफ

तीन घंटे के लिए रुक गई थी डेढ़ साल के बच्चे की धड़कन, मेडिकल टीम ने नहीं मानी हार और बचा ली जान

ओंटारियो । कनाडा के ओंटारियो में बच्चे की जान बचाने के लिए डॉक्टरों की तरफ से की गई कोशिशों की जबरदस्त तारीफ हो रही है। यह मामला भी अपने आप में असाधारण सा है। दरअसल, यह घटना 24 जनवरी की है, जब पेट्रोलिया के एक डे-केयर में 20 महीने का एक बच्चा बाहर पानी से भरे पूल में गिर गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेलॉन नाम का यह बच्चा पानी में गिर कर बेहोश हो गया और पांच मिनट तक भीषण ठंड में अचेत पड़ा रहा। मेडिकल टीम जब तक बच्चे को बचाने पहुंचती, उसकी धड़कनें बंद हो चुकी थीं। इसके बावजूद डॉक्टरों ने हार नहीं मानी और लगातार कोशिशों से बच्चे की जान बचा ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस पेट्रोलिया शहर में यह घटना हुई, वह मेडिकल सुविधाओं और संसाधनों के मामले में काफी पिछड़ा है। खासकर बच्चों को चिकित्सीय सुविधा मुहैया कराने के मामले में। बताया जाता है कि जब यहां शार्लोट एलेनॉर एंगलहार्ट अस्पताल प्रशासन को बच्चे के साथ हुए हादसे और उसकी धड़कनें बंद होने के बारे में पता चला, तो सभी ने अपना काम छोड़ दिया और बच्चे को बचाने के लिए मेडिकल टीम की मदद में जुट गए। मेडिकल टीम ने बच्चे को बचाने के लिए लगातार तीन घंटे तक उसे सीपीआर दिया। इस दौरान डॉक्टर-नर्सों ने बारी-बारी से बच्चे की धड़कनों को वापस लाने और उसे सांसद दी। आखिरकार बच्चे को बचा लिया गया। अस्पताल के एक डॉक्टर के मुताबिक, बच्चे को बचाने का श्रेय अस्पताल की पूरी टीम को जाता है। यहां के लैब टेक्नीशियन पोर्टेबल हीटर पकड़कर कमरे में ही खड़े रहे। नर्सें माइक्रोवेव से पानी गर्म कर लाती रहीं, ताकि बच्चे को गर्म रखा जा सके। इसके अलावा आपात चिकित्सा सेवा से जुड़े कर्मी कम्प्रेसर को लगातार रोटेट करते रहे, जिससे कमरे में हवा का संचार भी बना रहा। लंदन में भी एक मेडिकल टीम अस्पताल के डॉक्टरों से जुड़कर उन्हें दिशा-निर्देश देती रही। बच्चे को आखिरकार छह फरवरी को पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वह पिछले दो हफ्तों से बिल्कुल ठीक है। डॉक्टरों के साथ परिवारवालों तक का मानना है कि यह पूरा घटनाक्रम किसी चमत्कार से कम नहीं रहा।

फ्लोरिडा में टीवी पत्रकार पर ताबड़तोड़ फायरिंग, मौके पर मौत, नौ साल की बच्ची समेत तीन घायल

फ्लोरिडा । अमेरिका के फ्लोरिडा से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है जहां एक टेलीविजन पत्रकार की रिपोर्टिंग के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं इस गोलीबारी में नौ साल की बच्ची, उसकी मां और एक टीवी क्रू मेंबर घायल हो गए। हालांकि, पुलिस ने इस घटना के कुछ देर बाद ही 19 वर्षीय आरोपी कीथ मेल्विन मूसा को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों के मुताबिक गोलीबारी के मकसद का पता नहीं चला है । हिरासत में लिए जाने के समय आरोपी के पास संदिग्ध सशस्त्र था और वर्तमान में वह पुलिस के साथ सहयोग नहीं कर रहा है। वहीं व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने ट्विटर पर कहा कि हमारी संवेदनाएं आज मारे गए पत्रकार के परिवार और फ्लोरिडा के ऑरेंज काउंटी में घायल चालक दल के सदस्यों के साथ-साथ पूरी टीम के साथ हैं। जबकि शूटिंग में शामिल चालक दल के सदस्यों की पहचान नहीं की। बता दें कि इससे पहले भी अमेरिका में गोलीबारी की कई घटनाएं हुई हैं। 18 फरवरी को टेक्सास में गोलीबारी की घटना में तीन किशोरियों और बंदूकधारी की मौत हो गई थी। अधिकारियों का कहना है कि तीन किशोर लड़कियों, जिनमें एक गर्भवती थी, को एक व्यक्ति ने बुरी तरह से गोली मार दी। आरोपी ने 12 साल की एक लड़की का यौन उत्पीड़न भी किया था, जो बाद में भाग निकली। इसके बाद आरोपी बंदूकधारी ने खुद को गोली मार ली। घटना से संबंधित किसी का भी नाम जारी नहीं किया गया है।

विमान में सवार होने के दौरान लड़खड़ाकर गिरे राष्ट्रपति जो बाइडन, पोलैंड से लौटते समय की घटना

वारसॉ । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन एक बार फिर सीढ़ियां चढ़ते समय लड़खड़ाकर गिर गए। बताया जा रहा है कि बाइडन पोलैंड की राजधानी वारसॉ में एयर फोर्स वन पर सवार होने के लिए सीढ़ियां चढ़ते समय लड़खड़ाकर गिर गए। हालांकि, चंद सेकेंड में उन्होंने खुद को संभाल भी लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि राष्ट्रपति बाइडन लड़खड़ाकर गिरे हों, इससे पहले भी वह कई बार सीढ़ी चढ़ते और उतरते समय लड़खड़ा चुके हैं। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा यूक्रेन और पोलैंड की अपनी यात्रा पूरी करने के तुरंत बाद हुई और उनके वाशिंगटन, डीसी लौटने की योजना थी।

टीटीपी चरमपंथियों से निपटने में पाकिस्तान की मदद करेगा अफगान तालिबान, मुल्ला बरादर ने दिया भरोसा

इस्लामाबाद ।

प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी के हालिया ताबड़तोड़ हमलों और अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच मुख्य सीमा पर लगातार फायरिंग से पाकिस्तान डरा हुआ है। इस बीच, अफगान तालिबान नेताओं ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों से निपटने के लिए पाकिस्तान की मदद करने का वादा किया है। दोनों देशों के बीच यह सहमति रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की एक दिवसीय यात्रा के दौरान बनी है। दरअसल, नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को गंभीर सुरक्षा चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इनमें, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच हमले प्रमुख हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच इस मुद्दे को लेकर संबंध भी बिगड़ रहे थे। सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ के नेतृत्व में बुधवार को एक उच्च स्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल काबुल पहुंचा था।

बैठक में ये तालिबानी नेता रहे मौजूद - इस प्रतिनिधिमंडल ने तालिबानी शासन के कार्यवाहक उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर, रक्षा मंत्री मौलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद, आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी और विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से मुलाकात की और आतंकरोधी उपायों समेत सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

आतंक से निपटने के लिए आपसी सहयोग पर बनी सहमति - मुलाकात के दौरान टीटीपी और आईएस के बढ़ते खतरे पर चर्चा की गई। साथ ही दोनों पक्ष आतंकवाद के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सहयोग करने पर भी सहमत हुए हैं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भी इसके बारे में जानकारी दी है। पाकिस्तान के एक अखबार ने एक वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने तालिबान के अधिकारियों से साफ कहा है कि अफगानिस्तान स्थित टीटीपी आतंकियों पर लगाम लगाई जानी चाहिए। पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा कि तालिबानी नेता इस मुद्दे पर सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं। शायद उन्हें स्थिति की गंभीरता का एहसास हो गया है। पाकिस्तान के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा ऐसे समय में हो हुआ है, जब उनके पड़ोसी देश के साथ संबंध लगातार बिगड़ रहे हैं।

पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं ये नेता और अधिकारी - प्रतिनिधिमंडल में आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम, विदेश सचिव असद माजिद, अफगानिस्तान पर विशेष दूत मुहम्मद सादिक और अफगानिस्तान में पाकिस्तान के प्रभारी ओबैद निजामनी शामिल थे।

अफगान मंत्रिपरिषद ने बयान में क्या कहा - अफगान मंत्रिपरिषद (प्रधानमंत्री) की ओर से एक बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने आर्थिक सहयोग, क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। इसमें कहा गया है कि अफगान उप प्रधानमंत्री ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल से पाकिस्तान की जेलों में बंद तालिबान के कैदियों को रिहा करने को कहा। उन्होंने तोरखम और चमन के दो प्रमुख बॉर्डर क्रॉसिंग पॉइंट पर ज्यादा सुविधाओं को लेकर भी बात की।

राजनीतिक और सुरक्षा मामलों से न प्रभावित हो व्यापारः अब्दुल गनी बरादर - बयान में बरादर के हवाले से कहा गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान पड़ोसी हैं और उनके बीच सौहार्दपूर्ण संबंध होने चाहिए। अफगानिस्तान का इस्लामिक अमीरात, पाकिस्तान के साथ वाणिज्यिक और आर्थिक संबंधों का विस्तार चाहता है, क्योंकि इस तरह के संबंध दोनों देशों के हित में हैं। बयान में कहा गया कि राजनीतिक और सुरक्षा मुद्दों को दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक मामलों को प्रभावित नहीं करना चाहिए। उसे राजनीति व सुरक्षा से जुड़ी परेशानियों से अलग रखा जाना चाहिए।

कराची मुख्यालय पर हमले के बाद हुई यात्रा - यह यात्रा टीटीपी के बंदूकधारियों द्वारा कराची में पुलिस मुख्यालय पर हमला करने के कुछ दिनों बाद हुई है। उस हमले में तीन सुरक्षाकर्मियों सहित चार लोगों की जान चली गई थी। इससे पहले 30 जनवरी को पेशावर की मस्जिद में एक आत्मघाती बम विस्फोट में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। मस्जिद हमले के लिए भी टीटीपी को जिम्मेदार ठहराया गया था। बीते साल, टीटीपी ने औपचारिक रूप से 28 नवंबर को युद्धविराम समाप्त कर दिया था। तब से टीटीपी द्वारा 58 हमलों का दावा किया गया है, जिसमें 170 लोग मारे गए। इतना ही नहीं, इनमें से कई हमलों की योजना और निर्देशन अफगानिस्तान में स्थित टीटीपी नेतृत्व द्वारा किया गया था। हालांकि, अफगान नेताओं ने हमेशा इन आरोपों को खारिज किया है कि टीटीपी ने पाकिस्तान में हमलों के लिए अपने देश की धरती का इस्तेमाल किया।

बर्फीले तूफान की चपेट में अमेरिका

1300 से ज्यादा फ्लाइट रद्द, लोगों का आना-जाना हुआ मुश्किल

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर बढ़ता जा रहा है। तूफान ने पश्चिमी और मध्य राज्यों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इस कारण एयरलाइंस ने 1,300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं, जबकि 2,000 से अधिक उड़ानों में देरी हुई है। बर्फीले तूफान के कारण लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने मंगलवार को ट्वीट किया था कि खराब मौसम के कारण इस सप्ताह ग्रेट लेक्स और दक्षिणी मैदानों के मिनेसोटा और अन्य राज्यों में उड़ान में देरी या रद्द हो सकती है।

अमेरिका की राष्ट्रीय मौसम सेवा ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि प्रति घंटे दो इंच की दर से गिरने वाली बर्फ और तेज हवाएं उत्तरी मैदानों और अपर मिडवेस्ट के कुछ हिस्सों में स्थिति और खराब हो सकती है। जिससे यात्रा करना काफी मुश्किल हो जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के खराब मौसम के कारण घरेलू एयरलाइन स्काईवेस्ट इंक की 312 उड़ानें रद्द हुई हैं, जबकि साउथवेस्ट एयरलाइंस की 248 और डेल्टा एयरलाइंस की 246 उड़ान रद्द की गई। साउथवेस्ट और डेल्टा एयरलाइंस ने एक बयान में कहा है कि वे तूफान की निगरानी कर रहे हैं।

80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के झोंके चलने की आशंका

राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा है कि कई हिस्सों में 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के झोंके चलेंगे और भारी बर्फबारी होगी। इससे खुले क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर होगी। खतरों को देखते हुए लोगों से केवल आपात स्थिति में यात्रा करने की हिदायत दी गई है। साथ ही वाहन में अतिरिक्त टॉर्च, भोजन और पानी रखने को कहा गया है।

तापमान में रिकॉर्ड गिरावट

बर्फीले तूफाने के कारण कुछ हिस्सों में तापमान के गिरने की आशंका जताई गई है। उत्तरी राज्यों में, कुछ हिस्सों में दो फीट तक बर्फ जमने का पूर्वानुमान है। इन क्षेत्रों में 30 वर्षों में सबसे अधिक बर्फबारी हो सकती है।

यूक्रेनी सांसद ने पीएम मोदी के बयान का समर्थन किया: कहा- ये जंग का युग नहीं है, उम्मीद है कि भारत की बात मानेगा रूस

कीव।

यूक्रेन के सांसद वादिम हलाईचुक ने जंग को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के बयान को सराहा है। समरकंद में एससीओ समिट के दौरान पीएम मोदी ने कहा था कि 'ये जंग का युग नहीं है'। हमें खाना, फ्यूल और फर्टिलाइजर से जुड़ी समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है। वादिम ने कहा कि हम पीएम मोदी के आभारी हैं। उन्होंने सही कहा कि ये जंग का युग नहीं है। भारत की आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य तौर पर क्षमता को देखते हुए हमें उम्मीद है कि रूस उनके मैसेज को समझेगा। हालांकि, अब तक उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है। इसलिए हमें उम्मीद है कि ये मैसेज बार-बार दोहराया जाएगा, जिससे रूस को ये समझ में आ जाए कि जंग में कोई भी उनका साथ नहीं देगा।

रूस-यूक्रेन जंग को 24 फरवरी को 1 साल हो जाएगा। वादिम ने उस दिन रूस के हमले को याद करते हुए कहा कि जब यूक्रेनी सुबह सो कर उठे थे तो पूरे देश में बमबारी हो रही थी। रिहायशी इलाकों पर रूस हमले कर रहा था। उसका लक्ष्य यूक्रेनी लोगों को डराना और हराना था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम पहले से ज्यादा स्ट्रॉन्ग हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मदद से हम उनसे लड़ रहे हैं।

'रूस जंग नहीं रोकना चाहता'

वादिम ने कहा- रूस ने जंग को रोकने को लेकर अब तक कोई खास पहल नहीं की है। सीजफायर या नेगोसिएशन को लेकर भी कोई कदम नहीं उठाया गया है। रूसी संसद में पुतिन के भाषण पर वादिम ने कहा कि रूस ने अमेरिका के साथ न्यू स्टार्ट ट्रीटी भी रद्द कर दी। वो पूरी दुनिया को धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ, सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के ऑफिस के हेड एंड्री यरमाक और भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल के बीच फोन पर बातचीत हुई। दोनों ने 10 पॉइंट वाले यूक्रेन पीस प्लान पर चर्चा की।

फिलिस्तीनी चरमपंथियों पर कहर बनकर टूटे इस्राइली सैनिक, 11 को उतारा मौत के घाट, 100 से अधिक घायल

यरूशलेम ।

इस्राइली सैनिकों ने बुधवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक फ्लैशपॉइंट शहर पर छापे के दौरान कम से कम चार बंदूकधारियों और चार नागरिकों सहित 11 फिलिस्तीनियों को मार डाला और 100 से अधिक अन्य को घायल कर दिया। इस्राइली सेना ने नब्लस में अभियान की पुष्टि करते हुए कहा कि हमले की योजना बनाने के संदेह में फिलिस्तिनी चरमपंथियों को हिरासत में लेने की कोशिश के दौरान सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई की। सेना के एक बयान में कहा गया है कि कोई इस्राइली हताहत नहीं हुआ।

फिलिस्तीनी चरमपंथियों ने खुद की पुष्टि - फिलिस्तीनी चरमपंथी गुट ने कहा कि उसके दो नब्लस कमांडरों को इस्राइली सैनिकों द्वारा एक घर में घेर लिया गया था, जिससे अन्य चरमपंथियों में संघर्ष शुरू हो गया। धमाकों की आवाज आई और स्थानीय युवकों ने चट्टानों के साथ बख्तरबंद टुकड़ी के परिवहन पर पथराव किया।

मृतकों में चरमपंथियों के साथ आम नागरिक भी शामिल - फिलिस्तीनी सूत्रों ने कहा कि दो इस्लामिक जिहाद कमांडर एक अन्य बंदूकधारी के साथ मारे गए। मरने वालों में चार नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें एक 72 वर्षीय व्यक्ति और एक 14 वर्षीय लड़का शामिल है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि छापे के दौरान गैस की वजह से पीड़ित 66 वर्षीय एक व्यक्ति की बुधवार को बाद में अस्पताल में मौत हो गई। चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि 100 से अधिक फिलिस्तीनी घायल हुए हैं।

2023 में बंदूकधारियों और नागरिकों सहित 62 फिलिस्तीनी मारे गए - फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 2023 में बंदूकधारियों और नागरिकों सहित 62 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इजरायल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इसी अवधि में फिलिस्तीनी हमलों में 10 इस्राइली और एक यूक्रेनी पर्यटक की मौत हो गई। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के प्रवक्ता नबील अबू रुदिनेह ने कहा हम नब्लस में कब्जे के छापे की निंदा करते हैं और हम अपने लोगों के खिलाफ जारी हमलों को समाप्त करने का आह्वान करते हैं। हमास, एक अन्य फिलिस्तीनी चरमपंथी समूह जो कभी-कभी इस्लामिक जिहाद के साथ लड़ता है, ने कहा कि चार बंदूकधारी मारे गए, जिनमें से एक उसके अपने रैंकों से था।

पाकिस्तान के पीएम –मंत्री नहीं लेंगे सैलरी

शाहबाज शरीफ बोले- बिजली, पानी और गैस का बिल खुद भरें; ताकतवर फौज पर खामोशी

इस्लामाबाद।

महज 3 अरब डॉलर के फॉरेन रिजर्व (डिपॉजिट) के साथ दिवालिया होने की कगार पर खड़े पाकिस्तान को बचाने की आखिरी कोशिश शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बुधवार रात सरकारी खर्च में जबरदस्त कटौती से जुड़े अहम ऐलान किए। कहा- मैं और कैबिनेट के बाकी मिनिस्टर्स सैलरी नहीं लेंगे। तमाम केंद्रीय मंत्री बिजली, पानी, गैस और टेलिफोन के बिल जेब से भरेंगे। शरीफ के मुताबिक- मंत्रियों के पास मौजूद लग्जरी गाड़ियां नीलाम की जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और ब्यूरोक्रेसी से भी खर्च में कटौती की अपील की गई है। बहरहाल, हैरानी वाली बात ये है कि मुल्क बनने के बाद से अब तक (76 साल) के दौर में करीब आधा वक्त देश चला चुकी ताकतवर फौज के बजट पर शरीफ एक लफ्ज भी नहीं बोले। वो भी तब जबकि उसके पास अरबों रुपए का बजट है।

पहले जानिए शरीफ ने क्या कहा - वजीर-ए-आजम (प्रधानमंत्री) शरीफ ने कई कैबिनेट मिनिस्टर्स के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की शर्तों को पूरा करने के लिए सरकारी खर्च में बड़ी कटौती की जा रही है। यह आम-अवाम के लिए भी मैसेज है। यह खर्च में कमी के उपाय हैं। शरीफ ने कहा- सरकार के खर्च कम करके हम टैक्सपेयर्स के लाखों रुपए बचाएंगे। इसके लिए तमाम कदम उठाए जा रहे हैं और ये फैसला हमने बिना किसी दबाव के अपनी मर्जी से किया है।

दो बातें जानना जरूरी

पहली: पाकिस्तान में दो इदारों (विभाग) को सरकार से ज्यादा ताकत और तवज्जो हासिल है। ये हैं- आर्मी और ज्यूडिशियरी। शरीफ की प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्यूडिशियरी से तो खर्च कम करने और सादगी बरतने की अपील की गई, लेकिन फौज के बारे में एक लफ्ज भी शाहबाज के मुंह से नहीं निकला।

दूसरी: सीनियर जर्नलिस्ट हामिद मीर ने फौज का नाम लिए बिना तंज किया। कहा- किसी को तो छोड़ना ही था, इसलिए छोड़ दिया गया। जिन लोगों से डर या खतरा है, उनका नाम लेने से भी वजीर-ए-आजम ने गुरेज किया। बहरहाल, देखना सिर्फ इतना है कि शाहबाज ने जो मुहिम छेड़ी है, उसका कितना असर होता है। 13 पार्टियों की हुकूमत में कौन उनका कितना साथ देगा। ये एक हफ्ते में ही साफ हो जाएगा।

फॉरेन मिनिस्ट्री को 15प्रतिशत खर्च घटाने का टारगेट - विदेश मंत्रालय से खर्च में 15प्रतिशत की कटौती करने को कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ देशों में मौजूद एम्बेसीज को बंद किया जा सकता है। इसके अलावा स्टाफ कम करने और फिजूलखर्ची को सख्ती से रोकने के भी आदेश हैं। फॉरेन मिनिस्ट्री से कहा गया है कि कुछ फॉरेन मिशन्स (एम्बेसीज या कॉन्स्युलेट्स) बंद किए जाएं। इसके अलावा इन मिशन्स में तैनात स्टाफ कम किया जाए और दूसरे गैर जरूरी खर्च कम किए जाएं। रिपोर्ट्स के मुताबिक- फॉरेन मिनिस्ट्री से कहा गया है कि खर्च में 15प्रतिशत कमी की जाए। इस बारे में प्राइम मिनिस्टर ऑफिस यानी पीएमओ की तरफ से आदेश भी जारी कर दिया है। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री सरकारी खर्च में कमी के लिए कमेटी बनाई है, क्योंकि इस वक्त इकोनॉमी की हालत अच्छी नहीं है। इसी कमेटी ने फॉरेन मिनिस्ट्री के एक्सपेन्स 15प्रतिशत घटाने की सिफारिश की थी। इसके बाद आदेश जारी किए गए। रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान पहले ही दिवालिया चुका है। हम सब एक डिफॉल्ट हो चुके देश में रह रहे हैं। पाकिस्तान की आर्थिक तंगी को लेकर रक्षा मंत्री ने यहां तक कह दिया कि अब आईएमएफ भी हमारी मदद नहीं कर सकता है। हमें खुद ही इसका समाधान ढूंढना होगा। रक्षा मंत्री ने देश के आर्थिक हालातों को लेकर नेताओं और नौकरशाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संविधान का पालन नहीं किया गया। आसिफ ने इमरान की सरकार पर देश में आतंकियों को पनाह देने के आरोप लगाए।

ईआरसीपी के विरुद्ध मध्य प्रदेश सरकार की याचिका पूर्वी राजस्थान के हक का पानी रुकवाने का प्रयासः गहलोत

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के चल रहे काम पर रोक लगवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका राजस्थान को अपने हिस्से के पानी से वंचित करने का प्रयास है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का काम रुकवाकर पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों झालावाड़ ,बारां, कोटा, बूंदी, टोंक, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा, अलवर, जयपुर और अजमेर के हक का पानी रुकवाने की कोशिश की जा रही है। गहलोत ने कहा कि पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की डीपीआर केन्द्रीय जल आयोग की गाइडलाइंस-2010 के अनुरूप है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना राजस्थान-मध्य प्रदेश अंतरराज्यीय स्टेट कंट्रोल बोर्ड की बैठक के निर्णय के अनुसार बनाई गई है। इसी निर्णय को आधार बनाकर मध्य प्रदेश ने अपने यहां कुण्डलिया और मोहनपुरा बांध निर्मित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि धौलपुर में केन्द्रीय जल आयोग के रिवर गेज स्टेशन के आंकड़ों के अनुसार हर वर्ष चंबल में औसतन 19,000 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी व्यर्थ बहकर समुद्र में जाता है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के लिए केवल 3500 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी की आवश्यकता है। राज्य सरकार ईआरसीपी के माध्यम से इस व्यर्थ बहकर जा रहे पानी को प्रदेश की जनता की पेयजल और सिंचाई जल की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है। गहलोत ने कहा कि केन्द्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार पूर्वी राजस्थान के हक के पानी को रोकने का अनुचित प्रयास कर रही है। पानी राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। ईआरसीपी को लागू करने में कानूनी बाधाएं उत्पन्न करना राज्य के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार राज्य के लोगों के बेहतर भविष्य हेतु पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर प्लेटफॉर्म पर ईआरसीपी के पक्ष में अपनी बात दृढ़ता से रखेगी एवं अपने हक की लड़ाई जीतकर पूर्वी राजस्थान में जल संकट को दूर करने का कार्य करेगी।

जेजेएम में प्रतिदिन जल कनेक्शनों की संख्या बढ़कर 10 हजार 175 हुई

जयपुर, (हि.स.)। जल जीवन मिशन में प्रतिदिन होने वाले जल कनेक्शनों (एफएचटीसी) की संख्या 20 फरवरी को बढ़कर 10 हजार 175 पर पहुंच गई। इससे पहले 19 फरवरी को एक दिन में 9501 जल कनेक्शन हुए थे। पिछले एक सप्ताह में औसत कनेक्शनों की संख्या 8 हजार से अधिक रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल द्वारा ली गई विभाग की समीक्षा बैठक में ये आंकड़े सामने आए। डॉ. अग्रवाल ने फील्ड अभियंताओं को जेजेएम में और गति बढ़ाते हुए तय लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जेजेएम में फरवरी माह में अभी तक कुल 1 लाख 45 हजार 593 कनेक्शन हुए हैं। इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 6 हजार 618 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। फरवरी में लक्ष्य के मुकाबले उपलब्धि देखें तो झालावाड़ जिले ने सर्वाधिक 68 प्रतिशत जल कनेक्शन किए हैं, भीलवाड़ा 64 प्रतिशत के साथ दूसरे, चित्तौड़गढ़ 62 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। समीक्षा बैठक में वृहद एवं लघु पेयजल परियोजनाओं की लक्ष्य के मुकाबले प्रगति की जानकारी वृहद परियोजना एवं ओटीएमपी से जुड़े अभियंताओं से ली गई। वृहद परियोजना विंग की ओर से 10 श्रेष्ठ प्रगति वाली परियोजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया गया। इनमें 142.21 करोड़ रुपये की बीसलपुर-दूदू पेयजल परियोजना, बूंदी जिले की 694.4 करोड़ रुपये की हिण्डोली-नैनवा जलापूर्ति परियोजना चम्बल भीलवाड़ा (फेज-1), पाली जिले के सोजत में 10 ग्राम पंचायतों के 34 गांवों को जलापूर्ति की 106.92 करोड़ की पेयजल परियोजना, राजसमंद जिले की 120.02 करोड़ रुपये की बाघेरी का नाका एवं चिकलवास पुनर्गठन पेयजल परियोजना, डूंगरपुर ब्लॉक में आसपुर-दोवड़ा के 151 गांवों की 97.35 करोड़ रुपये की पेयजल परियोजना, 108.58 करोड़ रुपये की भीलवाड़ा की क्लस्टर जलापूर्ति योजना रेट्रोफिटिंग पैकेज-5 (चम्बल-भीलवाड़ा, फेज-2), 53.82 करोड़ रुपये के बूंदी क्लस्टर रेट्रोफिटिंग कार्य (चम्बल-भीलवाड़ा), झालावाड़ जिले की 14.51 करोड़ रुपये की भीमनी जलापूर्ति (रेट्रोफिटिंग) परियोजना, 24.45 करोड़ रुपये की झालावाड़ जिले की रायपुर-पिरावा-चांवली परियोजना एवं 11.27 करोड़ रुपये की झालावाड़ जिले की माधवी जलापूर्ति परियोजना शामिल है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कॉन्ट्रेक्टर फर्मों को 31 मार्च तक लक्षित प्रगति हासिल करने के निर्देश देते हुए कम प्रगति वाली फर्मों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने प्रोजेक्ट्स में तय लक्ष्य समय पर हासिल करने वाली फर्मों की हौसला अफजाई करते हुए सही कार्य करने वाली कॉन्ट्रेक्टर फर्मों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश फील्ड अभियंताओं को दिए। डॉ. अग्रवाल ने वर्ष 2023-24 के बजट में मुख्यमंत्री द्वारा की गई पेयजल परियोजनाओं से संबंधित घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए कार्य योजना तैयार करने और इन घोषणाओं के संबंध में प्रस्ताव शीघ्र भिजवाने के निर्देश दिए।

पायलट पर हमलावर हुए ओवैसी, कहा-सीएम की कुर्सी के लिए हरियाणा जाकर छिपे

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान में अपने लिए चुनावी जमीन तलाश रहे ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पार्टी के चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी भरतपुर के दो युवकों को हरियाणा में जिंदा जलाए जाने के मामले में लगातार गहलोत सरकार और हरियाणा सरकार पर सवाल खड़े कर रहे हैं, तो वहीं अब उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजाए पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को निशाने पर लिया है। उन्नीस फरवरी को पायलट के निर्वाचन क्षेत्र टोंक में चुनावी जनसभा करके सचिन पायलट को निशाने पर लेने वाले ओवैसी अब लगातार ट्वीट करके भी सचिन पायलट पर हमला बोल रहे हैं। सचिन पायलट की ओर से असदुद्दीन ओवैसी पर धर्म की राजनीति करने के आरोप लगाए जाने के बाद ओवैसी ने सचिन पायलट पर जवाबी हमला किया है। ओवैसी ने एक के बाद एक कई ट्वीट करके सचिन पायलट पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए सचिन पायलट मोदी की आशीर्वाद से हरियाणा में जाकर छिप गए थे। ओवैसी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि पायलट 'साहब हम असूली और बुनियादी तौर पर हमेशा से ही भाजपा का विरोध कर रहे हैं। हम कांग्रेस की तरह नहीं जो संसद में मोदी सरकार के कानूनों का समर्थन करें, ना ही हम महज मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए मोदी के आशीर्वाद से हरियाणा जा कर छिपे थे। उन्होंने लिखा कि मेरी यू टर्न की आदत बिल्कुल भी नहीं है। बेफिक्र रहिए मैं राजस्थान आता रहूंगा। टोंक के लोगों को आजकल उनका विधायक क्यों नजर नहीं आ रहा है। जुनैद-नासिर का कत्ल चुनावी मुद्दा नहीं बल्कि इंसाफ का सवाल है। हमने जुनैद नासिर के हत्यारों के समर्थन में महापंचायत देखी है लेकिन हत्या की निंदा या विरोध करते हुए एक छोटी सी सभा भी नहीं देखी है जिस समाज के नाम पर गौ आतंक किया जा रहा है, क्या उस समाज को आतंक की साफ तौर पर निंदा नहीं करनी चाहिए। इससे पहले 19 फरवरी को टोंक में चुनावी जनसभा के दौरान भी असदुद्दीन ओवैसी ने सचिन पायलट को लेकर जमकर निशाना साधा था और कहा था कि सचिन पायलट को अब टोंक छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए क्योंकि टोंक में एमआईएम पार्टी चुनाव लड़ेगी और अल्पसंख्यक नेता यहां से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचेगा। इसके बाद सचिन पायलट ने भी श्रीगंगानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी और पीएम मोदी को निशाने पर लिया था। सचिन पायलट ने कहा था कि यह चुनावी साल है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दौसा जा रहे हैं और असदुद्दीन ओवैसी टोंक जा रहे हैं। पायलट ने पीएम मोदी और ओवैसी पर तंज कसते हुए कहा था कि ये दोनों नेता 4 साल तक गायब थे और अब जब चुनाव आ गया तो बड़े-बड़े भाषण दे रहे हैं, मजहब और धर्म की बातें कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि जिस तरह से यह चुनाव से पहले दोनों नेता दिखाई नहीं दे रहे थे। राजस्थान में जब चुनाव समाप्त हो जाएगा उसके बाद भी दोनों नेता यहां से गायब हो जाएंगे।

राज्यपाल ने शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर के छह भवनों का वर्चुअल शिलान्यास किया

जयपुर, (हि.स.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरुवार को राजभवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर के अतिथि गृह, शोध व स्नातकोत्तर विद्यार्थी छात्रावास (पुरुष), शोध व स्नातकोत्तर विद्यार्थी छात्रावास (महिला), छात्र सुविधा केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र एवं छात्रसंघ कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास किया। राज्यपाल मिश्र ने नए भवनों के निर्माण के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि शेखावाटी विश्वविद्यालय में आवासीय एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार से इस क्षेत्र के शैक्षिक विकास को गति मिलेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भागीरथ सिंह बिजारणिया ने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय से 580 कॉलेज सम्बद्ध हैं और इनमें करीब साढ़े तीन लाख विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा शेखावाटी विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला ऐसा बहु-संकाय विश्वविद्यालय है जहां रेडियो स्टेशन की शुरूआत की गई है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्दराम जायसवाल, शेखावाटी विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजवीर सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार के आरोप में आप विधायक अमित रतन गिरफ्तार, विजिलेंस ने की कार्रवाई

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने देर रात कार्रवाई करते हुए बठिंडा देहाती से आम आदमी पार्टी के विधायक को गिरफ्तार कर लिया। विधायक पर पिछले कई दिनों से गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। पंजाब में आप सरकार बनने के बाद यह तीसरा मौका है जब भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत सत्तारूढ़ दल के विधायक पर कार्रवाई हुई है। विजिलेंस ब्यूरो ने हाल ही में बठिंडा देहाती के विधायक अमित रतन कोटफत्ता के निजी सचिव को चार लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। गांव घुद्दा की सरपंच ने आरोप लगाया था कि विधायक के पीए ने विधायक का नाम लेकर गांव के विकास हेतु ग्रांट जारी करने की एवज में यह राशि मांगी थी। विजिलेंस ने जब विधायक के पीए को गिरफ्तार किया तो उस समय बठिंडा से विधायक से भी पूछताछ की गई थी। विजिलेंस ने जब यह मामला दर्ज किया तो सरपंच की शिकायत पर विधायक के नाम का जिक्र भी एफआईआर में किया गया था। इस मुद्दे पर विपक्षी दल लगातार सरकार को घेर रहे थे। विधायक पिछले कई दिनों से भूमिगत थे। इसी दौरान विजिलेंस ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए बुधवार की मध्य रात्रि विधायक अमित रतन को पटियाला जिला के अंतर्गत आते राजपुरा से गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस विधायक को गिरफ्तार करके बठिंडा में लेकर आई है। जहां पूछताछ की जा रही है। इससे पहले विजिलेंस ब्यूरो ने पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को भ्रष्टाचार के आरोपों के तहत गिरफ्तार किया था। पंजाब सरकार भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद मंत्री फौजा सिंह सरारी को भी पद से हटा चुकी है।

खाटूश्याम मेले के लिए श्रद्धालुओं की सुविधार्थ रोडवेज चलाएगा 120 बसें

जयपुर, (हि.स.)। खाटूश्यामजी लक्खी मेले में भक्तों की भीड़ को देखते हुए राजस्थान रोडवेज खाटू के लिए 120 अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। इसके लिए प्रदेश के 19 जिलों को इन बसों का आवंटन कर दिया गया है। मेला स्पेशल बसों का संचालन 25 फरवरी से तीन मार्च तक यात्रियों की भीड़ को देखते हुए किया जाएगा। 25 से 27 फरवरी के बीच सभी बसों का संचालन होगा। राजस्थान रोडवेज के कार्यकारी निदेशक यातायात संजीव कुमार पांडेय ने मेले में यातायात की व्यवस्था के लिए सीकर आगार के मुख्य प्रबंधक को मुख्य मेला अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं रेलवे मेले को देखते हुए तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेन चला रहा है। साथ ही खाटू मेले को देखते हुए कई ट्रेनों का विस्तार किया है। खाटू मेले के लिए वैशाली नगर आगार ने 8, दौसा ने 6, भीलवाड़ा ने 12, जयपुर ने 7, अलवर ने 5, मत्स्यनगर ने 7, बीकानेर ने 6, सरदारशहर ने 7, अनूपगढ़ ने 6, हनुमानगढ़ ने 5, कोटपूतली ने 4, डीडवाना ने 7, चूरू ने 5, झुंझुनूं ने 8, नागौर ने 7, विद्याधर नगर ने 5, टोंक ने 5, खेतड़ी ने 7 और श्रीगंगानगर आगार ने 5 बस उपलब्ध करवाई है। खाटू मेले के लिए रोडवेज ने अधिकारियों की भी जिम्मेदारी बांट दी है। सीकर, झुंझुनूं, राजगढ़, हिसार मार्ग पर व्यवस्था को सुचारू करने के जिम्मेदारी झुंझुनूं के मुख्य आगार प्रबंधक को दी गई है। वे अपने स्तर पर समय सारणी तैयार कर आवंटित बसों का संचालन करेंगे। वहीं खाटूश्यामजी से कोटपूतली, अलवर की जिम्मेदारी मुख्य प्रबंधक कोटपूतली, खाटूश्यामजी से नीमकाथाना मार्ग की जिम्मेदारी मुख्य प्रबंधक खेतड़ी एवं खाटूश्यामजी से जयपुर व दिल्ली मार्ग पर मुख्य प्रबंधक सीकर आगार समय सारणी बनाकर बसों का संचालन करेंगे।

शिवसेना की संपत्ति कर वापस लेने की मांग, एलजी को सौंपा ज्ञापन

जम्मू, (हि.स.)। एक ओर जहां जनता महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त है तो दूसरी ओर सरकार वसूली में व्यस्त है। जम्मू-कश्मीर में आवासीय और व्यावसायिक भवनों पर प्रॉपर्टी टैक्स लगाने का फैसला तुरंत वापस लिया जाए। ऐसा कहना है शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख मनीष साहनी का। संपत्ति कर वसूली को लोगों का आर्थिक शोषण बताते हुए राज्य प्रमुख मनीष साहनी के नेतृत्व में शिवसेना (यूबीटी) के एक दल ने गुरूवार को जम्मू राजभवन पहुंच उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नाम एक ज्ञापन सौंपा जिसमें संपत्ति कर लगाने के निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की गई। साहनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद लगातार जम्मू-कश्मीर की जनता पर कर का बोझ बढ़ा कर आर्थिक शोषण किया जा रहा है।

बिजली-पानी के आसमान छूते बिलों के बाद अब जनता पर संपत्ति कर का बोझ उनकी जेबों पर डाका डालने जैसा है। साहनी ने चेतावनी दी कि अगर अगले कुछ दिनों में संपत्ति कर के आदेश को वापस नहीं लिया गया तो शिवसेना व्यापक जन आंदोलन शुरू करेगी और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेगी। साहनी ने जम्मू के मेयर राजिंदर शर्मा को जनरल हाउस में किए गए वादे की याद दिलाई जिसमें उन्होंने कहा था कि नगर पालिका के तहत आने वाले क्षेत्रों में कोई संपत्ति कर नहीं लगाया जाएगा और आज मेयर यूटी प्रशासन पर पूरा आरोप मढ़ते हुए अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने द्वारा निर्वाचित निकाय की शक्तियों को समाप्त करने का भी आरोप लगाया गया है। साहनी ने कहा कि यदि यह वास्तविकता है तो उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इस मौके पर अध्यक्ष महिला विंग मिनाक्षी छिब्बर, महासचिव विकास बख्शी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कोहली उपस्थित थे।

सांसदों- विधायकों के खिलाफ मामलों की जांच पर पंजाब-हरियाणा के डीजीपी हाईकोर्ट में पेश हुए

चंडीगढ़(ईएमएस)। सांसदों, विधायकों व अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच और ट्रायल में हो रही देरी पर हाईकोर्ट द्वारा तलब किए जाने पर पंजाब व हरियाणा के डीजीपी हाईकोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों डीजीपी को आदेश दिया कि वे अपने-अपने राज्य में पूर्व और मौजूदा सांसदों-विधायकों के खिलाफ चल रहे केसों के निपटारे में तेजी लाएं। जिन केसों की जांच अभी पूरी नहीं हुई है, उनकी जांच जल्द से जल्द पूरी की जाए।

सुनवाई के दौरान पंजाब के डीजीपी गौरव यादव की तरफ से कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा गया कि पंजाब पुलिस इस मामले में गंभीर है और उसका परिणाम है कि जहां 4 जनवरी को 17 मामलों की जांच जारी थी, वह अब 6 रह गई है। डीजीपी की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि पूर्व विधायक बिक्रम सिंह मजीठिया, विधायक दलबीर सिंह, पूर्व विधायक हरदयाल कंबोज, विधायक मनतार सिंह बराड़, पूर्व विधायक सुंदर श्याम अरोड़ा व पूर्व विधायक साधु सिंह धर्मसोत के खिलाफ पुलिस जांच जारी है।

बसोहली विधानसभा क्षेत्र से आजाद उम्मीदवार ने गरीब बेटियों की शादी के लिए दी आर्थिक सहायता

कठुआ (हि.स.)। बसोहली विधानसभा क्षेत्र से आजाद उम्मीदवार अरुण शर्मा रंजू ने अपने सेवा कार्यों को जारी रखते हुए जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के निवासी जिंदर मोहन की बेटी की शादी के लिए 11000/- रुपए की आर्थिक सहायता व राशन भेजा। इसके साथ ही उन्होंने पठानकोट के ममून कॉलोनी में रहने वाले एक जरूरतमंद परिवार दास राम की बेटी की शादी के लिए मदद के तौर पर राशन भेजा। अरुण शर्मा ने बताया कि अपने सेवा कार्यों के दौरान अब तक वे 770 जरूरतमंद और गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में मदद कर चुके हैं और आगे भी यह सेवा कार्य जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि ना मैं किसी राजनीतिक दल में हूँ और ना ही किसी संस्था से जुड़ा हूँ, भगवान के आशीर्वाद से मैं स्वयं अपनी सेवाभाव से कार्य कर रहा हूँ।

चडवाल में दिव्यांगजनों को निःशुल्क उपकरण वितरण शिविर का आयोजन

कठुआ (हि.स.)। तहसील समाज कल्याण कार्यालय हीरानगर ने जिला कठुआ की तहसील हीरानगर की पंचायत चड़वाल के पंचायत घर में भारत सरकार की विकलांग व्यक्तियों को सहायता योजना के तहत मूल्यांकन उपकरणों के निःशुल्क वितरण के लिए शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का आयोजन समाज कल्याण विभाग द्वारा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के सहयोग से किया गया। लाभार्थियों की पहचान के लिए, मूल्यांकन शिविर सितंबर 2022 में आयोजित किया गया था जिसमें कुल 34 लाभार्थियों की पहचान की गई थी। इस शिविर के दौरान कुल 34 अभ्यर्थियों ने व्हीलचेयर, तिपहिया साइकिल, डिजिटल हियरिंग एड एक्सिलरी बैसाखी, कृत्रिम अंग, स्मार्ट केन डिवाइस और अन्य संबंधित उपकरणों का लाभ उठाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच चड़वाल सीमांत शर्मा थे। उक्त शिविर का संचालन तहसील समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार द्वारा किया गया, साथ ही समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी और एलिम्को के चिकित्सा दल सहित डॉ अमित कुमार और डॉ अवनीश कुमार भी उपस्थित थे।

गुलाम नबी आजाद द्वारा डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी की ऊधमपुर जिला कार्यकारणी का किया गठन

उधमपुर, (हि.स.)। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के चेयरमैन गुलाम नबी आजाद द्वारा वीरवार को जोनल एवम ऊधमपुर की जिला कमेटी का गठन किया गया। एक महीने के सोच विचार के बाद डीपीएपी के चेयरमैन गुलाम नबी आजाद ने जोनल कमेटी में सात लोगों का चयन कर पार्टी में अहम जिमेदारियां सौंपी। जिसमें जोनल कमेटी में उप प्रधान की भूमिका संजीव दुबे, नीरज थापा को दी गई महासचिव की भूमिका राज शर्मा, संजीव जंडियाल को दी गई जबकि सचिव की भूमिका रमेश कुमार, कृष्ण लाल गाचम, वेद कुमार को दी गई। जिला कमेटी में 33 लोगों को अहम जिमेदारियां दी गई हैं जिसमें 5 उप प्रधान, 10 महासचिव, 16 सचिव, 1 मीडिया सचिव, 1 मीडिया क्वाडिनेटर बनाया गया। उप प्रधान में कुलदीप सिंह, सरदार अमर सिंह, पवन कुमार, बंसी लाल के नाम घोषित किए गए। महासचिव में अशोक कुमार, सरदार तेज बहादुर, कुलदीप कुमार, मोती लाल, अयूब खान, शमीम बेगम, प्रेम लाल, परशोतम सिंह, आरके दत्ता, सरदार सतबीर सिंह के नाम घोषित किए गया। सचिव पद के लिए बाबू, ललित कुमार, ओम प्रकाश, नसीब राज, यश पाल, जोगिंद्र पाल, अजीत सिंह, गिरधारी लाल, अवतार सिंह, अब्दुल हमीद, पवन सिंह, फतेह सिंह, अजय गुप्ता, शकील खोकर, मोहम्मद लतीफ, रघुबीर सिंह के नाम घोषित किए। मीडिया सचिव के रूप में मोहम्मद अशरफ एवम मीडिया क्वाडिनेटर ऋषभ शर्मा के नाम की घोषणा की गई। इसके साथ ही गुलाम नबी आजाद ने घोषणा की कि सभी पदाधिकारी अपनी-अपनी जिमादारियों को संभाल जनहित के लिए काम करें और उनकी दबी आवाज को बुलंद करें एवम समाज के सभी वर्ग समुदायों के लिए हक और इंसाफ की लड़ाई लड़ें। पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुंचाए।

हरियाणा बजट में सभी वर्गों पर मनोहर कृपा

कोई नया कर नहीं, राहतों का खोला पिटारा

एक लाख 83 हजार करोड़ के बजट में सभी वर्गों का रखा ख्याल

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा में गठबंधन सरकार का चौथा बजट पेश किया है। बजट में प्रदेश के सभी वर्गों को राहत देने का प्रयास किया गया है और किसी प्रकार का नया कर नहीं लगाया गया है, जिससे प्रदेश वासियों को बड़ी राहत मिली है। बुधवार को हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पिछले साल के मुकाबले इस साल के बजट राशि में 11.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी करते हुए एक लाख 83 हजार 950 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट का 30 फीसदी हिस्सा सामाजिक सुरक्षा पर खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है। बजट के माध्यम से मुख्यमंत्री ने शहरी व ग्रामीण विकास योजनाओं का ऐलान करने के साथ ही बुजुर्गों के लिए पेंशन वृद्धि, युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों का ऐलान करते हुए अगले एक साल के लिए कई योजनाओं का ऐलान किया है। इन योजनाओं में सरकार व्यापारियों, दुकानदारों, महिलाओं समेत सभी वर्गों पर फोकस करेगी। बजट में कर्मचारी वर्ग के लिए कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई है। हरियाणा सरकार द्वारा हालही में विभागों का विलय किया गया था। विभागीय मर्जर के बाद यह पहला बजट है। इस लिहाज से कई विभागों के वार्षिक बजट में काफी वृद्धि हुई है। इस बजट में कुल राजस्व घाटा 16 हजार 949.03 करोड़ तथा राजकोषीय घाटा 33274.38 दर्शाया गया है। विधानसभा में बुधवार को कर्ज के मुद्दे पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के तीखी बहस हुई थी। आज पेश किए गए बजट में हरियाणा का कर्ज बढ़कर दो लाख 85 हजार 885 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद जताई गई है। बजट में आगामी वित्त वर्ष के दौरान अलग-अलग साधनों से 1,09,122 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियों की उम्मीद जताई गई है। बजट में वर्ष 2022-2023 के दौरान प्रति व्यक्ति आय दो लाख 96 हजार 685 रुपये होने की संभावना जताई गई है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा जिला परिषद का नया भवन, डेढ़ साल में होगा बनकर तैयार

सिरसा (ईएमएस)। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अगुवाई में प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में गांवों व शहरी क्षेत्रों में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। कोरोना काल में विकास कार्यों की धीमी हुई रफ्तार ने अब गति पकड़ ली है। जिला सिरसा के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों के साथ-साथ 36 करोड़ रुपये की लागत से बरनाला रोड पर बनने वाले जिला परिषद के पांच मंजिला नए भवन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जिसे डेढ़ वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एक लाख स्क्वायर फीट में आधुनिक सुविधाओं से लैस बनने वाले इस भवन में डीआरडीए, जिला परिषद व कई अन्य विभागों के कार्यालय होंगे। पांच मंजिला बिल्डिंग में लिफ्ट लगाए जाने का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक मंजिल पर एक हाल बनाया जाएगा जहां एक साथ कई लोग बैठकर मीटिंग कर पाएंगे। इसके अलावा प्रत्येक मंजिल पर अलग-अलग विभागों को कार्यालय अलॉट होंगे। पंचायतीराज विभाग के कार्यकारी अभियंता गौरव शर्मा ने बताया कि यहां बरसाती पानी निकासी के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जाएगा ताकि पानी स्वच्छ होकर जमीन में जा सके। इसके अलावा सीवरेज के पानी को भी ट्रीट किया जाएगा ताकि उसे पेड़-पौधों के लिए प्रयुक्त किया जा सके। बिल्डिंग के पिछले हिस्से में पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। नई बिल्डिंग में जिला परिषद सीईओ कार्यालय, जिला परिषद कार्यालय, जिला परिषद चेयरमैन कार्यालय, वाइस चेयरमैन, डीडीपीओ कार्यालय, पंचायती राज विभाग, डीआरडीए, बीडीपीओ कार्यालय होगा। इसके अलावा डीआरडीए व कई दूसरे विभाग भी इन्हीं कार्यालयों से जोड़े जाएंगे।

अदाणी को श्रीलंका में मिला बड़ा प्रोजेक्ट, निवेशकों के कमजोर होते भरोसे को संभालने में मिलेगी मदद

कोलंबो।
अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड कंपनी श्रीलंका में हरित ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने में सफल हुई है। श्रीलंका के बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट ने कंपनी को मन्नार और पूनेरिन में दो वायु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को लेकर स्वीकृति दे दी है। 442 मिलियन डॉलर के इस प्रोजेक्ट को कंपनी को अगले दो साल में पूरा करना है। प्रोजेक्ट से 500 मेगावाट बिजली का निर्माण होगा, जिसे 2025 तक श्रीलंका के नेशनल ग्रिड से जोड़ा जाना है। दावा किया गया है कि इस कॉन्ट्रैक्ट के बाद श्रीलंका में लगभग दो हजार रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा। इस बड़े कॉन्ट्रैक्ट को हासिल करने से कंपनी को अपने निवेशकों का भरोसा हासिल करने में कितनी मदद मिलेगी, यह देखने वाली बात होगी। हिंडनबर्ग रिपोर्ट आने के बाद मचे हंगामे के बीच भारत में विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार के दबाव के कारण अदाणी समूह श्रीलंका सहित कई दूसरे देशों में बड़े कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने में सफल रही। इन आरोपों के बाद भी अदाणी समूह को श्रीलंका में बड़े प्रोजेक्ट का मिलना बताता है कि कंपनी अपनी राह पर आगे बढ़ रही है। बुधवार को ही श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेशेकरा ने अदाणी समूह के साथ ऊर्जा सेक्टर में निवेश को लेकर चर्चा करने की बात कही थी। श्रीलंका और कंपनी के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही थी। अब इसे अंतिम रूप दे दिया गया है। कंपनी पहले ही कोलंबो में एक ऊर्जा संयंत्र संचालित कर रही है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को यह कॉन्ट्रैक्ट ऐसे समय में हासिल हुआ है, जब उसके शेयरों में रिकॉर्ड गिरावट आ रही है। समूह के शेयरों में गिरावट के कारण उसके मार्केट कैप में लगभग आठ लाख करोड़ रुपये की कमी आ चुकी है। जिस अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड कंपनी को श्रीलंका में यह कॉन्ट्रैक्ट हासिल हुआ है, अकेले उसके शेयरों में ही हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद लगभग 71.88 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। इसके बाद भी श्रीलंका में कंपनी को बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिलना चौंकाता है। अदाणी ग्रुप को कई कॉन्ट्रैक्ट से हाथ भी धोना पड़ा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसी फरवरी माह में खराब गुणवत्ता के आधार पर अदाणी समूह को दिया गया स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर का एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को राहत, बंबई हाईकोर्ट ने ईडी की प्राथमिकी रद्द की

नई दिल्ली । बंबई उच्च न्यायालय ने कथित धन शोधन मामले में जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल और

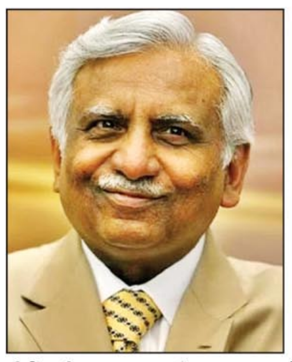

उनकी पत्नी अनिता गोयल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) गुरुवार को रद्द कर दी। केंद्रीय जांच एजेंसी की ईसीआईआर 'अकबर ट्रैवल्स' द्वारा की गयी एक शिकायत पर कथित धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए गोयल दंपति के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी पर आधारित थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चह्वाण की खंडपीठ ने 20 फरवरी 2020 को दर्ज ईसीआईआर और गोयल दंपति के खिलाफ सभी कार्यवाही ''गैरकानूनी और कानून के विपरीत होने'' के आधार पर रद्द कर दी। आम तौर पर ईसीआईआर एक तरह से प्राथमिकी के समान होती है जो पुलिस, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और कोई अन्य एजेंसी आपराधिक मामले के आधार पर दर्ज करती है। इससे पहले, गोयल दंपति के वकील रवि कदम और आबाद पोंडा ने दलील दी थी कि ईसीआईआर 2018 में मुंबई पुलिस में दर्ज एक शिकायत के आधार पर दर्ज की गयी। लेकिन मार्च 2020 में पुलिस ने यह कहते हुए अंतिम रिपोर्ट दाखिल की कि उन्हें शिकायत में कुछ ठोस नहीं मिला और यह विवाद दीवानी प्रकृति का नजर आता है। मजिस्ट्रेट अदालत ने इस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। पुलिस ने अकबर ट्रैवल्स द्वारा दर्ज करायी एक शिकायत के आधार पर कथित धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए गोयल दंपति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी। ट्रैवल एजेंसी ने आरोप लगाया था कि उसे अक्टूबर 2018 से एअरलाइन द्वारा विमानों का संचालन बंद करने के बाद 46 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

स्पाइसजेट 5प्रतिशत हिस्सेदारी बेच सकती है: कार्लाइल एविएशन 100 मिलियन डॉलर बकाए को इक्विटी में बदलेगी, बोर्ड की मीटिंग 24 फरवरी को

नई दिल्ली । लो-कॉस्ट कैरियर स्पाइसजेट लिमिटेड के सबसे बड़े लेजर अमेरिका के

कार्लाइल एविएशन पार्टनर्स को एयरलाइन की 5प्रतिशत हिस्सेदारी बेच सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्पाइसजेट पर कार्लाइल एविएशन का 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा का बकाया है। ऐसे में कर्ज को 5प्रतिशत हिस्सेदारी में बदलने की योजना पर काम किया जा रहा है। कार्लाइल ने एयरलाइन को 13 बोइंग 737 विमान लीज पर दिए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्लाइल ग्रुप के स्वामित्व वाली कार्लाइल एविएशन पार्टनर्स, स्पाइसजेट में 5प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ-साथ कार्गो आर्म स्पाइसएक्सप्रेस में कन्वर्टिबल डिबेंचर लेगी। इसे फ्यूचर डेट पर इक्विटी में बदला जा सकेगा। इसे लेकर स्पाइसजेट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग 24 फरवरी को होगी। बोर्ड नई पूंजी जुटाने के विकल्पों पर भी चर्चा करेगा। स्पाइसजेट बकाया राशि को इक्विटी में बदलने के लिए अन्य लेनदारों के साथ भी बातचीत कर रही है। एयरलाइन ने पिछले 2 साल में कई बार फंड रेज करने के प्रयास किए हैं। स्पाइसजेट ने पिछले साल कहा था कि वह फ्यूचर प्लान पर काम करने के लिए 20 करोड़ डॉलर तक जुटाने के लिए इन्वेस्टमेंट बैंकर्स के साथ बात कर रही है।

पवन खेड़ा को विमान से उतारे जाने पर आया एयरलाइन कंपनी इंडिगो का बयान

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दिल्ली एयरपोर्ट पर छत्तीसगढ़ जाने से रोकने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, दिल्ली पुलिस का कहना है कि असम पुलिस के अनुरोध पर उसने खेड़ा को विमान के उड़ान भरने से पहले ही उतार लिया था। इसे लेकर जहां विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है, वहीं मसले पर एयरलाइन कंपनी इंडिगो का भी बयान आया है। खेड़ा इसी एयरलाइन में सफर करने वाले थे। विमानन कंपनी इंडिगो का कहना है कि एक यात्री को दिल्ली से रायपुर जा रही फ्लाइट से उतार दिया गया। कुछ और यात्रियों को भी उनकी मर्जी से विमान से उतारने का फैसला किया गया। हम इस मामले में संबंधित अधिकारियों की सलाह पर काम कर रहे हैं। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को गुरुवार को रायपुर जाने वाली उड़ान से नीचे उतार दिया गया और उसके बाद दिल्ली पुलिस उन्हें रनवे से हिरासत में ले गई। दिल्ली हवाई अड्डे पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि असम में मामला दर्ज हुआ है और दिल्ली पुलिस खेड़ा को रनवे से अपने साथ ले गई। प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनकी हिरासत असम पुलिस को सौंप दी जाएगी।

संकटग्रस्त दुनिया में भारत भविष्य की उम्मीद बन रहा, बिल गेट्स ने देश की उपलब्धियों को सराहा

नई दिल्ली ।
माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स ने अपने ब्लॉग गेट्स नोट्स में कहा कि भारत भविष्य के लिए उम्मीद जगाता है और इस देश ने साबित कर दिया है कि जब दुनिया कई संकटों का सामना कर रही है, तब भी भारत बड़ी समस्याओं को एक बार में हल कर सकता है।

बिल गेट्स ने कहा कि उनका मानना है कि सही नवाचारों और वितरण चैनलों के साथ दुनिया एक साथ बहुत सारी बड़ी समस्याओं पर प्रगति करने में सक्षम है। ऐसे समय में भी जब दुनिया कई संकटों का सामना कर रही है और आमतौर पर प्रतिक्रिया मिलती है कि एक ही समय में दोनों को हल करने के लिए पर्याप्त समय या पैसा नहीं है, भारत ने सभी प्रतिक्रियाओं को गलत साबित कर दिया है। गेट्स ने अपने ब्लॉग में कहा, भारत ने जो उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है, उससे बेहतर और कोई प्रमाण नहीं है।

पूरे भारत ने मुझे भविष्य के लिए उम्मीद दी है। यह दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने वाला है, जिसका अर्थ है कि आप बड़े पैमाने पर उन्हें हल किए बिना अधिकांश समस्याओं से निजात नहीं पा सकते हैं। भारत ने साबित कर दिया है कि वह बड़ी चुनौतियों से निपट सकता है। देश ने पोलियो का उन्मूलन किया, एचआईवी संचरण को कम किया, गरीबी को कम किया, शिशु मृत्यु दर में कटौती की और स्वच्छता और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में वृद्धि की।

माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक ने यह भी कहा कि भारत ने नवाचार के लिए एक विश्व में अग्रणी दृष्टिकोण विकसित किया है जो यह सुनिश्चित करता है कि समाधान उन लोगों तक पहुंचें जिन्हें उनकी आवश्यकता है। डायरिया के कई घातक मामलों का कारण बनने वाले वायरस को रोकने वाली रोटावायरस वैक्सीन जब हर बच्चे तक पहुंचने के लिए बहुत महंगी थी तो भारत ने खुद वैक्सीन बनाने का फैसला किया।

भारत ने कारखानों के निर्माण और टीकों को वितरित करने के लिए बड़े पैमाने पर वितरण चैनल बनाने के लिए विशेषज्ञों और फंडर्स (गेट्स फाउंडेशन सहित) के साथ काम किया। गेट्स ने कहा कि 2021

तक एक साल तक के 83 प्रतिशत बच्चों को रोटावायरस से बचाव का टीका लगाया गया था। अब इन कम लागत वाले टीकों का उपयोग दुनिया के अन्य अन्य देशों में किया जा रहा है। पूसा में भारत के इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट या आईएआरआई में अपने वित्त पोषण के बारे में बात करते हुए गेट्स ने कहा, गेट्स फाउंडेशन ने आईएआरआई में शोधकर्ताओं के काम का समर्थन करने के लिए भारत के सार्वजनिक क्षेत्र और सीजीआईएआर संस्थानों के साथ हाथ मिलाया है।

सोशल स्टॉक एक्सचेंज लॉन्च करने की सेबी से मंजूरी: सोशल वर्क करने वाले संगठन फंड जुटा सकेंगे, एनएसई का अलग सेगमेंट होगा ये एक्सचेंज

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया यानी एनएसई को सोशल स्टॉक एक्सचेंज लॉन्च करने के लिए सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से अंतिम मंजूरी मिल गई है। एक्सचेंज को सेबी से सैद्धांतिक मंजूरी पहले मिल चुकी थी और वह अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2019-20 के अपने केंद्रीय बजट भाषण में स्स्श्व को बनाने का प्रस्ताव दिया था। ये एक्सचेंज एनएसई का अलग सेगमेंट होगा। ये सोशल सेक्टर में काम करने वाले संगठनों को बाजार से फंड जुटाने में मदद करेगा। यानी अब प्राइवेट कंपनियों की तरह सोशल एंटरप्राइजेज, नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन या फॉर प्रॉफिट सोशल एंटरप्राइजेज भी खुद को शेयर बाजार में लिस्ट करा सकेंगे और पैसे जुटा सकेंगे। महामारी के दौरान सोशल स्टॉक एक्सचेंज के कॉन्सेप्ट ने पॉपुलेरिटी हासिल की थी। सबसे पहले सोशल स्टॉक एक्सचेंज सेगमेंट में रजिस्ट्रेशन करना होगा रजिस्ट्रेशन के बाद, एनपीओ फंड जुटाने की प्रोसेस शुरू कर सकेंगे फंड जुटाने के लिए जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल जैसे इंस्ट्रूमेंट जारी करने होंगे मिनिमम इश्यू साइज 1 करोड़ और एप्लीकेशन साइज 2 लाख है वर्किंग ग्रुप ने बनाया फ्रेमवर्क सेबी के बनाए एक वर्किंग ग्रुप ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज के लिए फ्रेमवर्क दिया था।

ईजी मनी के लिए ट्रेडिंग करने वालों की कमाई नहीं

शेयर बाजार में रिटेल निवेशकों की भागीदारी 34 महीनों में सबसे कम

मुंबई।
शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव बढ़ने का सीधा असर रिटेल निवेशकों की भागीदारी पर हुआ है। घरेलू बाजारों में बीते माह व्यक्तिगत निवेशकों की हिस्सेदारी घटकर 34 महीनों के निचले स्तर पर आ गई। एनएसई पर एक्टिव ट्रेडरों की संख्या भी लगातार आठवें माह घटी है। जनवरी में सेंसेक्स 1,291 अंक टूटा था। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, बीते माह कैश मार्केट में रिटेल निवेशकों ने रोजाना औसतन 22,829 करोड़ रु. का लेनदेन किया। ये मार्च 2020 से अब तक का सबसे निचला स्तर है। ये फरवरी 2021 के पीक 58,409 करोड़ से भी 61प्रतिशत कम है। तब से अब तक कुल ट्रांजैक्शंस में रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी 66प्रतिशत से घटकर 44प्रतिशत रह गई। एनएसई पर जनवरी में एक्टिव ट्रेडिंग अकाउंट की संख्या दिसंबर, 2022 के मुकाबले 3प्रतिशत घटकर 3.4 करोड़ रह गई। इस मामले में लगातार आठवें महीने गिरावट आई। बीते साल जून में ये आंकड़ा 3.8 करोड़ था।

एलकेपी सिक्युरिटीज के रिसर्च हेड एस. रंगनाथन ने कहा कि मौजूदा माहौल तनाव भरा है। ऐसे में बाजार में टिकने के लिए काफी सब्र की जरूरत होती है। रिटेल निवेशकों में इतना सब्र नहीं होता। उन्होंने रिटेल निवेशकों की भागीदारी घटने की तीन वजहें गिनाईं.. कोविड के दौर में जिन्होंने आसानी से पैसा बनाने के लिए शेयर ट्रेडिंग शुरू की थी (रॉबिनहुड इन्वेस्टर्स) वे अब मैदान छोड़ रहे हैं। बीते एक साल से सेंसेक्स और निफ्टी समेत किसी भी इंडेक्स ने कोई रिटर्न नहीं दिया है। इससे रिटेल निवेशकों को काफी मायूसी हुई। कोविड संबंधी पाबंदियों के चलते जिन लोगों का बिजनेस ठप हो गया था या नौकरी चली गई थी, वे अपने-अपने काम में लग गए हैं।

एक्सिस सिक्युरिटीज के बी. गोपकुमार ने कहा, 'कुछ महीनों में रिटेल निवेशकों ने शेयर बाजार से ज्यादा कमाई नहीं की है। इस बीच मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में भारी उतार-चढ़ाव का रिटेल निवेशकों की भागीदारी पर असर होना स्वाभाविक है।

मेडिकल केयर में नई पारी खेलेगा अमेजन ऑन मेडिकल का किया टेकऑवर 29,000 करोड़ रुपये की डील हुई फाइनल

नई दिल्ली।
ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म अमेजन अब अपने ग्राहकों को मेडिकल सर्विस देने की कड़ी में नई पारी खेल रहा है। कंपनी ने

प्राइमरी केयर प्रोवाइडर कंपनी वन मेडिकल का टेकऑवर कर लिया है। यह डील 3.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 29,000 करोड़ रुपये की रही। वहीं दूसरी ओर, यूएस फेडरल ट्रेड कमिशन ने आधिकारिक जानकारी उपलब्ध करवाई है कि वह इस डील को चुनौती नहीं देगा।

बीते साल जुलाई में ही कंपनी कर चुकी थी टेकऑवर का एलान - दरअसल इस टेकऑवर का एलान बीते साल जुलाई में ही किया गया था। यह टेकऑवर ऑनलाइन रिटेलर को इन पर्सन मेडिकल सर्विस के लिए ऑफिस उपलब्ध करवाता है। इस तरह की डील कंपनी द्वारा ग्राहकों को मेडिकल सुविधाओं को देने में एक दूरदर्शी लक्ष्य को दर्शाती है। यही नहीं, कंपनी ने हेल्थकेयर सेक्टर में पहले भी वर्चुअल फार्मेसी और दूसरे कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है।

नई डील से कंपनी को मिलेगी मदद - अमेजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंडी जेसी ने एक बयान में कहा कि इस सौदे से कंपनी को मरीजों की देखभाल में सुधार करने और व्यक्तिगत देखभाल में मदद मिलेगी।

अमेजन ग्राहकों को ऑफर कर रहा है डिस्काउंट - अमेजन ने नई डील के बाद ग्राहकों को वन मेडिकल मेंबरशिप के लिए 144 डॉलर से लेकर 199 डॉलर तक का डिस्काउंट भी ऑफर किया है। यह डिस्काउंट उन नए ग्राहकों को दिया जाएगा, जो पहले साल में वन मेडिकल मेंबरशिप लेते हैं। हालांकि, इसके लिए जरूरी नहीं होगा कि ग्राहक के सब्सक्राइबर हों। यह सुविधा हर नए ग्राहक के लिए उपलब्ध रहेगी। कंपनी ने जानकारी दी है कि मेंबरशिप में ग्राहक वन मेडिकल की वर्चुअल केयर सर्विस, इंश्योरेंस नेविगेशन का लाभ ले सकेंगे।

रूस की मिलिट्री इंडस्ट्री को कमजोर करना हमारा उद्देश्य, बेंगलुरु में बोलीं अमेरिका की वित्त मंत्री

बेंगलुरु ।
अमेरिका की वित्त मंत्री जैनेट येलेन भारत दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बेंगलुरु में मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा कि हमारे बीच यूक्रेन के मुद्दे पर अहम बातचीत हुई। जैसा कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि हम इस लड़ाई में यूक्रेन के साथ खड़े हैं। हम अपने सहयोगियों की मदद के लिए उनकी सराहना करते हैं। यूक्रेन को लगातार मदद पहुंचाने के संबंध में हमारी बातचीत हुई।

जैनेट येलेन ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि रूस की मिलिट्री इंडस्ट्री को कमजोर किया जाए, जिससे उनका राजस्व घटे और वह लड़ाई को फंड ना कर सके। रूस

की सेना अपने 9 हजार से ज्यादा सैन्य उपकरणों को बदलने के लिए संघर्ष कर रही है। येलेन ने कहा कि आज वैश्विक अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। आईएमएफ ने 2023 में वैश्विक अर्थव्यवस्था के 3.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान लगाया है। बीते अक्टूबर के मुकाबले इसमें सुधार हुआ है। दुनिया भर में महंगाई भी कम हो रही है।

जैनेट येलेन ने कहा कि जी20 का उद्देश्य कर्ज, जलवायु परिवर्तन और बहुपक्षीय विकास बैंकों को एडवांस करना है। हम चीन समेत सभी आधिकारिक कर्जदाताओं के साथ बात करेंगे ताकि विकासशील देशों के लिए कर्ज प्रणाली को बेहतर कर सकें।

बता दें कि भारत की अध्यक्षता में जी20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की 24-25 फरवरी को बेंगलुरु में बैठक होनी है। इसी बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिकी वित्त मंत्री जैनेट येलेन भारत आई हुई हैं। भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और जैनेट येलेन के बीच जी20 फाइनेंस ट्रेक की प्राथमिकताओं के बारे में बात हुई। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, दोनों नेताओं ने बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करने, वैश्विक कर्ज संवेदनशीलताओं, क्रिप्टो परिसंपत्तियों और स्वास्थ्य जैसे विषयों के अलावा जस्ट एनर्जी ट्रांजिशन पार्टनरशिप (जीईटीपी) के बारे में बात की।

मर्सिडीज-बेंज ने गूगल से हाथ मिलाया

अब मर्सिडीज की कारों में गूगल मैप्स और यूट्यूब भी, टेस्ला और बीवायडी को टक्कर देगी

नई दिल्ली।
लग्जरी कार मेकर मर्सिडीज बेंज ने गुरुवार (23 फरवरी) को अपने नेविगेशन एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए गूगल के साथ लॉन्ग-टर्म स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की अनाउंसमेंट की है। कंपनी ने एक स्टेटमेंट में कहा है कि यह पार्टनरशिप मर्सिडीज-बेंज को एक ऐसा ड्राइविंग एक्सपीरियंस क्रिएट करने में मदद करेगी, जो लग्जरी कार के साथ गूगल मैप्स की इंफॉर्मेशन को जोड़ती है।

मर्सिडीज की कारों में प्लेस डिटेल्स जैसे नए फीचर्स मिलेंगे - इस पार्टनरशिप के साथ मर्सिडीज-बेंज अपने कस्टमर्स को गूगल द्वारा दिए जाने वाले प्लेस डिटेल्स जैसे शुरुआती नए फीचर्स भी देगी। कंपनी गूगल क्लाउड के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा और ओपन इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस का यूज करके आगे भी कोलैबोरेशन करने पर सहमत हुई है।

मर्सिडीज-बेंज के इंफोटेनमेंट सिस्टम में मिलेगा यूट्यूब ऐप - यह पार्टनरशिप यूट्यूब ऐप को मर्सिडीज-बेंज इंफोटेनमेंट सिस्टम में भी

लाएगी। इसके अलावा, मर्सिडीज-बेंज चौराहों, गोलचक्कर या घुमावों से पहले ऑटोमैटिक स्पीड एडजस्टमेंट्स जैसे सहायक ड्राइविंग फीचर्स को सक्षम करने के लिए गूगल मैप्स डेटा का यूज करेगी।

पार्टनरशिप पर मर्सिडीज-बेंज के सीईओ का बयान - मर्सिडीज-बेंज के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ओला कैलेनियस ने कहा, हमारी स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के साथ हम यूनिक सर्विसेज को बनाने और अपने कस्टमर्स के लिए सुविधा के स्तर को बढ़ाने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। यह हमारे सिग्नेचर मर्सिडीज-बेंज यूजर इंटरफेस के अंदर इंटीग्रेटेड होगा और स्टेट-ऑफ-चार्ज के रिलेवेंट व्हीकल फंक्शंस से पूरी तरह से जुड़ा होगा।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने क्या कहा - मर्सिडीज-बेंज के साथ इस पार्टनरशिप के बारे में बात करते हुए गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा, मर्सिडीज-बेंज के साथ हमारी पार्टनरशिप ड्राइवरों के लिए नए एक्सपीरियंस बनाने में मददगार साबित होगी। ड्राइवरों को गूगल मैप्स प्लेटफॉर्म, क्लाउड और यूट्यूब जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी भी मिलेंगी।

सुंदर पिचाई ने आगे कहा, इसके अलावा मर्सिडीज-बेंज को एक कस्टमाइज्ड नेविगेशन इंटरफेस डिजाइन करने में सक्षम बनाने के लिए हम अपने एआई और डेटा कैपेबिलिटीज को भी कंपनी को देंगे। जिससे कंपनी के सस्टेनेबिलिटी प्रयासों में तेजी आ सके। इसके अलावा कंपनी को अपने ऑटोनॉमस ड्राइविंग सिस्टम को एडवांस करने और एक बेहतर कस्टमर एक्सपीरियंस बनाने में भी मदद मिलेगी। यह पार्टनरशिप मर्सिडीज-बेंज को एलन मस्क की टेस्ला और बीवायडी जैसे अन्य चीनी प्लेयर्स के साथ टक्कर लेने में मदद करेगी।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली । तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

अवार्ड सीजन के दौरान सबसे ज्यादा देखी गई आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ीः टेड सारंडोस

मुंबई (ईएमएस)। एसएस राजामौली की आरआरआर-2022 में एक सनसनीखेज ब्लॉकबस्टर के रूप में उभरी और जबरदस्त आलोचनात्मक प्रशंसा प्राप्त की। इसे जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया, जिसने इसे एक वैश्विक घटना बनने में मदद की। संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित गंगूबाई काठियावाड़ी ने भी पिछले साल अच्छा प्रदर्शन किया और अनुकूल समीक्षा प्राप्त की। इसके थिएट्रिकल रन के बाद इसे भी नेटफ्लिक्स पर भी रिलीज किया गया था। नेटफ्लिक्स के को-सीईओ टेड सारंडोस ने अब इन फिल्मों की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि अवार्ड सीजन के दौरान आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी की गहरी चर्चा हुई थी। हाल ही में मीडिया से बातचीत में टेड सारंडोस ने कहा है कि आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी को अवार्ड सीजन के दौरान काफी देखा गया था। हर बार एक समय में एक विभक्ति बिंदु होता है। वितरण में बदलाव या कहानी कहने में बदलाव या भूख में बदलाव। अवार्ड सीजन के दौरान लॉस एंजिल्स में होने के कारण आरआरआर और गंगूबाई गहराई से चर्चा में थे। हर कोई उनके बारे में बात कर रहा था। वोटिंग साइट पर देखने के लिए 180 फिल्में थीं और इन दोनों को खूब देखा गया।

नेटफ्लिक्स के को-सीईओ टेड सारंडोस ने आगे कहा कि आरआरआर पहली भारतीय फिल्म थी, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय दर्शकों ने देखा था। आरआरआर शायद पहली भारतीय फिल्म हो सकती है, जिसे उन्होंने कभी देखा हो। उनके लिए यह इतनी जंगली यात्रा थी, जिसे वे और अधिक चाहते हैं।

आरआरआर एक एक्शन ड्रामा है जिसमें जूनियर एनटीआर और राम चरण समानांतर लीड के रूप में हैं। यह उनके पात्रों के बीच दोस्ती की पड़ताल करता है और उत्पीडऩ के खिलाफ उनकी लड़ाई को उजागर करता है। गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया भट्ट, अजय देवगन और विजय राज शामिल हैं।

नेहा कक्कड़ की शो में हो रही वापसी

- अपने गीत को प्रमोट करने आएंगी सिंगर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ इंडियन आइडल शो में वापसी करने जा रही हैं लेकिन सिर्फ एक एपिसोड में वे नजर आएंगी। इस शो से जुड़े सूत्रों का कहना है कि, नेहा पति रोहनप्रीत सिंह के साथ अपने नए सिंगल गम खुशियाँ के प्रमोशन के लिए आएंगी। इस एपिसोड में प्रतियोगियों को प्रेम गीत गाते हुए दिखाया जाएगा क्योंकि यह जोड़ी उन्हें हिमेश रेशमिया और विशाल ददलानी के साथ जज करेगी। गायक एपिसोड की शूटिंग करेंगे और यह इस सप्ताह के अंत में प्रसारित होगा। यह उन प्रशंसकों के लिए एक ट्रीट होने जा रहा है, जो उन्हें शो में वापस देखने का इंतजार कर रहे हैं। शो से गायब रहने के कारणों का विवरण देते हुए सूत्र ने बताया कि नेहा कक्कड़ ने स्वास्थ्य कारणों से ब्रेक लिया था। वह रोहनप्रीत और उसके परिवार के साथ समय बिताने की भी कोशिश कर रही है। किसी को उम्मीद नहीं थी कि ब्रेक इतने लंबे समय तक चलेगा। लेकिन हम खुश हैं कि उन्होंने एक एपिसोड की शूटिंग करने का फैसला किया। हम अभी भी शो में पूर्णकालिक रूप से उनकी वापसी के बारे में चर्चा कर रहे हैं। इस बार, नेहा की अनुपस्थिति में रियलिटी सीरीज ने हर सप्ताहांत एक विशेष अतिथि का स्वागत किया, जो हिमेश रेशमिया और विशाल ददलानी के जजों के पैनल में शामिल हुए। इंडियन आइडल 13 पिछले साल सितंबर में शुरू हुआ था और टीआरपी के मामले में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

शो को आदित्य नारायण होस्ट कर रहे हैं।बता दें कि नेहा कक्कड़ को इंडियन आइडल 13 से गायब हुए कई हफ्ते हो चुके हैं। उनकी अनुपस्थिति कई प्रशंसकों के लिए चिंता का विषय बन गई थी। कई लोगों ने उनकी अनुपस्थिति के बारे में अनुमान लगाया है। निमार्ताओं के साथ उनकी कलह के साथ-साथ यह भी कहा गया कि नेहा कक्कड़ शायद माँ बनने वाली हैं इसीलिए वे शो में नजर नहीं आ रही हैं। गौरतलब है कि नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह अक्टूबर, 2020 में शादी के बंधन में बंधे थे। जब से प्रशंसक उनके परिवार को बढ़ाने के बारे में अटकलें लगा रहे हैं। गायिका ने पिछले सीजन में इसी तरह का ब्रेक लिया था जिससे उनके गर्भवती होने की अफवाहें उड़ी थीं। इसके बाद शो में उनकी जगह उनकी बहन सोनू कक्कड़ ने ले ली।

लापतागंज में इंदुमती भाभी ने दिया था ये शब्द

- लोगों की जुबां पर था जे बात और एकदम लल्लनटाप

मुंबई (ईएमएस)। लोकप्रिय धारावाहिक भाभीजी घर पर हैं! सीरियल में जे बात और एकदम लल्लनटाप जैसे शब्द लापतागंज में इंदुमती भाभी ने दिया था। लापतागंज सब टीवी पर एक लंबा चलने वाला शो रहा है। लापतागंज साल 2009 से 2014 तक ऑडियंस को एंटरटेन करता रहा और शो के जरिए इंदुमति लोगों के दिलों पर राज करती रहीं। इस कॉमेडी शो में इंदुमति का किरदार सुचेता खन्ना ने निभाया था। उनके देसीपन और देहाती अंदाज को काफी पसंद किया गया था। इस बीच, सुचेता खन्ना ने यमला पगला दीवाना में काम किया। उन्होंने अंजाना-अनजानी और सैंडविच में भी काम किया। वह कई और फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। सुचेता खन्ना ने टीवी पर दूरदर्शन कॉमेडी शो हरी मिर्ची और लाल मिर्ची से किया था। लेकिन उनके लापतागंज के किरदार इंदुमति को खूब पसंद किया गया। सुचेता खन्ना ने यमला पगला दीवाना 2 में भी काम किया। इस फिल्म के बाद उन्होंने बॉलीवुड में काम किया। वह टीवी की दुनिया में एक्टिव में हो गईं। सुचेता खन्ना ने मेरी हानिकारक बीवी, श्रीमान श्रीमति फिर से, जीजाजी को छत पर कोई है, जैसे सीरियल में काम किया। इन दिनों वह वो तो है अलबेला में काम कर रही हैं। ये सब सीरियल्स सुचेता खन्ना का उतनी पॉपुलैरिटी नहीं दिला पाए हैं, जितनी लापतागंज के किरदार इंदुमती से उन्हें मिली। सुचेता खन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। बता दें कि भाभीजी घर पर हैं! की अंगूरी भाभी का सही पकड़े हैं बच्चों से लेकर बड़ों की जुबां पर चढ़ा हुआ है। राह चलते एक अनजान आदमी की बात भी आप समझ जाते हैं, तो वो आपसे सही पकड़े हैं बोलकर निकल जाता है। लेकिन इससे पहले जे बात और एकदम लल्लनटाप लोगों की जुबां पर था।

विराट ने सई के साथ सुलझाए मतभेद, लेकर आया घर

टीवी शो गुम हैं किसी के प्यार में में विराट चव्हाण की भूमिका निभा रहे नील भट्ट, आयशा सिंह अभिनीत सई के साथ सारे मतभेदों को सुलझाने और उसे घर लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि, सई ने विराट के सामने एक शर्त रखी है। सई, विराट से उसके बनाए सभी नियमों का पालन करने के लिए कहती है और विराट भी इससे सहमत होता है। इससे पहले, देखा गया था कि सई को इस सच के बारे में पता चल गया था कि उनका बेटा जिंदा है और जिसे विराट ने गोद लिया है। हालांकि, दुर्भाग्य से, विनायक, जो विराट और साईं का असली बेटा है, सई को अपनी मां के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है और उसका झुकाव पाखी (ऐश्वर्या शर्मा) की ओर अधिक है और वह उसे अपनी मां मानता है। विराट उसे हकीकत समझाने की पूरी कोशिश कर रहा है, ताकि वह अपनी असली मां को भी पूरा सम्मान दे सके।

एक्ट्रेस रश्मिका के लुक पर हर कोई फिदा

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के लुक पर हर कोई फिदा हो जाता है। वहीं एक्ट्रेस की हर दिल अजीज अदाएं और स्माइल फैंस का दिल लूट लेती हैं। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की फोटोज शेयर की। फोटो में उन्हें क्रॉप टी शर्ट पहने हुए देखा जा सकता है जिसके साथ उन्होंने रिप्पड जीन्स मैच की। उन्होंने स्टाइलिश गॉगल भी लगा रखा है और वह बालकनी में खड़ी होकर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। रश्मिका मंदाना ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा, जब मेरे फ्रेंड मुझसे कहते हैं, आप पोज करिए और मैं शरमा जाती हूं। उनकी फोटोज को इंस्टाग्राम पर 24 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। वहीं, फोटोज पर 11 हजार से ज्यादा कमेंट किए गए हैं। जहां फैंस ने उनकी जमकर तारीफ की वहीं एक फैंन ने उन्हे ट्रोल करते हुए लिखा, ह्यइतना पैसा आ गया फिर भी पैंट फटी ही पहननी है ह्नरश्मिका मंदाना फिल्म एक्ट्रेस है। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज और वीडियो शेयर करती है। वह फिल्म पुष्पा द राइज से काफी फेमस हुई है।

बड़े मियां छोटे मियां की जारी है शूटिंग

बालीवुड की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग कुछ समय से इंडिया में चल रही थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ प्रमुख भूमिका में है। देश में फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इस फिल्म का अगला शेड्यूल स्कॉटलैंड में शूट किया जाएगा। इसके लिए अक्षय और टाइगर सहित पूरी टीम बड़े मियां छोटे मियां के अगले शेड्यूल के लिए तैयार है। ये फिल्म बॉलीवुड के दो सबसे बड़े एक्शन हीरोज, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ को एक साथ लाती है, जो अपने आप में एक कमाल का कॉम्बिनेशन है और जिन्हें एक साथ देखना दर्शकों की लिए भी एक अच्छा अनुभव होने वाला है। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन इस फिल्म में एक दमदार विलेन के रूप में नजर आएंगे और एक्टिंग कौशल का दम दिखाएंगे। हाल में अपने अपने सोशल मीडिया पर प्रोड्यूसर जैकी भगनानी, टाइगर श्रॉफ ने एक तस्वीर शेयर की और इस बात की जानकारी फैन्स को दी। जैकी भगनानी ने पोस्ट को कैप्शन दिया, ह्लहमने अभी #बीएमसीएच का पहला इंडिया शेड्यूल पूरा किया है। मेरे जीवन में एक बड़ा मील का पत्थर और यह इमोशन्ल रहा है। यह मेरे पिता का ड्रीम आईपी था और अब हम इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

सौरव गांगुली पर बन रही बायोपिक में "दादा" का किरदार निभाएंगे रणवीर

कोलकाता, (हि.स.)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। गांगुली से जुड़े करीबी सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि उनकी बायोपिक में दादा का किरदार निभाने के लिए रणबीर कपूर तैयार हो गए हैं। लव फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस बायोपिक की घोषणा नौ सितंबर 2021 को ही गांगुली और लव फिल्म्स ने संयुक्त रूप से की थी। दो साल की रिसर्च के बाद फिल्म के स्क्रिप्ट तैयार हुई है जिस पर सहमति देने के लिए हाल ही में सौरव गांगुली मुंबई गए थे। करीब 250 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली फिल्म के लिए सौरभ गांगुली ने ही रणबीर कपूर को चुनने को कहा था। इसके बाद लगातार रणवीर से बात हो रही थी। सूत्रों ने बताया कि रणबीर अपनी अगली फिल्म एनिमल की शूटिंग में व्यस्त हैं लेकिन तुरंत ही कोलकाता में सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग भी शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि सौरव गांगुली का कैरियर काफी चर्चित रहा है। टीम इंडिया के कप्तान से लेकर टीम से निकाले जाने तक। बाद में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष से लेकर राज्य व केंद्र के शीर्ष नेताओं के उनसे मुलाकात की खबरें अमूमन सुर्खियों में रहती हैं।

हिंदी भाषा का क्या महत्व है, शायद अब अजय-काजोल को समझ आ जाए

बॉलीवुड हस्तियों के साथ-साथ मीडिया और ट्रोलर्स उनके बच्चों पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं। मसलन, वो क्या कर रहे हैं, क्या पहन रहे हैं, कहा जा रहे हैं, क्या बोल रहे हैं और कहां पार्टी कर रहे हैं। उनकी हर गतिविधि पर मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया ट्रोलर्स की नजर बनी रहती है। कुछ गलत करते ही उनकी ट्रोलिंग शुरू हो जाती है। फिलहाल एक स्टार किड ने एक बार फिर मीडिया को मौका दे दिया है। यह स्टार किड है निसा देवगन। निसा देवगन कौन है? यह अजय देवगन और काजोल की बेटी है। निसा क्यों सुर्खियों में है। अपनी हिंदी की वजह से। दरअसल हाल ही में अहमदनगर में हुए एक सोशल इवेंट पर वो हिंदी में बात करती हुई नजर आयी थी। अब आप कहेंगे हिंदी में बात करना कौन-सी गलत बात है। हिंदी बोलना गलत तो नहीं है लेकिन उस भाषा को अजय देवगन और काजोल जैसे कलाकार की बेटी का ठीक तरह से न बोल पाना बड़ा विषय है। आज कल में स्कूल-कॉलेज में क्यों बच्चों को अंग्रेजी सिखाने पर इतना जोर डाला जा रहा है और क्यों हिंदी को भुलाया दिया जा रहा है। कॉपोरेट ऑफिसेज में ठीक है लेकिन बड़े स्कूल और कॉलेज में क्यों हिंदी को दबाया जा रहा है। अगर अंग्रेजी जरूरी है तो हिंदी भी उतनी ही जरूरी है। अब निसा पर आते हैं। जब अपना घर छोड़ कर बाहर की दुनिया पर ध्यान देने लगते है तो हाल यही होता है जो निसा का हुआ है। वायरल वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि हिंदी फिल्मों के बड़े कलाकार की बेटी हिंदी ही बोलने में असहज महसूस कर रही है। वीडियो में उनका हाल किसी विदेशी की तरह नजर आया, जो अंग्रेजी तो ठीक तरह से बोल लेते हैं लेकिन हिंदी में हाथ तंग होता है। वीडियो में बच्चों को किताबें पढ़ना चाहिए यह ज्ञान देने वाली निसा को हिंदी बोलते वक़्त इस तरह अटकता देखना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वो रोज 2-3 किताबें पढ़ती है और अपनी माँ का जिक्र करते हुए उन्होंने यह भी बताया कि उनकी माँ को भी किताबें पढ़ना काफी पसंद है। लेकिन क्या काजोल और अजय को अपनी बेटी को दुनिया की बाकी चीजे सिखाते वक़्त यह ध्यान में नहीं आया कि उन्हें अपनी बेटी को हिंदी भाषा भी सिखाना चाहिए। निसा की शुरूआती पढ़ाई मुंबई के मशहूर धीरूभाई अंबानी स्कूल से हुई है। उसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए वो स्विट्जरलैंड चली गयी। मतलब काजोल और अजय ने अपनी बेटी को वो सब कुछ सिखा दिया है जिससे उनकी बेटी आगे बढ़ सके। बस जिस देश में वो रह रही है उसकी सबसे प्रमुख भाषा सिखाना भूल गए। इस भाषा को यह लोग इतनी हीन दृष्टि से क्यों देखते हैं। आखिर उनकी फिल्में तो इसी भाषा में बनती हैं। आज इस भाषा को न बोल पाने पर लोग आपकी बेटी की खिल्ली उड़ा रहे हैं तो शायद अब आपको इस भाषा का महत्त्व समझ आ जाए।

शादी में डांस करते देखे गए सलमान और अक्षय

सोशल मीडिया पर आजकल एक वीडियो वायरल हो रहा है, जहां बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान और बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार को एक साथ एक ही शादी में डांस करते हुए देखा गया। इस वायरल वीडियो में जहां एक तरफ सलमान अपने सुपरहिट गाने मुन्ना बदनाम हुआ पर ठुमके लगा रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ अक्की मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी पर जबरदस्त डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दोनों को एक साथ देख फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। हांलांकि, कुछ लोग अक्षय और सलमान को इस वेडिंग में देख हैरान भी हो गए। वीडियो में सलमान और अक्षय के अलावा मनीष पॉल भी नजर आ रहे हैं, जो शादी में होस्टिंग कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो आग की तरह फैल रहा है।

नवरत्न और नेहा का होली सांग 'तुर देब पिचकारी' हुआ रिलीज

होली के खास मौके पर भोजपुरी की सुपर सिंगर नेहा राज और गायक नवरत्न पांडेय का होली भोजपुरी गाना 'तुर देब पिचकारी रिलीज हो चुका है। इस गाने को वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी के ऑफिसियल चैनल से जारी किया गया है। होली के त्योहर पर भोजपुरी के दमदार गानो पर अपने आप कदम थिरकने लगते है। इस गाने में नवरत्न पांडेय का साथ अभिनेत्री कोमल सिंह ने दिया है। गाने में दोनों के बीच केमेस्ट्री बेहद ही खास लग रही है। गाने को बड़े ही मस्ती माजक भरे अंदाज में शूट किया गया। जहां होली के रंगों के साथ साथ मिया और बीवी की प्यार भरी तू तू मैं मैं सुनने को दिखाई दे रही है। गाने में हरे रंग की साड़ी में कोमल सिंह बहुत ही कमाल की लग रही हैं। नवरत्न पारंपरिक कुर्ता पजामा पहने हुए हैं। गाने में बैकग्राउंड डांसरों का भी भरपूर उपयोग किया गया। गाने में नेहा राज की आवाज भी अपना दमखम दिखने से पीछे नहीं हट रही है। नेहा राज ने बहुत कम समय मे इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना ली है, जिस्के दम पर वे किसी भी गाने को सुपरहिट बना सकती हैं। 'तुर देब पिचकारी सांग को वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स भोजपुरी ने प्रस्तुत किया है। इस्के सिंगर नवरत्न पांडेय और नेहा राज हैं। गाने को कोमल सिंह पर फिल्माया गया है। वही इसके लिरिक्स अर्जुन शर्मा ने लिखे हैं। इसके निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं। गाने का निर्देशन रवि पंडित ने किया है। इसके कोरियोग्राफर विशाल गुप्ता हैं। गाने का मिक्स एंड मास्टर राज शर्मा हैं। गाने को एडिट दीपक पंडित, डीआई कॉलरिस्ट रोहित सिंह है।

सूडोकु नवताल- 6352

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6351 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल- 7099

ऐ	म	मा	अ	शो	का	म	न	ह	क	रा
हा	त	सू	ह	री	ल	जी	स	ल	का	ज
चु	वी	रा	द	अं	फ्यु	त	र	म	ल	टी.
प	र	दा	ज	ल	क	जी	ओ	मु	व	त
चु	अ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	सी	ला
प	मी	ज	स	जि	स्वा	क	प	कु	गु	श
के	ह	बु	न	टी	म	मी	टे	छ	हा	ण
न	पू	सु	पा	बी	पं.	सौ	ल	क	ना	स
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	हा	न	त
आ	प	बे	व	फा	दी	र	ह	ना	क	थ
दो	स्ती	न	प	द	न	इ	ह	है	ह	धी

शब्दजाल में करीना कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

ऐतराज, अशोका, चुप चुप के, दोस्ती, बेवफा, तलाश, अजनबी, मुझे कुछ कहना है, रीफ्युजी, ओमकारा.

शब्दजाल - 7098 का हल

अ	व	र	नो	ए	ब्री	स	प	ला	नी	का
धु	है	क	ज	इं	डो	ने	ह	इं	म	ल
म	क्या	दि	ल	ने	क	हा	ड	सा	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	न	इ	ही
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	नि
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	न	रि	या
शी	मा	दे	प्या	व	था	य	अ	म	क	ती
द	दे	श	रे	न	प	य	यु	धु	व	ला
स	दि	ल	मो	ले	दा	र	जा	वा	वी	दे
क्षि	ज	ति	ह	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	न	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6052

	4		5			1
	38	6	32	1	30	
7	5		3		4	2
1	25	2	32		34	
	1		6	7		4
3	26	4	38	5	36	
4						3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6051 का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	27	1	29	6	38	5
5	6	7	1	2	3	4
4	36	2	30	1	26	6
3	5	4	6	7	1	2
6	42	6	39	4	23	3
7	6	5	4	3	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

दिल्ली की कप्तानी करेंगे वार्नर, मारक्रम को हैदराबाद की कमान: डीसी के उपकप्तान बन सकते हैं अक्षर पटेल; 31 मार्च से शुरू होगा नया सीजन

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कप्तानी से बैन किए गए डेविड वॉर्नर दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करेंगे, जबकि अक्षर पटेल उनके डेप्टी होंगे। दूसरी ओर, एडम मारक्रम को सनराइजर्स हैदराबाद की कमान सौंपी जा सकती है।

वेबसाइट ने लिखा कि इंडियन प्रीमियर लीग के इस सीजन में डेविड वार्नर दिल्ली की कप्तानी नजर आएगें। वहीं, मारक्रम ऑरेंट जर्सी को लीड करेंगे। वेबसाइट ने फ्रेंचाइजी में अपने सूत्रों के हवाले से ये दावे किए हैं।

आईपीएल का नया सीजन 31 मार्च से शुरू हो रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच खेला जाएगा। साथ ही दिल्ली का पहला मुकाबला लखनऊ से होगा।

पंत की जगह कप्तानी करेंगे वार्नर

डेविड वार्नर को भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह दिल्ली का कप्तान बनाया गया है। पंत दिसंबर महीने के अंत में एक कार हादसे का शिकार हो गए थे। उनके पैर में चोट लगी है और वह छह-सात महीनों तक वापसी नहीं कर पाएंगे। वार्नर सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी कर चुके हैं। उन्होंने 2016 में टीम को चैंपियन बनाया था। वॉर्नर 2022 में दिल्ली से जुड़े थे। उन्हें फ्रेंचाइजी ने मेगा ऑक्शन में 6.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। वॉर्नर ने 12 मैचों में 48 की औसत से 432 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 150.52 रहा था। वॉर्नर के बल्ले से 5 अर्धशतक निकले थे।

दिल्ली टेस्ट में चोटिल हुए वार्नर

फिलहाल, डेविड वार्नर स्वेदश लौटने वाले हैं। वे दिल्ली टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी कोहनी में चोट लगी थी। उसके बाद वे दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। मैट रेनशॉ दूसरे टेस्ट में वार्नर के कन्कशन रिप्लेसमेंट बने थे। पहली पारी में वार्नर और दूसरी पारी में रेनशॉ ने बल्लेबाजी की थी। वॉर्नर शुरुआती दो टेस्ट में खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। उन्होंने तीन पारियों में सिर्फ 26 रन ही बनाए। वे टेस्ट के बाद होने वाली वनडे सीरीज से वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चार टेस्ट और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारत के दौरे पर है। भारतीय टीम सीरीज में फिलहाल 2-0 से आगे है। वार्नर अंतिम दो टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

बॉल टैम्परिंग कांड के बाद बैन हुए थे वार्नर

2018 में बॉल टैम्परिंग कांड के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ के ऊपर नेशनल टीम की कप्तानी से बैन लगाया था। बाद में स्मिथ का बैन हटा लिया गया था।

मारक्रम को लारा ने कप्तान बनाया

क्रिकबज ने हैदराबाद के सूत्रों के हवाले से लिखा कि मारक्रम को कप्तान बनाने का फैसला ब्राइन लारा ने लिया है। मारक्रम ने अपनी कप्तानी में पहले सीजन में सनराइजर्स ईस्टर्न कैप को चैंपियन बनाया।

न्यूज ब्रीफ

खराब पारी खेलने के बाद वॉशरूम में रोता था: दिनेश कार्तिक ने कहा - राहुल भी बुरे फॉर्म में चल रहे है, उन्हें इससे खुद निपटना होगा

नई दिल्ली। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा कि उन्हें केएल राहुल के लिए बुरा लगा। राहुल दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी रन नहीं बना सके। कार्तिक ने कहा - मुझे राहुल के लिए दूसरी पारी में बुरा लगा, उसने वहा कुछ गलत नहीं किया। उन्होंने मजबूती से लायन की एक बैक-ऑफ-एक-लंबाई वाली डिलीवरी का सामना किया, लेकिन फॉरवर्ड शॉर्ट लेग में पीटर हैंड्सकॉम्ब ने किसी तरह अपने पैड और बॉडी से बॉल को कीपर एलेक्स केरी की ओर भेजने में कामयाबी हासिल की और राहुल आउट हो गए। दिनेश कार्तिक ने कहा - मैं भी अपने करियर में ऐसे दौर से गुजर चुका हूं, जहां मैं वाशरूम में गया और खूब रोया। यह एक प्रोफेशनल दुनिया है। आपको अपनी समस्या से खुद ही निपटना पड़ता है। मुझे हमेशा ऐसा ही लगता है कि हर पारी मेरी आखिरी पारी होगी। कार्तिक ने आगे बताया - मैं कई बार ड्रेसिंग रूम में गया और फिर चुप-चाप ड्रेसिंग रूम में जा कर रोया। जब भी ऐसा होता था मुझे बुरा लगता था, लेकिन कई बार चीजें आपके हाथों में नहीं होती है। कार्तिक ने कहा कि अगर राहुल इंदौर टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पाए तो वह दिल्ली टेस्ट में खराब प्रदर्शन नहीं, बल्कि पिछले साल साउथ अफ्रीका सीरीज के बाद से जारी खराब प्रदर्शन के कारण होगा। कार्तिक ने आगे कहा - हालांकि केएल राहुल एक शानदार खिलाडी है। वे तीनों फॉर्मेट में अच्छे है। इस समय उनका बल्ला खामोश है और वह फॉर्म नहीं है। लेकिन, मुझे लगता है की वह शानदार वापसी कर सकते है। उनकी जगह शुभमन गिल को मौका मिल सकता है। भारत की नई टेस्ट टीम में किसी भी खिलाड़ी को उप कप्तान नहीं बनाया गया। ओपनिंग बैटर केएल राहुल अब बतौर प्लेयर टीम में रहेंगे। केएल राहुल को दिसंबर 2021 में टेस्ट टीम का उप कप्तान बनाया गया था। राहुल ने 3 बार टीम की कप्तानी भी की। 2 में जीत और एक में हार मिली, लेकिन इन टेस्ट में राहुल अपनी बैटिंग से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। पिछली 9 पारियों में 23 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। इस दौरान उन्होंने 8, 12, 10, 22, 23, 10, 2, 20, 17 और एक रन के स्कोर बनाए हैं।

सऊदी अरब में तलवार लेकर जश्न मना रहे रोनाल्डो, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

रियाद। फुटबॉल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपने नए क्लब अल नस्र के साथ जुड़ने के बाद लगातार चर्चा में रहते हैं। वह इस क्लब के लिए अब तक ज्यादा मैच नहीं खेले हैं, लेकिन अलग-अलग वजहों से चर्चा में बने हुए हैं। अब रोनाल्डो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो रोनाल्डो सऊदी अरब के पारंपरिक कपड़ों में दिख रहे हैं। उनके हाथ में तलवार नजर आ रही है और कंधे में सऊदी अरब का झंडा देखा जा सकता है। यह वीडियो उनके फुटबॉल क्लब अल नस्र के सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया गया है। अल नस्र ने रोनाल्डो के अलावा भी कई खिलाड़ियों का वीडियो शेयर किया है। वीडियो सऊदी अरब के स्थापना दिवस के हैं। इस मौके पर सभी खिलाड़ियों ने एक कार्यक्रम में भाग लिया था और सऊदी अरब के स्थापना दिवस का जश्न मना रहे थे। रोनाल्डो ने सऊदी अरब के पारंपरिक तलवार नृत्य अल अरदा में भी भाग लिया। उन्होंने इस जश्न का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा सऊदी अरब को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब के स्थापना दिवस में शामिल होना काफी मजेदार रहा। सऊदी अरब की स्थापना 300 साल पहले की गई थी। 1727 में इसका आधिकारिक रूप से एलान किया गया था। इसके बाद से 22 फरवरी के दिन सऊदी अरब का स्थापना दिवस मनाया जाता है। अल नस्त्र और अल हिलाल की मिश्रित टीम के लिए अभ्यास मैच में रोनाल्डो ने शानदार खेल दिखाया था, लेकिन उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था। अब रोनाल्डो की कोशिश अपने क्लब के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने पर होगी।

भारतीय अंडर-17 फुटबॉल टीम इसी माह कतर से खेलेगी दो मैत्र मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-17 फुटबॉल टीम इसी माह 27 और 28 फरवरी को कतर से दो मैत्री मुकाबले खेलेगी। भारतीय टीम को इन मैचों से एएफसी अंडर-17 एशियाई कप की तैयारियों का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के कोच बिबियानो फर्नांडीस ने कहा है कि टीम ने अंडर-17 एशियाई कप के लिए पहले से ही क्वालीफाई कर लिया था और वह नवंबर से ही इसके लिए गोवा में अभ्यास कर रही है। भारतीय टीम ने पिछले महीने ही यूएई अंडर-20 और उज्बेकिस्तान की अंडर-17 टीम के खिलाफ मैत्री मैच भी खेले थे। टीम इस प्रकार है: गोलकीपर: साहिल, जुल्फिकार गाजी, तजामुल इस्लाम।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया से 4 नॉकआउट मुकाबले हारे हैं हम

नई दिल्ली।
विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेला जाएगा। भारत के सामने इस वर्ल्ड कप में यह सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि ओवरऑल टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को 4 बार हराया है। हमें केवल एक ही मुकाबले जीत मिली है। टी-20 वर्ल्ड कप की बात करें तो दोनों देशों के बीच अब तक 5 मुकाबले खेले गए। 3 में ऑस्ट्रेलिया और 2 में भारत को जीत मिली। आगे स्टोरी में हम दोनों टीमों का इस वर्ल्ड कप में सफर, हेड-टु-हेड प्रदर्शन, पिच रिपोर्ट, वेदर कंडीशन और पॉसिबल प्लेइंग-11 जानेंगे।

हावी रहती है ऑस्ट्रेलिया - ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच अब तक टी-20 में 30 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। 7 में भारत और 22 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा। टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलती है।दोनों के बीच इस टूर्नामेंट में अब तक 5 मुकाबले खेले गए। 3 में ऑस्ट्रेलिया और 2 में भारत को जीत मिली। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला भी दोनों टीमों के बीच ही हुआ था, तब ऑस्ट्रेलिया ने हमें 85 रन से हराया था।

नॉकआउट में एक ही मुकाबला जीता भारत - टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप में नॉकआउट मुकाबलों की बात करें तो यहां भी ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा ही भारी रहता है। दोनों टीमें अब तक 2 बार टी-20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में भिड़ीं। 2010 में ऑस्ट्रेलिया ने हमें सेमीफाइनल में 7 विकेट से और पिछले वर्ल्ड कप फाइनल में 85 रन से हराया। वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों की बात करें तो दोनों टीमें 2 बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में भिड़ीं। 1997 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया 19 रन से और 2005 के फाइनल में 98 रन से जीता। लेकिन, 2017 के सेमीफाइनल में हमने उन्हें 36 रन से हराया था। दोनों टीमें पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में आमने-सामने हुई थीं। तब भी ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 9 रन से हराया था।

एक भी मैच नहीं हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम - इस टूर्नामेंट की बात करें तो ऑस्ट्रेलियन टीम ग्रुप-1 के पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर रही। टीम ने चारों मुकाबले जीते। उन्होंने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 97 रन से, दूसरे मैच में बांग्लादेश को 8 विकेट से, तीसरे मैच में श्रीलंका को 10 विकेट से और आखिरी ग्रुप मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हराया।

भारत को एक हार मिली - इस टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में भारत को इंग्लैंड ने एक मुकाबला हराया। इसके अलावा टीम ने ग्रुप-2 में 3 मुकाबले जीते और दूसरे नंबर पर रहकर ग्रुप स्टेज फिनिश किया। पहले मुकाबले में टीम ने पाकिस्तान को 7 विकेट से, दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से और चौथे मैच में आयरलैंड को 5 रन से हराया। तीसरे मैच में इंग्लैंड से टीम इंडिया को 11 रन की हार मिली थी।

पिच रिपोर्ट और वेदर कंडीशन - साउथ अफ्रीका में केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। इस ग्राउंड पर महिला टी-20 के अब तक 28 मुकाबले खेले गए हैं। 16 बार पहले बैटिंग करने वाली और 12 बार बाद में बैटिंग करने वाली टीमों ने मैच जीते। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीमें पहले बैटिंग करना पसंद करेंगी।

केप टाउन में 17 से 24 डिग्री के बीच टेम्परेचर रहेगा। खेल के लिए मौसम अनुकुल रहेगा और दिन भर बारिश नहीं होगी।

मंधाना टॉप रन स्कोरर की रेस में इंग्लैंड की नेटली सीवर-ब्रंट इस टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने अब तक खेले 4 मैचों में 176 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर भारत की स्मृति मंधाना हैं, उन्होंने 3 मैचों में 149 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर एलिसा हीली 3 मैचों में 146 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं।

रेणुका ठाकुर के 7 विकेट - टूर्नामेंट की टॉप विकेट टेकर में 3 प्लेयर्स पहले नंबर पर हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन, ऑस्ट्रेलिया की मीगन शट और न्यूजीलैंड की ली ताहुहु के 4-4 मैचों में 8-8 विकेट हैं। भारत की रेणुका सिंह ठाकुर 4 मैचों में 7 विकेट के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, रिचा घोष (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, शिखा पांडे/राधा यादव, देविका वैद्य, राजेश्वरी गायकवाड़ और रेणुका सिंह।

ऑस्ट्रेलिया : मेग लेनिंग (कप्तान), एलिसा हीली, बेथ मूनी, एलीस पेरी, एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैक्ग्रा, ग्रेस हैरिस, एनाबेल सदरलैंड, एलाना किंग, मीगन शट और डार्सी ब्राउन।

एश्वरी तोमर ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में गोल्ड पर साधा निशाना

नई दिल्ली। ओलंपियन एश्वरी प्रताप सिंह तोमर ने मिस्र के कायरो में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में पुरुषों की व्यक्तिगत 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में गोल्ड मेडल जीता। भारत का टूर्नामेंट में दबदबा बरकरार है। यह टूर्नामेंट में भारत का छठा मेडल है, जिसमें चार गोल्ड शामिल हैं। भारत अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर है।

22 साल के तोमर ने पिछले साल चांगवोन वर्ल्ड कप में भी गोल्ड मेडल जीता था। उन्होंने कायरो में गोल्ड मेडल मैच में ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर शिमर्ल को 16-6 के विशाल अंतर से मात दी। बता दें कि तोमर रैंकिंग राउंड में कुल स्कोर 406.4 के साथ दूसरे स्थान पर थे। शिमर्ल 407.9 के कुल स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर थे।

इससे पहले तोमर ने 588 के स्कोर के साथ नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग में टॉप पर रहते हुए क्वालीफाई किया था। एक और भारतीय निशानेबाज अखिल शेरन 587 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन के मामले में दूसरे स्थान पर थे। यह भारत का दूसरा व्यक्तिगत वर्ल्ड कप गोल्ड मेडल है। पहला दक्षिण कोरिया में मिला था।

जीतने के लिए प्रतिबद्ध था

तोमर ने गोल्ड मेडल जीतने के बाद कहा, मैं दो बार इस रेंज में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। इसलिए इस बार मेडल के साथ वापस लौटने को प्रतिबद्ध था। मेरी रैंकिंग राउंड में धीमी शुरुआत हुई, लेकिन इसका फर्क नहीं पड़ा। मैं विश्वास से भरा था कि अपनी पसंदीदा शीर्ष स्थान को हासिल करूं और ऐसा ही हुआ।

ऋदम सांगवान मेडल राउंड में नहीं पहुंची

दिन के पहले मेडल इवेंट में भारत की ऋदम सांगवान महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के अंतिम चार मेडल राउंड में नहीं पहुंच सकी। हंगरी की वेरोनिका मेलर ने इस इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। वहीं मनु भाकर और ईशा सिंह क्रमश: 571 और 570 अंकों के साथ 32वें व 34वें स्थान पर रहीं।

सीएम की देरी से नाराज हुआ महान टेनिस खिलाड़ी: कर्नाटक के मुख्यमंत्री 2 घंटे देरी से पहुंचे, कोर्ट छोड़ चले गए ब्योर्न बोर्ग

बेंगलुरु।
टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग बेंगलुरु में एक सम्मान समारोह छोड़ कर चले गए। 11 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता बोर्ग को कर्नाटक स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन ने सम्मानित करने के लिए बुलाया गया था। हालांकि, उनका सम्मान करने आने वाले कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई दो घंटे देरी से पहुंचे। इस कारण दिग्गज ने सम्मान लेने से मना कर दिया और कोर्ट छोड़ कर चले गए। ब्योर्न बोर्ग अपने बेटे को बेंगलुरु ओपन में देखने आए थे। बोर्ग के साथ पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज को सम्मानित करने का प्रोग्राम था। टेनिस लीजेंड्स को सम्मानित करने का कार्यक्रम मूल रूप से सुबह 9:30 बजे होना था, इसके बाद इसे 10:15 बजे के लिए स्थगित किया। लेकिन, बोम्मई 11:15 तक नहीं पहुंचे और तब तक बोर्ग कार्यक्रम से निकल गए।

बोम्मई ने बेंगलुरु ओपन के मैच देखें

बोर्ग के जाने के बाद सम्मान समारोह स्थगित हो गया। बोम्मई ने कोर्ट में पहुंचने के बाद 15 से 20 मिनट टेनिस के गेम देखने पहुंचे और फिर वहां से चले गए। बोम्मई के ओर्गनइजर का कहना है कि मुख्यमंत्री को अपनी कुछ अन्य कमिटमेंट्स के कारण देरी हो गई।

सिर्फ 26 साल की उम्र में बोर्ग ने ले लिया था

रिटायरमेंट

स्वीडन के ब्योर्न बोर्ग ने 1974 से 1981 के बीच 11 ग्रैंड ग्लैम खिताब जीते। जिसमें 6 फ्रेंच ओपन और पांच विंबलडन शामिल है। उन्होंने 26 साल की उम्र मे ही टेनिस से रिटायरमेंट ले लिया था। उनका मानना था की वे टेनिस को एन्जॉय नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने 1991 में कमबैक किया, लेकिन वे दो साल में एक ही मैच जीत पाए।

हर साल होता है बेंगलुरु ओपन

बेंगलुरू ओपन प्रोफेशनल टेनिस टूर्नामेंट है। इसे हार्ड कोर्ट पर खेलते है। यह चैलेंजर टूर का हिस्सा है। इसमें इंटरनेशनल खिलाडी हिस्सा लेते है। इस टूर्नामेंट को 2015 से बेंगलुरु में हर साल आयोजित किया जा रहा है।

फुटबॉल में रेफरी पर शुरू हुआ बॉडी-कैमरे का इस्तेमाल: 100 रेफरी पर आजमाया जाएगा, तीन महीने बाद देखा जाएगा कि खिलाड़ियों के बर्ताव में बदलाव

लंदन।
फुटबॉल ने खेल में तकनीक को समय-समय पर बढ़ावा दिया है। इसी क्रम में बॉडी-कैमरे का इस्तेमाल होना शुरू हुआ है। मिडिल्सब्रू, लिवरपूल, वॉर्सेस्टर और एसेक्स की लोअर लीग के मैच में रेफरी की बॉडी पर कैमरा लगाकर नया प्रयोग किया जा रहा है। दरअसल, कई बार खिलाड़ी मैच की गहमा-गहमी में अच्छे बर्ताव की सीमा अक्सर पार कर जाते हैं। वे रेफरी के साथ हिंसक तक हो जाते हैं। कई बार मारपीट की नौबत आई है। बॉडी कैमरे की मदद से रिकॉर्ड की गई वीडियो को किसी खिलाड़ी के खिलाफ उसके बर्ताव पर चल रही सुनवाई में इस्तेमाल किया जा सकेगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि रेफरी के शरीर पर कैमरा लगाने से मैदान पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार आएगा। बॉडी कैमरा बनाने वाली कंपनी लोअर लीग के 100 रेफरी पर इसे

आजमाएगी। साथ ही, रेफरियों को कैमरा इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग दी जाएगी। तीन महीनों बाद इन कैमरों का विश्लेषण किया जाएगा, जिसमें देखा जाएगा कि क्या बॉडी कैमरे की वजह से खिलाड़ियों के बर्ताव में कोई सुधार होता है या नहीं। फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मार्क बलिंघम बताते हैं, 'रेफरी फुटबॉल के सबसे अहम भाग है। हमने सारे रेफरी से फीडबैक लिया। इसके बाद उस पर काम किया। हमें उम्मीद है कि ये प्रयोग रेफरी के लिए बेहतर साबित होगा।' रेफरी के अध्यक्ष बताते हैं कि कई रेफरी ने अपनी जिंदगी फुटबॉल को दी है। उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। फीफा वर्ल्ड कप में भी इस्तेमाल हुई थीं कई नई तकनीक, दिव्यांग भी खेल का मजा ले पाए थे पिछले साल फीफा वर्ल्ड कप में कई नई तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। वर्ल्ड कप में इस्तेमाल की गई अल रिहला गेंद में सेंसर लगे थे, जिससे एक सेकंड में 500 बार सिग्नल भेजे जा सकते थे। इससे नई जानकारी इकट्ठी करने में मदद मिली। वर्ल्ड कप में वार का इस्तेमाल पहली बार किया गया था। इस तकनीक के जरिए खिलाड़ी के ऑफ साइड होने पर रेफरी के हाथों में पहनी हुई घड़ी में एक नोटिफिकेशन चला जाता था। केवल इस तकनीक के लिए स्टेडियम में 12 कैमरे मौजूद थे। वर्ल्ड कप में पहली बार एसी वाले स्टेडियम का प्रयोग किया गया था। इसमें स्टेडियम के अंदर लगे स्टैंड्स की जालियों से ठंडी हवा निकलती थी। वर्ल्ड कप में दिव्यांगों के लिए भी नई तकनीक आई। उन्हें ऐसे टैबलेट दिए गए, जिसमें रियल टाइम खेल को ब्रेल भाषा में बदल दिया गया।

जयपुर में चौके-छक्के लगाते नजर आएंगे बॉलीवुड एक्टर्स

सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग के चार मैच होंगे; फैंस के साथ पार्टी भी

जयपुर।
राजस्थान के खेल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। आईपीएल से पहले राजस्थान में (सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग) होने जा रही है। इसमें सुनील शेट्टी, रितेश देशमुख, सोनू सूद, जिमी शेरगिल, आयुष्मान खुराना जैसे 100 से ज्यादा सेलिब्रिटी चौकों-छक्कों की बौछार करते नजर आएंगे। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 25 और 26 फरवरी (2 दिन) को 4 मैच खेले जाएंगे। यहां म्यूजिक की बीट्स पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर प्लेयर्स को चीयरअप करते नजर आएंगे। मैच के बाद सेलिब्रिटी नाइट का आयोजन भी किया जाएगा। इसमें बॉलीवुड स्टार जयपुराइड्स के साथ पार्टी करेंगे। हालांकि आफ्टर मैच पार्टी में चुनिंदा लोगों को ही एंट्री मिल पाएगी। 2 दिन तक चलने वाले इस मैच के दौरान सभी सेलिब्रिटीज जयपुर में ही रहेंगे।

टेस्ट के फॉर्मेट पर होगा टी-20 मैच

जयपुर में पहली बार होने जा रहे मैच को टेस्ट मैच के फॉर्मेट पर खेला जाएगा। राजस्थान में सीसीएल के आयोजक संदीप गुप्ता ने बताया- हर मैच में 10-10 ओवर की चार इनिंग खेली जाएगी। इसमें 10 ओवर समाप्त होने के बाद दूसरी टीम को 10 ओवर खेलने का मौका दिया जाएगा। फिर 10 ओर पहले वाली टीम खेलेगी। इसके बाद आखिरी के 10 ओवर दूसरी टीम खेलेगी। रन का कैलकुलेशन टेस्ट मैच की तरह होगा। अगर बैटिंग करने वाली टीम शुरुआती 10 ओवर में ही ऑल आउट हो जाती है तो उसे दूसरी इनिंग खेलने का मौका नहीं मिल पाएगा।

जयपुर में होंगे 4 मैच

25 फरवरी जयपुर एसएमएस स्टेडियम में दोपहर 2:30 बजे तेलुगु वॉरियर्स का मुकाबला चेन्नई राइनोस से होगा। 25 फरवरी जयपुर एसएमएस स्टेडियम में शाम 7 बजे भोजपुरी दबंग्स का मुकाबला पंजाब दे शेर से होगा। 26 फरवरी जयपुर एसएमएस स्टेडियम में दोपहर 2:30 बजे केरल स्ट्राइकर्स का मुकाबला कर्नाटक बुलडोजर से होगा। 26 फरवरी जयपुर एसएमएस स्टेडियम में शाम 7 बजे मुंबई हीरोज का मुकाबला बंगाल टाइगर्स से होगा। 500 से 25 हजार रुपए तक का टिकट जयपुर में पहली बार होने जा रहे सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग के मैच को देखने के लिए जयपुराइट्स को 500 रुपए से लेकर 25,000 रुपए तक खर्च करने पड़ेंगे। इसमें सबसे सस्ता 500 रुपए का टिकट ईस्ट ओर नॉर्थ स्टैंड का है। वहीं सबसे महंगा टिकट प्लेयर्स डगआउट के पीछे बने सेलिब्रिटी मंडप का होगा। जहां से मैच देखने के लिए 25,000 रुपए तक खर्च करने पड़ेंगे। हालांकि टिकट की कीमत बढ़ने के साथ ही सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी। मैच के दौरान 1500 रुपए के टिकट के साथ ही दर्शकों को खाने की सुविधा उपलब्ध होगी।

2003 में हुई थी शुरुआत सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग की शुरुआत फिल्म जगत के सितारों को क्रिकेट मैदान पर उतारने के साथ ही 2003 में हुई थी। 2010 में यह औपचारिक तौर पर टी-20 फॉर्मेट को अपनाकर प्रचलित हुआ। इसमें आठ अलग-अलग टीमें हिस्सा लेती हैं और आईपीएल की तर्ज पर ही इसके फ्रेंचाइजी ऑनर भी हैं। इस क्रिकेट लीग में सोनू सूद, रितेश देशमुख, सोहेल खान साउथ के कई सुपरस्टार जुड़े हुए हैं। इसमें बंगाल, भोजपुरी दबंग, मुंबई हीरोज, चेन्नई, कर्नाटक, पंजाब और तेलुगु वॉरियर्स की कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी।

काम के बाद यूं हों तनावमुक्त

का म के घंटों के बाद भी इसके बोझ तले दबी रहती हैं? तो इन सुझावों पर ग़ौर करें.

काम से जुड़े फ़ोन कॉल्स सुनना, देर रात तक ईमेल्स के जवाब देना और निजी व काम से जुड़े फ़ोन कॉल्स को एकसाथ हैंडल करना, वो भी ग़ैर-सेहतमंद स्नैक्स खाते हुए और बेवजह टीवी देखते जाना-क्या ये बातें ऑफ़िसि के काम के बाद के आपके जीवन का खाका खींच रही हैं? न्यूज फ़्लैश-आपको स्विच ऑफ़ करने की जरूरत है! पुरुष काम के बाद आराम करते हैं, लेकिन महिलाएं काम के बाद ये भी सुनिश्चित करती हैं कि घर पर सभी चीजें सही तरह से हों. इस वजह से उन्हें तनाव से संबंधित समस्याएं होने लगती हैं, जो उम्र के चौथे दशक में प्रभाव दिखाती हैं,'' बताती हैं अमृता जयकृष्णन.

1. गहरी सांस लें: हममें से अधिकतर लोग काम में इतने व्यस्त रहते हैं कि सही ढंग से सांस लेना भी भूल जाते हैं. ''तो जैसे ही आप घर पहुंचें सबसे पहले गहरी और धीमी सांसें लेने के लिए समय निकालें. जब आपके लंग्स को ऑक्सीजन का ताजा प्रवाह मिलेगा, हमेशा तनाव में कमी महसूस होगी,'' अमृता कहती हैं.

कोकूनिंग: दोनों हथेलियों को चेहरे के दोनों ओर इस तरह रखें कि कनिष्ठिका आइलिड पर, अनामिका कानों के पास और अंगूठा जबड़े के पास हो. नाक से सांस लेते और छोड़ते समय (चार की गिनती गिनने तक) कुछ मिनटों तक ऐसा करें

2. दिन की थकान धो डालें: यदि आपका दिन बुरा बीता तो मन को बेहतर करने का त्वरित तरीक़ा है स्नान करना. ''मैं घर आते ही सबसे पहले स्नान करती हूं,'' कहती हैं गुड़गांव की प्रोफ़ेशनल कृति कपूर. सुगंधित मोमबत्ती जलाएं और स्नान के बाद आराम पहुंचानेवाले ऑयल्स, जैसे-लैवेंडर या रोज का इस्तेमाल करें.

सहज रहें: यदि स्नान नहीं करना है तो मेंटल और स्किन क्लेंजिंग नियम का पालन करें. पायजामा या आरामदेह पैंट्स (सैटिन या कॉटन के) ख़रीदें, उसे पहनें, ताकि आप सहज मूड में आ सकें और अपने लिए एक शांति देनेवाली चाय बनाएं.

3. तनावमुक्त होने का समय निकालें: एक ऐसी हॉबी रखें, जो आपके काम से अलग हो. ''मैं आर्मी में कार्यरत हूं, वहां काम बहुत व्यस्ततावाला है. मैं कैम्प्स के आसपास पड़े फ़र्नीचर के टूटे टुकड़े उठा लाती हूं और उनसे बुक शेल्व्स या वॉल ऑर्नामेंट्स बनाती हूं,'' कहती हैं कैप्टन स्वाति यादव. आप कुकिंग या बुनाई जैसे शौक़ भी चुन सकती हैं.

ऐलेक्जेंडर टेक्नीक: आफिस के बाद के रुटीन से पहले सुनिश्चित करें कि आप तनावमुक्त हो जाएं. इसके लिए 10 मिनट तक ऐल्क्जेंडर टेक्नीक सेमी-सपाइन पोजिशन में लेटें. इससे तनाव और पीठ दर्द कम होता है. यह शाम के लिए आपको सहज बना देता है.

घर लौटते समय

» उन कामों की सूची बनाएं, जो आपने आज निपटाएं हैं, ताकि आपके भीतर 'आज बढ़िया काम किया' वाला एहसास जागे. इस काम को ऑफ़िसि छोड़ने से पहले ही कर डालें.

» अपनी सोच को लिखने के लिए एक डायरी हमेशा पास रखें. आप स्मार्टफ़ोन पर भी ऐसा कर सकती हैं-माय डायरी या प्राइवेट डायरी जैसे ऐप्स डाउनलोड करें.

» अपने स्मार्टफ़ोन या आई पैड में एक डीस्ट्रेसिंग गानों की प्लेलिस्ट रखें. साइकोलॉजिस्ट्स कहते हैं कि कुछ आवाजें हमें खुशी और सुकून देती हैं-ये आवाजें प्रकृति की या फिर ऐसे गानों की होती हैं, जिनसे कोई खुशनुमा घटना जुड़ी हो.

भोग-विलास करने वालों का अंत निकट

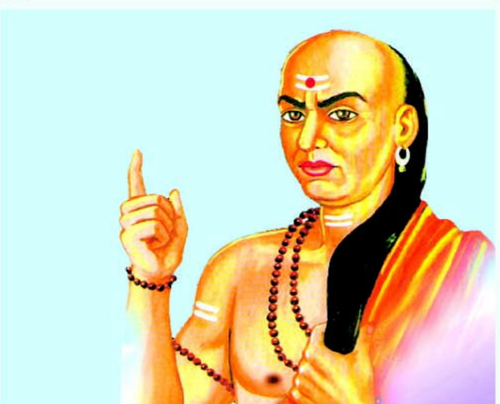

महान राजनीतिज्ञ और कुटनीतिज्ञ होने के साथ-साथ इन्होंने मौर्य साम्राज्य की स्थापना व चन्द्रगुप्त मौर्य को सम्राट बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। पाटलिपुत्र से संबंध होने के कारण उसे इन्होंने अपनी कर्मभूमि बनाया। आचार्य चाणक्य एक बड़े दूरदर्शी विद्वान थे। चाणक्य जैसे बुद्धिमान, रणनीतिज्ञ, चरित्रवान व राष्ट्रहित के प्रति समर्पित भाव वाले व्यक्ति भारत के इतिहास में ढूंढने से भी बहुत कम मिलते हैं। इनकी नीतियों में उत्तम जीवन का निर्वाह करने के बहुत से रहस्य समाहित हैं, जो आज भी उतने ही कारगर सिद्ध होते हैं। जितने कल थे। इन नीतियों को अपने जीवन में अपनाने से बहुत सी समस्याओं से बचा जा सकता है। चाणक्य के अनुसार जो व्यक्ति भोग-विलास में लिप्त रहता है उसका अंत निकट रहता है।

इन्द्रियवशवर्ती चतुरंगवानपि विनश्यति।

भावार्थ: राजा चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, यदि वह भोग-विलास में अपना अधिकांश समय व्यतीत करता है तो ऐसा राजा शीघ्र ही नष्ट हो जाता है अथवा पराजित होकर मारा जाता है।

बोन कैंसर की चिकित्सा कैसे करें

ए क उम्र के बाद हड्डियों में दर्द होना आम बात है लेकिन कई बार समय से पहले ही हड्डियों में दर्द होने लगता है। वृद्धावस्था में होने वाला हड्डियों में दर्द ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हो सकती है या फिर हड्डियों में कमजोरी के कारण ऐसा हो सकता है। लेकिन हड्डियों में कम उम्र में होने वाला दर्द बोन कैंसर हो सकता है। बोन कैंसर आमतौर पर कम उम्र में होता है और कैंसर की अवस्था भी उम्र के हिसाब से अलग-अलग होती है। बोन कैंसर चिकित्सा करने के लिए यह पता लगाना जरूरी होता है कि आखिर बोन कैंसर किस स्टेज का है। आइए जानें बोन कैंसर की चिकित्सा कैसे करें।

■ यह तो सभी जानते हैं वृद्धावस्थां में होने वाला हड्डियों में दर्द बहुत खतरनाक होता है लेकिन जब यही हड्डियों का दर्द बच्चों को हो तो आप कल्पना कीजिए बच्चों के लिए कितना असहनीय हो सकता है।

■ आमतौर पर 5 से 25 साल तक की उम्र में होने वाले हड्डियों के दर्द को ही बोन कैंसर कहा जा सकता हैं।

■ कम उम्र में हड्डियों में होने वाले दर्द को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए । बल्कि इसका सही समय पर इलाज करना चाहिए। अन्यथा ये आगे चलकर बोन कैंसर का रूप ले सकता हैं बोन कैंसर का कारण जेनेटिक लेवल में किसी गड़बड़ी के कारण होता है, इसीलिए यह बीमारी कम उम्र या युवावस्था में होती है।

■ बोन कैंसर को पहचानना मुश्किल होता है । क्योंकि इसके लक्षण सामान्य रूप से होने वाले दर्द की तरह ही होते हैं।

■ बोन कैंसर अधिकतर हाथ-पैरों की में ही होता है और हड्डियों में सूजन आने पर बढ़ने लगता है।

■ बोन कैंसर के इलाज के लिए जरूरी है कि यह पता लगाया जाएं कि बोन कैंसर किस अवस्था् का है यानी बोन कैंसर दो रूपों में होता है इविंग सारकोमा और ओस्टियो सारकोमा।

■ यदि बोन कैंसर ओस्टियो सारकोमा है तो यह कैंसर आमतौर पर हड्डियों के आखिरी भाग में होता है। ये कैंसर होने पर इसके कारणों का पता लगाना बहुत जरूरी है और इविंग सारकोमा बड़ी हड्डियों में होता है।

■ कैंसर का इलाज जांच के बाद ही होता है। जांच में कैंसर किस जगह पर है, किस प्रकार का है, किस स्टेज पर है यह पता लगने के बाद ही इलाज संभव है। हालांकि बोन कैंसर का इलाज कई तरीकों से किया जाता है।

■ यदि इविंग सारकोमा कैंसर है तो कीमोथेरेपी या जरूरत के हिसाब से रेडियोथेरेपी दी जाती है, जबकि ओस्टियो सारकोमा थेरेपी के बजाय सर्जरी की जाती है।

■ यदि बोन कैंसर का इलाज सही समय पर ना करवाया जाए तो आगे जाकर बहुत परेशानियां हो सकती है, यहां तक की कैंसर के कारण शरीर का वह हिस्सा बेकार भी हो सकता है।

■ जैसे की हर ट्रीटमेंट के दौरान कुछ ना कुछ साइड इफेक्ट होते हैं वैसे ही बोन कैंसर के इलाज के दौरान भी दवाईयों से और थेरेपी से कुछ साइड इफेक्ट होते हैं लेकिन यह साइड इफेक्ट बोन कैंसर के नुकसान से बहुत कम है।

हाथ की उंगलियां बताती हैं व्यक्तित्व

ह थेली की रेखाएं आने वाले समय के बारे में सचेत कर देती हैं। भविष्य में जो कुछ भी होने वाला हैं, रेखाएं संकेत दे देती हैं। लेकिन आपके हाथ की उंगलियां भी कुछ कम नहीं हैं। आपकी उंगलियां और अंगूठा आपके व्यक्तित्व को बताती हैं। जानें क्या कहती हैं आपके हाथ की उंगलियां-

■ ऐसे व्यक्ति जिनका अंगूठा पीछे की ओर अधिक मुड़ता है, वह अपनी शक्ति को बेकार करते है। ऐसे लोगों को अपने काम में स्थिरता लानी चाहिए।

■ जिस व्यक्ति का अंगूठा अकड़ा रहता है। उसमें अहम का भाव रहता हैं। इसके विपरीत साधारण पीछे झुकने वाला व्यक्ति समय के साथ अपना ताल- मेल बैठा लेता हैं।

■ जिसकी उंगलियां लंबी होती हैं, वह धैर्यशील प्रवृत्ति के होते हैं और अपने काम में कभी भी जल्दबाजी नहीं करते। वे लोग बारीक से बारीक बातों का बहुत ध्यान रखते हैं।

उंगुलियां भी देती हैं संकेत

■ जिनकी उंगलियां छोटी होती है, वे लोग निर्णय लेने में जरा भी देरी नहीं करते। साथ ही वे स्वतंत्र विचारों वाले भी होते हैं।

■ अगर तर्जनी उंगली छोटी हो तो ऐसे लोग स्वार्थी होते हैं। यहीं नहीं ये किसी के सामने जवाबदेह भी नहीं होते हैं। इसके विपरीत लंबी तर्जनी उंगली वाले आत्मविश्वास और जिम्मेदार व्यक्ति होते हैं।

■ जिनकी मध्यमा उंगली लंबी होती है, वे कुदरत पर भरोसा करने वाले होते हैं। वहीं छोटी मध्यमा उंगली वाले चालक प्रवृत्ति के होते हैं।

■ ऐसे लोग जिनकी अनामिका उंगली लंबी है, तो उन्हें काफी संघर्ष के बाद सफलता मिलती है।

■ कनिष्ठिका उंगली अगर लंबी हो तो उस व्यक्ति का काफी प्रभाव रहता हैं और छोटी उंगली चालाक आदमी की निशानी होती हैं।

रेसिपी

जैम स्विस रोल

सामग्री

तीन अंडे, आधा कप पीसी हुई चीनी, एक कप मैदा, दो चम्मच वेनीला एसेंस, थोडा गरम पानी, आवश्यकता मिक्स फरूट जैम, गार्निश करने के लिए शुगर पाउडर

विधि

सबसे पहले ओवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर गरम कर लें। रोल बनाने वाले पैन पर थोड़ा सा तेल लगा कर बटर पेपर लगा लें और उस बटर पेपर पर भी थोड़ा सा तेल लगा लें। उसके बाद उस पेपर पर थोड़ा सा मैदा डाल कर फैलाएं और बाकी का मैदा पैन को पलट कर छाड़ दें और फिर इसे किनारे रख दें। अब एक बाउल में अंडा, शुगर पाउडर, वेनीला एसेंस, मैदा और हल्का गरम पानी डाल लें और इसे तब तक फेंटे जब तक कि मैदा अंडे के घोल के साथ मिक्स ना हो जाए। इसमे उतना पानी डाले जिससे घोल ना तो ज्यादा गाढा और न ही पतला। इस मैदे के घोल को पहले से तैयार किए गए पैन में डाल कर फैलाएं। फिर इसे दस से बारह मिनट तक बेक होने के लिए ओवन में रख दे। जब यह बेक हो जाए तब इसे निकाल कर दो मिनट तक ठंडा होने के लिये रखें। अब टेबल पर एक और बटर पेपर रखें और उस पर मैदा छिड़किए। इस पेपर पर बेक किया गया मैदा वाला रोल पैन से पलटिए। पेपर को धीरे से निकालिए। अब मैदा वाले रोल पर अच्छी तहर से चम्मच से जैम लगाइए। जब जैम लग जाए तब इसे धीरे धीरे रोल करना शुरु कर दें। जब यह रोल हो जाए तब ऊपर से शुगर पाउडर छिड़किए और इसे स्लाइस में काट कर सर्व करे।

आंखों को रखना है जवां तो अपनाएं ये देशी आदतें

प्र दूषित वातावरण, धूल- मिट्टी, पूरे दिन टीवी, मोबाइल और कंप्यूटर के सामने बैठे रहना ये कुछ ऐसी चीजें हैं जो हमारी आंखों को नुकसान पहुंचाती हैं। जिसके कारण आंखों में दर्द, जलन और चुभन जैसी समस्या से हम ग्रसित हो जाते हैं।

1- सुबह-सुबह नंगे पांव ओस पड़ी हरी घास पर चलने से आंखों की रोशनी तेज होती है।

2- सबसे पहले ध्यान के आसन में बैठ जाएं। फिर 6 से 7 मीटर दूर रखी किसी चीज को एक टक देखते रहें। इस तरह से ध्यान लगाने से चुभती हुई आंखों को आराम मिलता है।

3- यह तरीका बहुत ही पुराना है। दोनों हाथेलियों को आपस में 10 से 15 मिनट रगड़े और उसके बाद हल्के से दोनों हाथों को आखों के ऊपर रखें। इससे आंखों को तुरंत आराम मिलेगा।

4- अगर कंप्यूटर, लेपटॉप या मोबाइल के सामने हों तो हर 3 से 4 सेकेंड बाद पलकों को झपकाते रहिए। ऐसा करने से आंखों की कसरत होगी जिससे आराम मिलेगा।

5- दस बार आंखों को ऊपर-नीचे, दस बार आंखों को दाएं-बाएं तथा दस बार वृत्ताकार घूमाने से आंखों की अच्छी मालिश होती है और इससे आंखों पर पड़ने वाला तनाव भी कम होता है।

6- आंखों की जलन को दूर करने के लिए विटामिन आयरन का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इसलिए गाजर आम, पपीता, आजवाइन, रसदार फल, दूध और मक्खन का प्रयोग करना चाहिए। आंखों को आराम देने के लिए सात से आठ घंटा नींद लीजिए।

7- प्राणायाम करने से दिमाग स्थिर रहता है और आंखों की रोशनी बनी रहती है। आप आखों की जलन को दूर करने के लिए योग में शवासन और सर्वांगासन भी कर सकते हैं।

8- आंख के जलन को दूर करने के लिए आप ठंडी चम्मच को अपनी आंख पर लगाएं। इसके लिए आप पहले बर्फ का पानी एक गिलास लें और उसमें एक चम्मच डालें। फिर ठंडी होने के बाद उस चम्मच को निकालकर उसे आपनी आंखों पर लगाएं।

किमामी सेवइयां

सामग्री

100 ग्राम सेवई, एक कप घी, तीन कप दूध, एक कप चीनी, **गार्निश के लिए:** पांच-छ- इलायची, चार-पांच लौंग, दस बादाम, दस पिस्ता, एक चुटकी केसर

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में घी गर्म करें और गर्म हो जाने के बाद उसमें इलायची और लौंग डाल कर हल्का फाई कर लें। इन्हें निकालनें के बाद इसी में कम से कम 5 से 6 मिनट सेवई फाई कर लें। अब एक दूसरी कढ़ाई में दो कप पानी डालें फिर चीनी डालकर इसकी चाशनी बना लें। बन जाने के बाद इसमें सेवई डाल दें और दूध भी डाल दे। इसके बाद इसे तब तक पकाते रहें जब तक दूध गाढ़ा न हो जाए। गाढ़ा हो जाने के बाद गैस बन्द कर दे। अब एक सर्विंग बाउल में निकाल कर लौंग तथा इलायची डाल कर गार्निश करें और इसे मनचाहें तरीके से कटे बादाम और पिस्ते से सजा दे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**